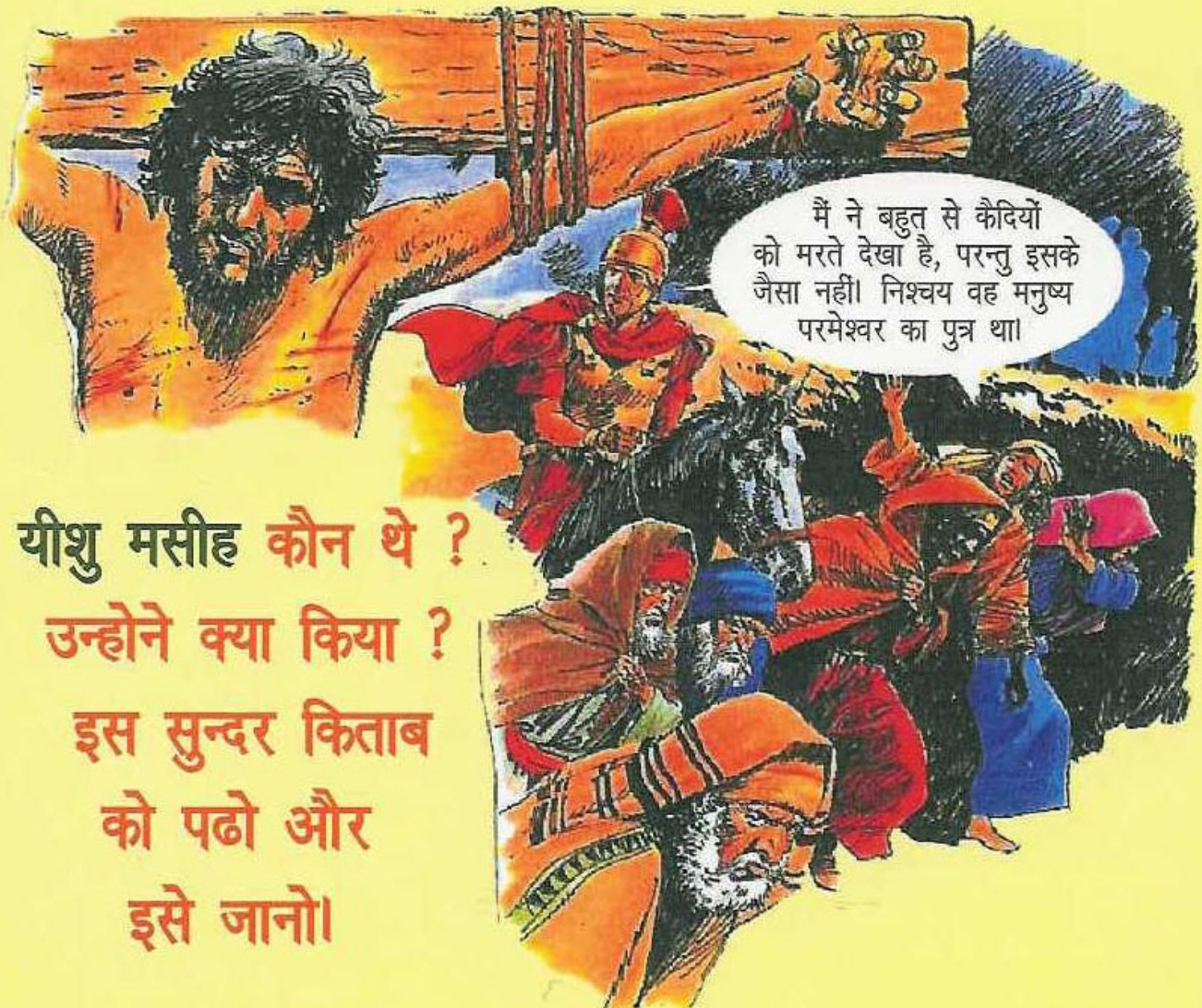
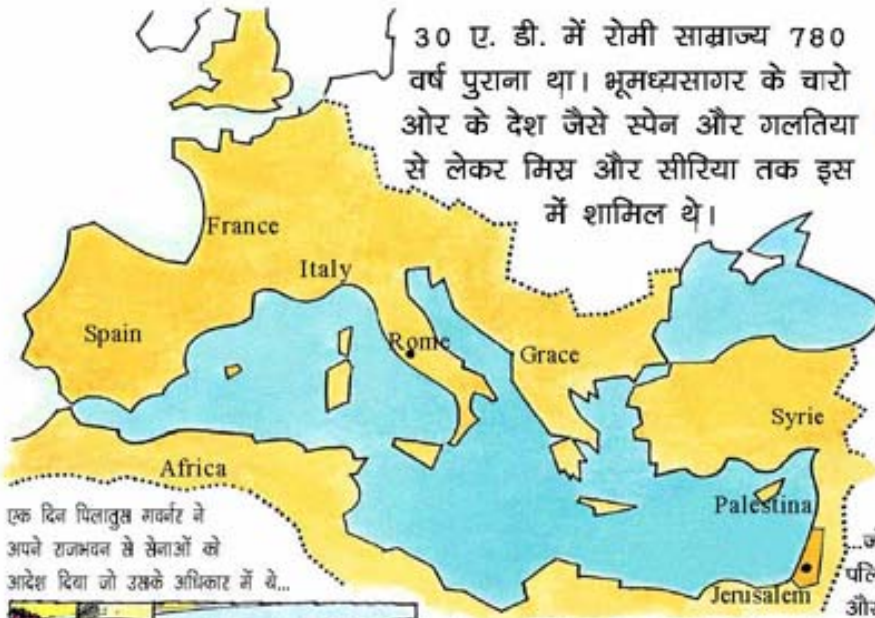


प्रभु यीशु मसीह हमारे मध्य रहा



यीशु मसीह कौन थे ?
उन्होंने क्या किया ?
इस सुन्दर किताब
को पढो और
इसे जानो।



30 ए. डी. में रोमी साम्राज्य 780 वर्ष पुराना था। भूमध्यसागर के चारों ओर के देश जैसे स्पेन और गलतिया से लेकर मिस्र और सीरिया तक इस में शामिल थे।



एक दिन पिलातुस गवर्नर ने अपने राजभवन से सेनाओं को आदेश दिया जो उसके अधिकार में थे...

...जो यरूशलेम में स्थित था, और जो पलिश्तिन देश में यहूदा की राजधानी थी और रोमी प्रान्त सीरिया के अधीन था।



कप्तान, आपकी साप्ताहिक रिपोर्ट में कैसा समाचार है?

गवर्नर, मैं ने यरदन नदी के किनारे एक बड़ी भीड़ देखी, वहाँ कोई यूहन्ना नाम का बपतिस्मा देनेवाला प्रचार कर रहा है। लोग उसे भविष्यवक्ता मानते हैं।



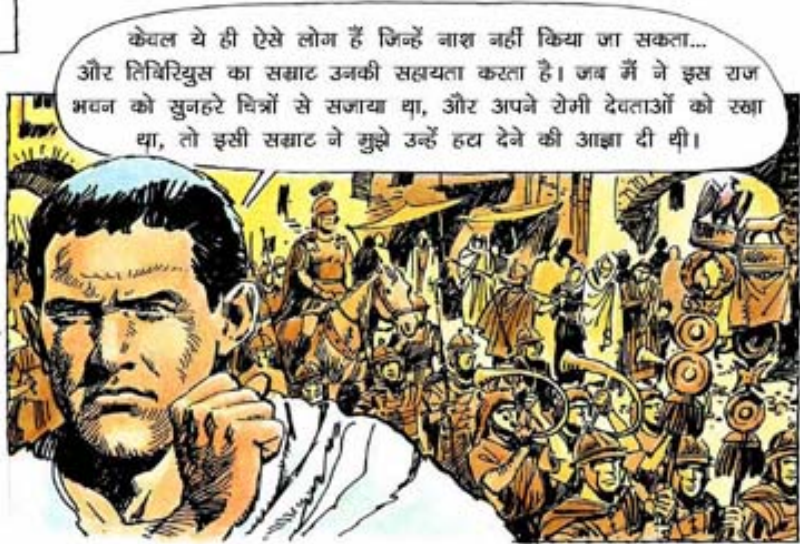
लोगों को वह बपतिस्मा देता है। और मसीह नामक एक नये अगुआ के आने के विषय कहता है।

हूँ... मेरे सामने दूसरा अगुआ, जो एक सेना संगठित करेगा और हम रोमियों को खदेड़ने का प्रयास करेगा...



यह कोई पहला नहीं और न तो अन्तिम अगुआ ही होगा। परन्तु हमें खदेड़ने में तो आज तक कोई सफल नहीं हुआ।

हूँ, ये यहूदा लोग वास्तव में एक विशेष प्रकार के लोग हैं।



केवल ये ही ऐसे लोग हैं जिन्हें नाश नहीं किया जा सकता... और लिबिरियस का सम्राट उनकी सहायता करता है। जब मैं ने इस राज भवन को सुनहरे चित्रों से सजाया था, और अपने रोमी देवताओं को रखा था, तो इसी सम्राट ने मुझे उन्हें हटाने की आज्ञा दी थी।

इन यहूदियों के लिए इसका अर्थ उनके पवित्र शहर को अपवित्र करना हुआ। हमारे देवताओं का कोई भी चित्र रखना मना है। हमारे रोमी साम्राज्य से सम्बन्धित सभी चिन्तों को परमेश्वर की निन्दा मना जाता है।

इसलिए उन्होंने सम्राट तिबेरियास को शिकायत की ... और वे मुकद्मा जीत गये।



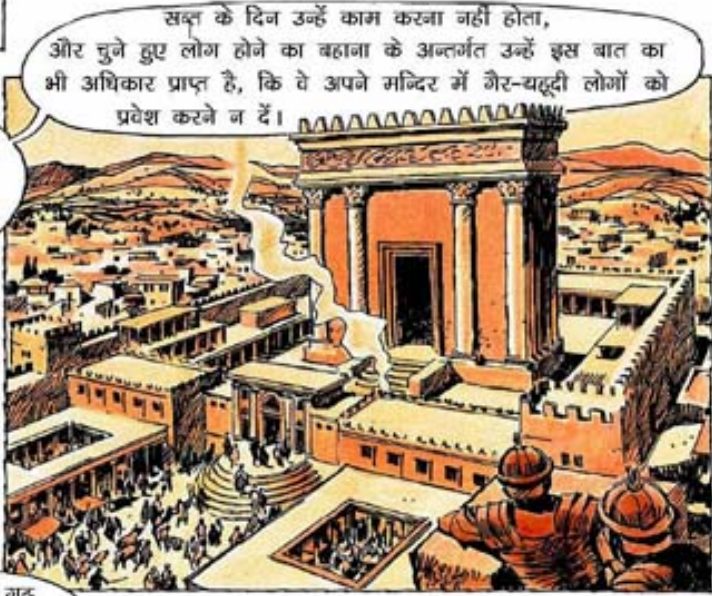
वे हठी लोग हैं, उन पर शासन नहीं किया जा सकता। गवर्नर के रूप में यहाँ यरूशलेम में मेरी नियुक्ति सम्पूर्ण साम्राज्य से अत्यन्त ही असुविधा है।



यह बात ठीक है। सम्पूर्ण साम्राज्य में केवल यहूदी लोग ही ऐसे हैं जिन्हें हमारे देवताओं की उपासना करने की आवश्यकता नहीं होती।



सदा के दिन उन्हें काम करना नहीं होता, और चुने हुए लोग होने का बहाना के अन्तर्गत उन्हें इस बात का भी अधिकार प्राप्त है, कि वे अपने मन्दिर में गैर-यहूदी लोगों को प्रवेश करने न दें।



ओह, यरूशलेम का यह मन्दिर! कैसा कुसुफ़ा! जब 2000,000 तीर्थ यात्री यहूदियों के पर्व पर आते हैं, उस समय प्रत्येक को सावधान रहना चाहिये। तुम्हें इस विषय में मालूम होने से पहले वे गड़बड़ी मचा सकते और दंगा आरम्भ कर सकते हैं।



अरेनिआ के गढ़ से हम उनकी गतिविधियों पर दृष्टि रख रहे हैं और समय पर किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को रोक सकते हैं।



ठीक है, कप्तान। यरदन नदी की स्थिति पर कड़ी दृष्टि रखो और मुझे सूचित करते रहो...

मैं स्वयं वहाँ जा रहा हूँ। मुझे मालूम है कि यहूदी अधिकारी लोग भी उस यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले के विषय सन्देह कर रहे हैं, वे अपनी ओर से छनवीन करने का विचार कर रहे हैं...



अगले दिन बरदन नदी के तट पर।



वर्षा यशायाह भविष्यवाता के द्वारा की गई कि जंगल में एक पुकारनेवाले का शब्द हो रहा है, कि प्रभु का मार्ग तैयार करो, उस की लड़कें सीपी करो। यह यूहन्ना ऊंट के रोग का वस्त्र पहिने था, और अपनी कमर में चमड़े का पटुका बांधे हुए था, और उसका भोजन टिड्डियां और बनमधु था। तब बरुशलेम के और सारे यहूदिया के, और बरदन के आस पास के सारे देश के लोग उसके पास निकल आए। और अपने अपने पापों को मानकर बरदन नदी में उस से बपतिस्मा लिया। जब उस ने बहुतरे फटीसियों और सद्कियों को बपतिस्मा के लिए अपने पास आते देखा, तो उन से कहा, कि हे सांप के बच्चों, तुम्हें किस ने जता दिया, कि आनेवाले क्रोध से भागो? सो मन फिटाव के योग्य फल लाओ। और अपने अपने मन में यह न सोचो, कि हमारा

मती 3:1-17

उन दिनों में यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला आकर यहूदिया के जंगल में यह प्रचार करने लगा। कि मन फिटाओ, क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट आ गया है। यह वही है जिस की



इसी बीच...



मैं तो तुम्हें
पानी से बपतिस्मा
देता हूँ।



और मैं
तुम्हें ऊपर
उपजना जिसका
अर्थ शुद्धता और
नवीनीकरण
होता है।



क्या तुम
अविष्यवक्ता के
सन्देश से प्रभावित
नहीं हुए?

हमें स्वयं को
बदलने की कोई
आवश्यकता
नहीं।



यरुशलम के यहूदी
अधिकारियों अर्थात् महा
याजक और फरीसियों
के लिए हम यहां
जाँच पड़ताल करने
आये हैं।



क्या तू वही
मनुष्य है: जो यहून्ना
बपतिस्मा देनेवाला
कहलाता है? क्या तू
स्वयं को मसीह
समझता है?

नहीं! मैं मसीह
नहीं। मैं उसकी
जूतियों का बन्ध भी
सोलने के योग्य
नहीं।



तब तू कौन है? तू कहां से आया है?
तू किसके नाम से प्रचार करता है?



मैं मरुभूमि में एक
पुकारनेवाले का शब्द हूँ।
"तुम प्रभु का मार्ग
सीधा करो।"



किस कारण से दू लोगों को बपतिस्मा देता है ?

मैं तो पानी से बपतिस्मा देता हूँ...

परन्तु जो मेरे बाद आनेवाला है, वह आग से बपतिस्मा देगा

हे सौंप के बच्चों, सावधान हो जाओ। तुम सोचते हो

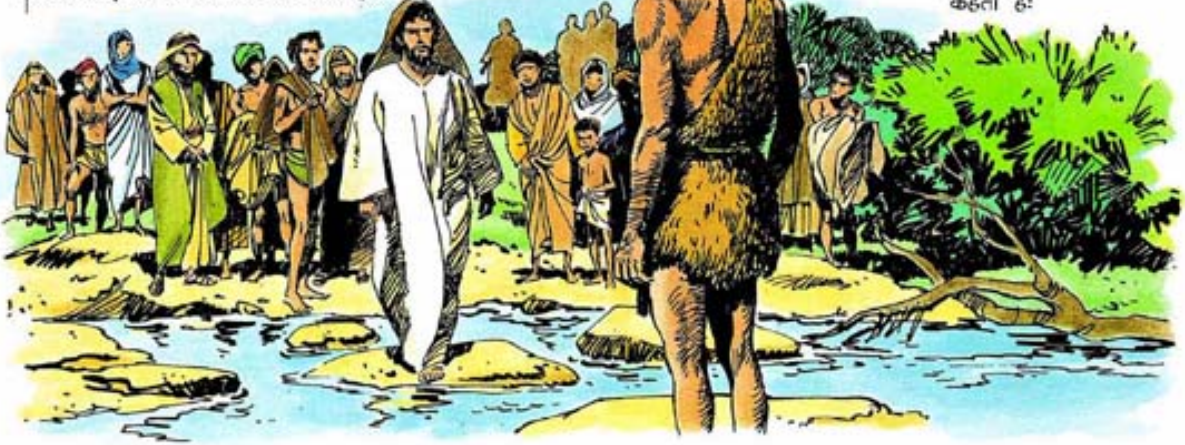
...कि, इब्राहीम हमारा पूर्वज है इसलिए हम बचे हुए हैं।

परन्तु परमेश्वर किसी का पक्षपात नहीं करता। वृक्ष अपने फलों से पहचाना जाता है.... परमेश्वर इन पत्थरों से इब्राहीम के लिए सन्तान उत्पन्न कर सकता है!

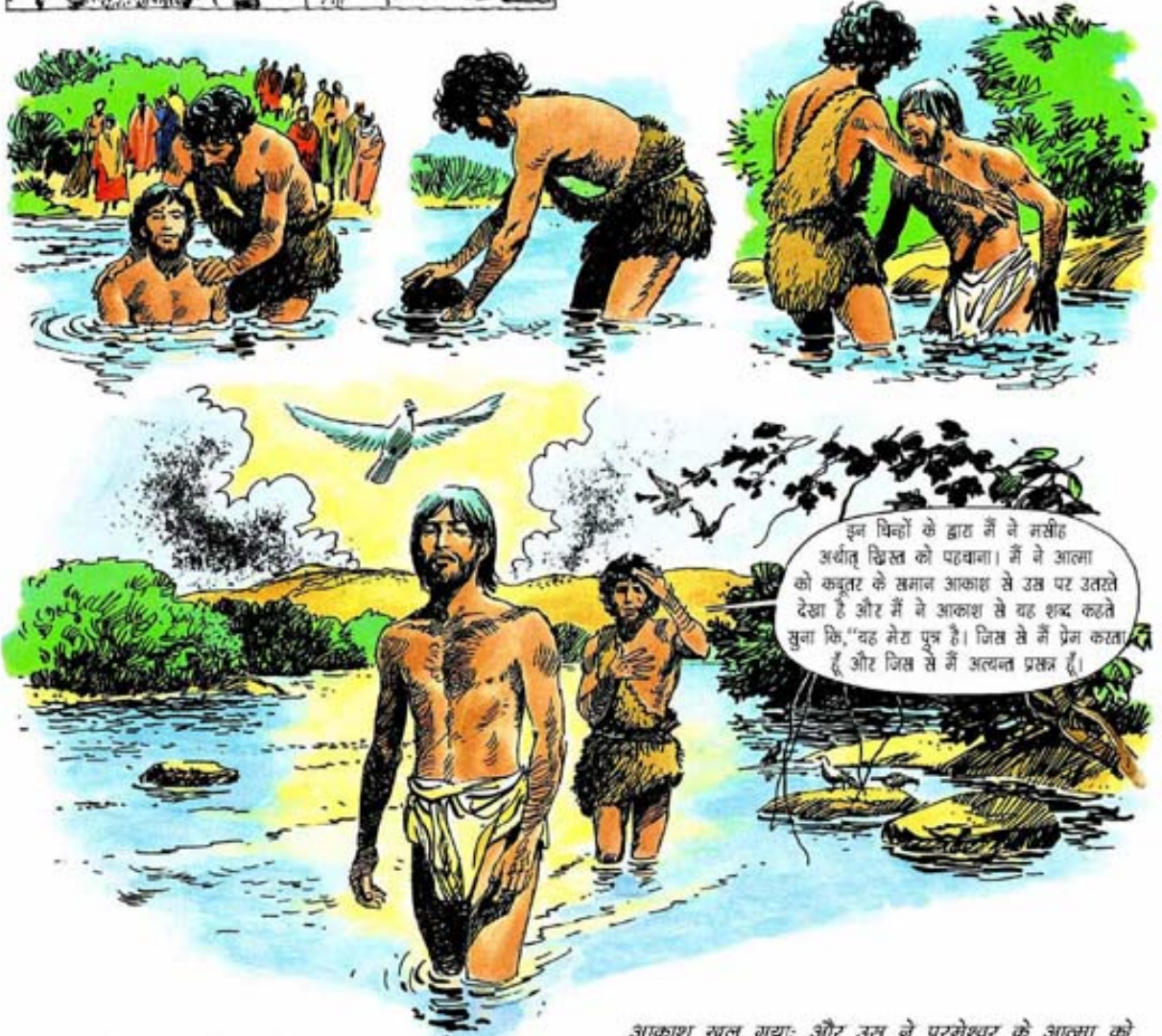
पिता इब्राहीम है; क्योंकि मैं तुम से कहता हूँ, कि परमेश्वर इन पत्थरों से इब्राहीम के लिए सन्तान उत्पन्न कर सकता है। और अब कुल्हाड़ा पेटों की जड़ पर रखा हुआ है, इसलिए जो जो पेट अच्छा फल नहीं लाता, वह काटा और आग में झोंका जाता है। मैं तो पानी से तुम्हें मन फिटाव का बपतिस्मा देता हूँ, परन्तु जो मेरे बाद आनेवाला है; वह मुझ से शक्तिशाली, है, मैं उस की जूती उठाने के योग्य नहीं, वह तुम्हें पवित्र आत्मा और आग से बपतिस्मा देगा। उसका रूप उस के हाव में है, और वह अपना छलिहान अच्छी रीति से साफ करेगा, और अपने गेहूँ को तो अत्ते में इकट्ठा करेगा, परन्तु भूसी को उस आग में जलाएगा जो बुझने की नहीं।

उसी घड़ी यीशु नामक नासरत का एक व्यक्ति भीड़ में से निकलकर आता है...

...और यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले की ओर आगे बढ़कर कहला है:

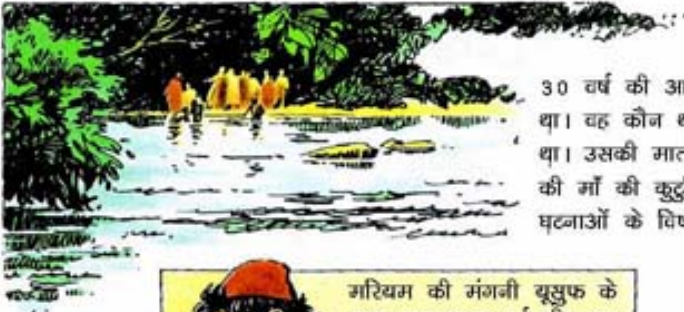


उस समय यीशु गलील से यरदन के किनारे पर यूहन्ना के पास उस से बपतिस्मा लेने आया। परन्तु यूहन्ना यह कहकर उसे ठेकेरने लगा, कि मुझे तेरे हाथ से बपतिस्मा लेने की आवश्यकता है, और तू मेरे पास आया है? यीशु ने उस को यह उत्तर दिया, कि अब तो ऐसा ही होने दे, क्योंकि हमें



इसी रीति से सब धार्मिकता को पूरा करना उचित है, तब उस ने उस की बात मान ली। और यीशु बपतिस्मा लेकर तुरन्त पानी में से ऊपर आया, और देखा, उसके लिए

आकाश खुल गया; और उस ने परमेश्वर के आत्मा को कबूतर की नाई उतरते और उसके ऊपर आते देखा। और देखा, यह आकाशवाणी हुई, कि यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिस से मैं अत्यन्त प्रसन्न हूँ।



30 वर्ष की आयु में यीशु को यरदन नदी में बपतिस्मा दिया गया था। वह कौन था? वह नासस्त के बड़ई यूसुफ का पुत्र कहलाता था। उसकी माता का नाम मरियम था, जो यहून्ना बपतिस्मा देनेवाले की माँ की कुटुम्बिनी थी। उसके जन्म से सम्बन्धित अलौकिक घटनाओं के विषय कुछ अद्भुत बातें उसके माता पिता कहते थे।



मरियम की मंगनी यूसुफ के साथ उस समय हुई थी। जब उसने स्वयं को गर्भवती पाया।

उनके झकझ होने से पहले...यह कैसे हुआ ?

एक सप्त के दिन मरियम के माता-पिता आराधनालय से वापस लौटे।



आप दानिय्येल भविष्यवक्ता की प्रतिज्ञा को जानते हैं। जिब्राईल स्वर्गदूत ने मसीह के जन्म के विषय उसे बताया। मुझे सन्देह होता है कि शायद ही हम उस महान दिन का अनुभव कर पाएंगे...

मैं यह विश्वास करता हूँ क्योंकि

अचानक
मरियम आनन्दित हो! तुझ पर परमेश्वर का अनुग्रह हुआ है।



...दानिय्येल की भविष्यवाणी के अनुसार मसीह का जन्म अभी होना चाहिये....

मरियम, कृपया दीया और खाने के लिए भोजन लेकर आओ...



यह क्या हो रहा है? यह कैसा अभिवादन है? क्या यह स्वर्गीय सन्देश हो सकता है?

हे मरियम, मत डर! तू गर्भवती होगी और एक पुत्र को जन्म देगी और तू उसका नाम यीशु रखना। वही वह मसीह होगा।

लुका 1:26-38

छठों महीने में परमेश्वर की ओर से जिब्राईल स्वर्गदूत गलील के नासस्त नगर में एक कुंवारी के पास भेजा गया। जिस की मंगनी यूसुफ नाम दाऊद के घटने के एक पुरुष से हुई थी: उस कुंवारी का नाम मरियम था। और स्वर्गदूत ने उसके पास भीतर आकर कहा; आनन्द और जय तेरी हो, जिस पर ईश्वर का अनुग्रह हुआ है, प्रभु तेरे साथ है। वह उस वचन से बहुत घबरा गई, और सोचने लगी, कि यह किस प्रकार का अभिवादन है? स्वर्गदूत ने उस से कहा, हे मरियम; भयभीत न हो, क्योंकि परमेश्वर का अनुग्रह तुझ पर हुआ है। और देख, तू गर्भवती होगी, और तेरे एक पुत्र उत्पन्न होगा; तू उसका नाम यीशु रखना। वह महान होगा; और परमप्रधान का पुत्र कहलाएगा; और प्रभु परमेश्वर उसके पिता दाऊद का सिंहासन उस को देगा। और वह याकूब के घटने पर सदा राज्य करेगा; और उसके राज्य का अन्त न होगा। मरियम ने स्वर्गदूत से कहा, यह क्योंकर होगा? मैं तो पुरुष को जानती ही नहीं। स्वर्गदूत ने

उस को उत्तर दिया, कि पवित्र आत्मा तुझ पर उतरेगा, और परमप्रधान की सामर्थ्य तुझ पर छाया करेगी, इसलिए वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा।



मेरी समझ में नहीं आता। जबकि मैं कुंवारी हूँ, मैं माँ कैसे बन सकती हूँ ?

पवित्र आत्मा तुझ पर उतरेगा, और परम प्रवान परमेश्वर की सामर्थ्य तुझ पर छाया करेगी। इसलिए वह पवित्र, जो तुझ से उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा। इस बात को सिद्ध करने के लिए कि जो मैंने तुझ से कहा वह होगा: तेरी रिश्तेदार एलीशिबा को भी बुझपे में पुत्र होनेवाला है। यह उसका, जो बौद्ध कहलाती थी, छठवाँ गहीना है। क्योंकि परमेश्वर के लिए कुछ भी असंभव नहीं।



मैं प्रभु की दासी हूँ। तेरे वचन के अनुसार हो।

कुछ दिनों के बाद...



माँ, मैं कुछ सप्ताह अपने रिश्तेदार एलीशिबा के यहाँ व्यतीत करना चाहती हूँ।

मैं समझती हूँ कि तुम अपने सम्पूर्ण हृदय से यही चाहती हो, तथापि तुम कारण बताकर नहीं कहती।

तुम्हारे जाने से निश्चय वह और उसका पति जकरयाह आनन्दित होगा। परन्तु वे यहाँ से तो बहुत दूर रहते हैं।

नासरत से होकर यरूशलेम जानेवाले कारवाँ के साथ ही केवल तुम जा सकती हो।

इसके बाद शीघ्र ही मरियम यहूदा के मार्ग पर हो लेती है।



परन्तु मैं तुम्हें एक विश्वासयोग्य अनुआ की देख रेख में सौंपूँगा जो तुम्हारी देखभाल करेगा।

मैं नहीं डरती, क्योंकि मुझे मालूम है कि परमेश्वर मेरी सुरक्षा करेगा।

परमेश्वर ने मुझे अपनी उपस्थिति से आशिश दी है और मेरे हृदय ने मुझ से कहा है, कि मैं मसीह की माँ बनूँगी, जो हमें हमारे पापों से बचाएगा। अब मैं अपनी रिश्तेदार का हाल मालूम करने के लिए बैचैन हूँ, और मालूम कर लूँगी कि क्या वे सब बातें सच हैं!



मरियम नासरत से रवाना होती है। देखा ऐन-करीन का मार्ग वह है जहाँ तुम्हारी रिश्तेदार एलीशिबा रहती है। उस घाटी में वह गांव है।

यात्रा के लिए धन्यवाद! परमेश्वर तुम्हारी सुरक्षा करे।

जब मरियम पहुंचती है...



बहन एलीशिबा, परमेश्वर से तुझे आनन्द और शान्ति मिले।

बासल से मरियम यहाँ आ गई, बड़े आश्चर्य की बात है।



यह मुझे क्या हो रहा है? मेरे गर्भ में जो बच्चा है वह तो अचानक उछलने लगा।



मरियम, यहाँ तेरे आने का क्या कारण...

... इतना अचानक आने का कारण?

ओह, एलीशिबा! यह कितनी अद्भुत बात है कि तुझ से एक बालक उत्पन्न होनेवाला है...

... क्योंकि यह इस बात को सिद्ध करता है कि तुझे जो कुछ भी बताया गया वह परमेश्वर की ओर से था और वह सच होगा।

सबसे पहले मैं तुझे अपना भेद बताना चाहती हूँ...

मरियम, वह कितनी भली बात है, कि तूने परमेश्वर की बात का विश्वास किया।

मैं तुझे बताती हूँ...

... तेरा शब्द सुनकर मेरा बच्चा गर्भ में उछल पड़ा। यह एक चिन्ह है। मुझ पर इतना बड़ा अनुभव हुआ, कि मसीह की माता मेरे पास आई ?



और देख, तेरी कुटुम्बिनी इलीशिबा के भी बुढ़ापे में पुत्र होनेवाला है, यह उसका, जो बाँझ कहलाती थी छ्वां महीना है। क्योंकि जो वचन परमेश्वर की ओर से होता है वह प्रभावरहित नहीं होता। मरियम ने कहा, देख, मैं प्रभु की दासी हूँ, मुझे तेरे वचन के अनुसार हो: तब स्वर्गदूत उसके पास से चला गया।



तू सभी स्त्रियों में धन्य है, और धन्य है, तेरे गर्भ का फल।



मेरा प्राण प्रभु की बड़ाई करता है। उसने अपनी दासी की दीनता पर दृष्टि की है, उस सर्वशक्तिमान परमेश्वर ने मेरे लिए बड़े बड़े काम किये हैं, ताकि उसके नाम को महिमा मिले।

जकरयाह आता है। यह बात नहीं कर सकता।

मैं तुझे सब बातें बताऊंगी।



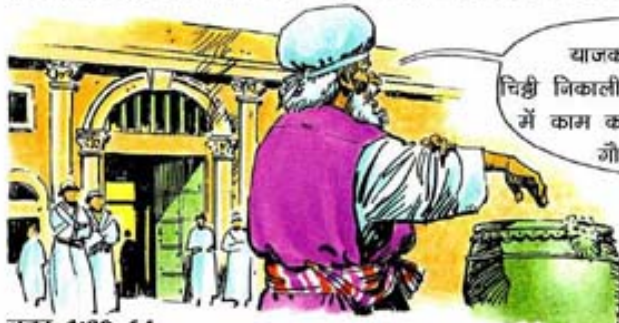
मरियम। जकरयाह गुंजा हो गया है और इसका सम्बन्ध मेरे गर्भ से है...साथ ही

तुम्हारे गर्भ से भी है।



...कुछ तो मालूम ही है, कि हमारे पास कोई बच्चा नहीं था और होने की भी आशा नहीं थी।

छः माह पूर्व प्रभु परमेश्वर की सेवा के लिए अपने क्षेत्र के 300 याजकों के साथ जकरयाह प्रभु के मन्दिर में गया...



याजक के नाम के लिए चिट्ठी निकाली गई जिसे प्रभु के मन्दिर में काम करने और भूप जलाने का गौरव प्राप्त होगा।

चिट्ठी जकरयाह याजक के नाम की है।

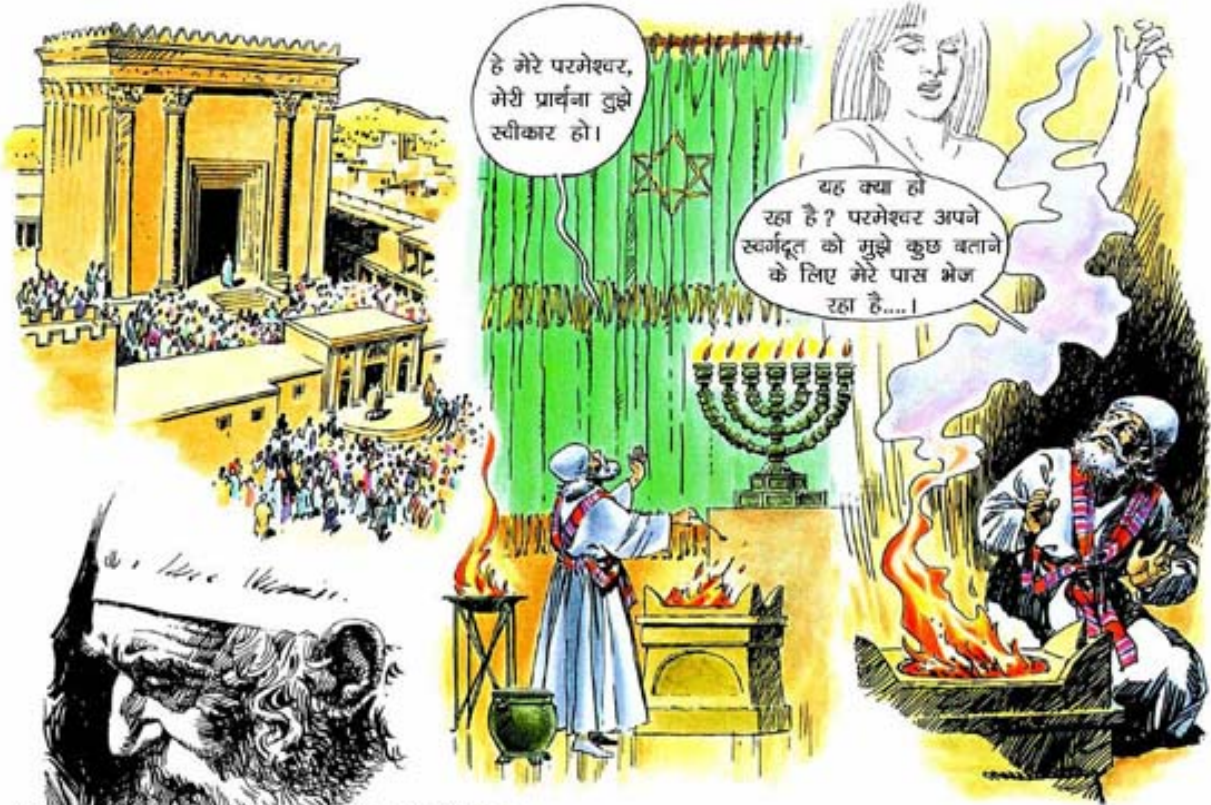
मेरे जीवन का महान अवसर। मैं प्रभु की उपस्थिति में जाऊँगा।

लूका 1:39-64

उन दिनों में मरियम उत्कर शीघ्र ही पहाड़ी देश में यहूदा के एक नगर को गई। और जकरयाह के घर में जाकर इलीशिवा को नमस्कार किया। ज्योंही इलीशिवा ने मरियम का नमस्कार सुना, त्योंही बच्चा उसके पेट में उछला, और इलीशिवा पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो गई। और उस ने बड़े शब्द से पुकार कर कहा, तू स्त्रियों में धन्य है, और तेरे पेट का फल धन्य है। और यह अनुवाह मुझे कहां से हुआ, कि मेरे प्रभु की माता मेरे पास आई? और देख, ज्योंही तेरे नमस्कार का शब्द मेरे कानों में पड़ा, त्योंही बच्चा मेरे पेट में आनन्द से उछल पड़ा। और धन्य है, यह जिस ने विश्वास किया कि जो बातें प्रभु की ओर से उस से कही गईं, वे



पूरी होंगी। तब मरियम ने कहा मेरा प्राण प्रभु की बड़ाई करता है। और मेरी आत्मा मेरे उद्धार करनेवाले परमेश्वर से





अन्त में, जकरयाह आता है।

वह निराश दिखता है। यह हम से झूठे से क्यों बात कर रहा है?

मानो वह अचानक कुछ बोल नहीं सकता...!

...उसने अवश्य ही दर्शन देखा है..

...या उसे प्रभु का प्रकाश मिला है।



और अब तो मैं छः माह की गर्भवती हूँ।

हमारा परमेश्वर कितना महान है। उसने मेरी बदनामी को दूर कर दिया।

तीन माह तक एलीशिबा के साथ रहकर मरियम अपने घर वासुल वापस लौट आई। जब समय पूरा हुआ तो एलीशिबा ने एक बालक को जन्म दिया। आठवें दिन वे बच्चे का खतना कराने लाए। इस अवसर पर बच्चे का नाम रखा जाता है।

इस रीति से खतने का काम पूरा हो गया।



तुम ने इस बच्चे का नाम क्या रखा है?

यह यूहन्ना के नाम से पुकारा जाएगा।



बड़ा ही अच्छा नाम है। इसका अर्थ हुआ: प्रभु अनुग्रहकारी है।

परन्तु तुम्हारे परिवार में तो यह नाम किसी का भी नहीं।

आनन्दित हुई। क्योंकि उस ने अपनी दासी की दीनता पर दृष्टि की है, इसलिए देखो, अब से सब युग युग के लोग मुझे धन्य कहेंगे। क्योंकि उस शक्तिमान ने मेरे लिये बड़े बड़े काम किए हैं, और उसका नाम पवित्र है। और उस की दया उन पर, जो उस से डरते हैं, पीढ़ी से पीढ़ी तक बनी रहती है। उस ने अपना भुजबल दिखाया, और जो अपने आप को बड़ा समझते थे, उन्हें तितर-बितर किया। उस ने बलवानों को सिंहासनों से गिरा दिया; और दीनों को ऊंचा किया। उस ने भूखों को अच्छी वस्तुओं से तृप्त किया, और धनवानों को सूखे हाथ निकाल



उसके पिता के जैसा उसका नाम जकरयाह रख दो।

जकरयाह, जब कि तुम इस बच्चे के पिता हो तो तुम्हारा क्या कैसा है ?



कृपया उसका नाम लिख दो...।



उसका नाम यूहन्ना है।

उसका नाम यूहन्ना है।



प्रभु की बड़ाई हो। वह अपने लोगों को छुटकारा देने के लिए मसीह को भेज रहा है।



और हे मेरे पुत्र, तू प्रभु के आने आने चलकर उसके लिए मार्ग तैयार करेगा।

जकरयाह का मुँह खुल गया और वह दोबारा बोलने लगा।



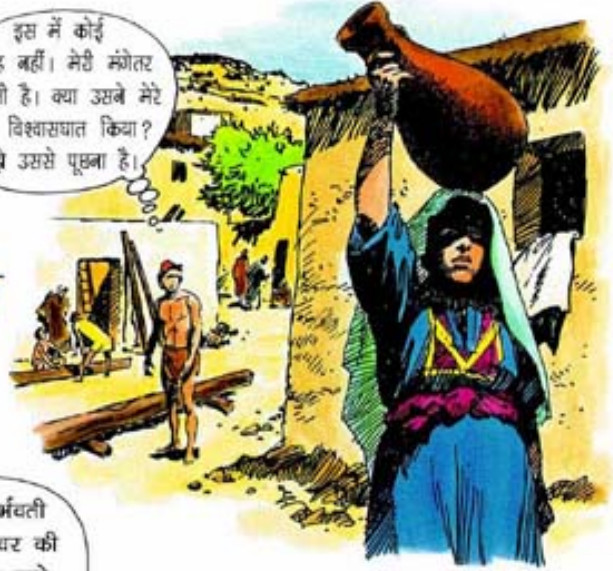
इसमें कोई सन्देह नहीं, यह बच्चा यूहन्ना एक अत्यन्त ही विशेष प्रकार का बच्चा है।

दिया। उस ने अपने सेवक इसाएल को सम्भाल लिया। कि अपनी उस दया को स्मरण करे, जो इब्राहीम और उसके वंश पर सदा रहेगी, जैसा उस ने हमारे बाप-दादों से कहा था। मरियम लगभग तीन महीने उसके साथ रहकर अपने घर लौट गई। तब इलीशिवा के जनने का समय पूरा हुआ, और वह पुत्र जनी। उसके पड़ोसियों और कुटुम्बियों ने यह सुन कर, कि प्रभु ने उस पर बड़ी दया की है, उसके साथ आनन्दित हुए। और ऐसा हुआ कि आठवें दिन ये बालक का उतना करने आए और उसका नाम उसके पिता के नाम पर जकरयाह रखने लगे। और उस की माता ने उतर दिया कि नहीं; बरन उसका नाम यूहन्ना रखा जाए। और उन्होंने ने उस से कहा, तेरे कुटुम्ब में किसी

मरियम के नासरत लौटने के कई महीनों के बाद...



इस में कोई सन्देह नहीं। मेरी मंगीतर गर्भवती है। क्या उसने मेरे साथ विश्वासघात किया? मुझे उससे पूछना है।



यूसुफ, तुम्हें मेरी बात का विश्वास करना है। मैं ने स्वर्ग से एक सन्देश प्राप्त किया...

....मेरा गर्भवती होना परमेश्वर की ओर से है। मुझे मसीह को जन्म देना है।



मरियम ...मैं इस बात पर कैसे विश्वास कर सकता?...

... ऐसी एक असम्भव बात।



...परन्तु मैं लोगों के बीच उसे बदनाम करना नहीं चाहता। इसलिए मैं चुपचाप उससे अलग हो जाऊंगा।



क्योंकि इस बच्चे का पिता मैं नहीं, मैं मरियम को छोड़ दूंगा...!

का यह नाम नहीं! तब उन्होंने ने उसके पिता से संकेत करके पूछा, कि तू उसका नाम क्या रखना चाहता है? और उस ने लिखने की पट्टी मंगाकर लिख दिया, कि उसका नाम यूसुफ है; और सभी ने अचम्भा किया। तब उसका मुंह और जीभ तुरन्त खुल गई; और वह बोलने और परमेश्वर का धन्यवाद करने लगा।

मती 1:18-25

अब यीशु मसीह का जन्म इस प्रकार से हुआ, कि जब उस की माता मरियम की मंगनी यूसुफ के साथ हो गई, तो उन के इकट्ठे होने से पहिले वह पवित्र आत्मा की ओर से गर्भवती पाई गई। सो उसके पति यूसुफ ने जो धर्मी था और उसे बदनाम करना नहीं चाहता था, उसे चुपके से त्याग देने की मनसा की। जब वह इन बातों के सोच ही में था तो प्रभु का स्वर्गदूत उसे स्वप्न में दिखाई देकर कहने लगा, हे यूसुफ दाऊद की सन्तान, तू अपनी पत्नी मरियम को अपने यहां ले आने से



उसके बाद शीघ्र ही, यूसुफ और मरियम का विवाह हो गया...।



मर डर, क्योंकि जो उसके गर्भ में है, वह पवित्र आत्मा की ओर से है। वह पुत्र जन्मेगी और तू उसका नाम यीशु रखना, क्योंकि वह अपने लोगों का उन के पापों से उद्धार करेगा।



यह सब कुछ इसलिये हुआ कि जो वचन प्रभु ने भविष्यवाक्ता के द्वारा कहा था, वह पूरा हो। कि, देखो एक कुंवारी गर्भवती होगी और एक पुत्र जन्मेगी और उसका नाम इम्मानुएल रखा जाएगा जिस का अर्थ यह है "परमेश्वर हमारे साथ"। तो यूसुफ नींद से जागकर प्रभु के दूत की आज्ञा अनुसार अपनी पत्नी को अपने यहां ले आया। और जब तक वह पुत्र न जनी तब तक वह उसके पास न गया: और उस ने उसका नाम यीशु रखा।

कुछ माह के बाद
नासस्त में



अगस्तुस कैसर ने यह आदेश दिया है, कि सम्पूर्ण रोमी साम्राज्य की जनगणना की जाएगी, परिवार के प्रत्येक मुखिया को अपना नाम लिखवाने के लिए अपने अपने शहर में जाना होगा।



क्या दोबारा? रोमी लोगों की दूसरी बाल। मैं खंचता हूँ कि वे कर में पुंढि करवा चाहते हैं...

...या वे यह मालूम करना चाहते हैं कि कितने लोग उनके विलुद्ध विद्रोह कर सकते हैं।



मैं दाऊद के घराने का हूँ और बैतलहम से आया हूँ।



मरियम के जन्मे का समय अब दूर नहीं, इसलिए मैं उसे अपने साथ ही ले जाऊँगा।

कुछ दिनों के बाद...



अन्त में। बैतलहम।



इतने अधिक लोग। यूसुफ, तुम्हें कमरा नहीं मिलेगा?

अपने किसी रिश्तेदार के साथ रह लेंगे। तुम उन पर भरोसा रख सकती हो। पर मुझे सभी औपचारिकताओं को पूरे कर लेने दो।

जनगणना कार्यालय में

कतार में लग जाएं। ध्यान दें। झूठे विवरण का भारी दण्ड मिलेगा।



यिेशू, मैं क्रोधोन्मत्त हूँ। क्योंकि मैं राज दाऊद के घराने का हूँ, इसलिए मुझ पर दबाव दिया गया है, कि इन रोमी लोगों को मैं अपना लेखा दूँ।

मेरा विश्वास करो, उनकी शक्ति अब अधिक दिन नहीं टिकेगी।



एक नया तारा देखा गया है। क्या उसका अर्थ यह हुआ कि मसीह आ रहा है?

बित्ताम की भविष्यवाणी को याद रखो। "दुशाएल में से एक तारा उदय होगा और वह एक महान शासक होगा।"

लूका 2:1-20

उन दिनों में अगस्तुस कैसर की ओर से आज्ञा निकली, कि सारे जगत के लोगों के नाम लिखे जाएं। यह पहली नाम लिखाई उस समय हुई, जब क्विरिन्थियुस सूरिया का हाकिम था। और सब लोग नाम लिखवाने के लिये अपने अपने नगर को गए। सो यूसुफ भी इसलिये कि वह दाऊद के घराने और वंश का था गलील के नासस्त नगर से यहूदिया में दाऊद के नगर बैतलहम को गया कि अपनी मंगेत

मरियम के साथ जो गर्भवती थी नाम लिखवाए। उन के यहां रहते हुए उसके जन्मे के दिन पूरे हुए। और वह अपना पहिलौख पुत्र जनी और उसे कपड़े में लपेटकर बत्नी में

रिश्तेदारों के घर पर...



मेरे भाइयो,
परमेश्वर आप लोगों को
आशिष दे।

यूसुफ,
तुम्हारा यहाँ स्वागत
है, स्वागत।

क्या मैं अपनी पत्नी
मरियम का परिचय करा दूँ?
वह शीघ्र ही बच्चा जननेवाली
है। उसके लिए हमें कमरा कहां
मिलेगा?

मुझे दाना करे। हमारे घर में तो बहुत
ही अधिक लोग हैं। तुम्हारे लिए हमारे पास
कोई स्थान नहीं।



यूसुफ, मेरी सलाह मानो:
गोशाला में चले जाओ। पशुओं
के बीच तुम गर्म भी रहोगे।

यह एक अच्छी
सलाह है। वहाँ
का वातावरण भी
शान्त होगा।



उस रात को मरियम ने अपने पहिलौठे पुत्र
को जन्म दिया...।

मरियम ने बच्चे को कपड़े में
लपेटकर चरनी में रख दिया...



रखा; क्योंकि उन के लिये सराय में जगह न थी। और उस देश
में कितने गड़ेरिये थे, जो रात को मैदान में रहकर अपने झुण्ड
का पहरा देते थे। और प्रभु का एक दूत उन के पास आ खड़ा
हुआ; और प्रभु का तेज उन के चारों ओर चमका, और वे बहुत
डर गए। तब स्वर्गदूत ने उन से कहा, मत डरो; क्योंकि देखो
मैं तुम्हें बड़े आनन्द का सुसमाचार सुनाता हूँ जो सब लोगों के
लिए होगा। कि आज दाऊद के नगर में तुम्हारे लिये एक
उद्धारकर्ता जन्मा है, और यही मसीह प्रभु है। और इस का

बैतलहम के मैदान में, गढ़ेरिये रात को अपने झुण्ड की रखवाली कर रहे थे...



तुम्हारे लिए आनन्द का सुसमाचार है। तुम्हारे लिए एक उद्धारकर्ता ने जन्म लिया है! बैतलहम की एक चरनी में तुम उसे पाओगे।

आओ हम चलकर देखें।

रात के समय वह नया तारा दाऊद के शहर बैतलहम की एक चरनी में पैदा हुआ है। ठीक ऐसे समय पर जब सम्पूर्ण परिवार यहाँ है।

वह एक चिन्ह है। भविष्य में वह हमारे लोगों का गढ़ेरिया होमा अर्थात् प्रतिष्ठा किया हुआ मसीह।



परमेश्वर हमारे पास आता है। सम्पूर्ण आकाश ज्योति से भर गया है। मैं गीत सुन रहा हूँ, कि आकाश में परमेश्वर की महिमा हो।

निश्चय, यही वह चुना हुआ बच्चा है।



आठवें दिन उस बच्चे का खतना किया गया। इब्राहीम के साथ परमेश्वर की... बाबा के एक चिन्ह और एक छत्र के रूप में सभी यहूदी बालक का खतना किया जाता था।

दूसरे दिन शीघ्र ही यह समाचार चाये ओर फैल गया।



यूसुफ, तुम इस बच्चे का क्या नाम रखोगे?

उसका नाम यीशु है।

जिसका अर्थ हुआ: परमेश्वर हमें बचाता है।

तुम्हारे लिए यह पता है कि तुम एक बालक को कपड़े में लिपटा हुआ और चरनी में पड़ा पाओगे। तब एकाएक उस स्वर्गदूत के साथ स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते दिखाई दिया। कि आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है शान्ति हो। जब स्वर्गदूत उन के पास से स्वर्ग को चले गए, तो गढ़ेरियों ने आपस में कहा, आओ, हम बैतलहम जाकर यह बात जो हुई है, और जिसे प्रभु ने हमें बताया है, देखें। और उन्होंने तुरन्त जाकर मरियम और यूसुफ को और चरनी में उस बालक को पड़ा देखा। इन्हें देखकर उन्होंने ने वह बात जो इस बालक के विषय में उन से कही गई थी, प्रगट की। और सब सुननेवालों ने उन बातों से जो गढ़ेरियों ने उन से कही, आश्चर्य किया। परन्तु मरियम ये सब बातें अपने मन में रखकर सोचती रही। और गढ़ेरिये जैसा उन से कहा गया था, वैसा ही सब सुनकर और देखकर परमेश्वर की महिमा और स्तुति करते हुए लौट गए।

यीशु के माता पिता को उसके बचपन की बहुत सी बातें याद थीं, उन में से एक तो उसके जन्म के बाद 40 वें दिन की थी।



हे मरियम, परमेश्वर की व्यवस्था के अनुसार प्रत्येक पहिलौठे को परमेश्वर के सम्मुख अर्पण करना है।



यरूशलेम का मन्दिर बहुत दूर नहीं। आओ, हम वहां चलें, और परमेश्वर को अपना पुत्र अर्पण करें।
ओह यूसुफ़, मैं सहर्ष ऐसा ही करूंगी।

मन्दिर के आंगन में...



उचित बलिदान के लिए एक अच्छी भेड़।
नहीं, हमारे लिए यह बहुत महंगा है। मैं पंढूकों के उस जोड़े को खरीदूंगा।

उसी समय एक वृद्ध मनुष्य मन्दिर में प्रवेश करता है। उसका नाम शिमौन है, जिसे बहुत से लोग जानते थे...



शिमौन, आज मन्दिर में तुम किस लिए आए हो ?

हज़र, मैं ने यह अनुभव किया है, कि आज मेरी भेट किसी विशेष जन से होगी। पवित्र आत्मा ने मुझे यहां भेज है...

शिमौन! वह अवसर कहा करता था कि जब तक वह मसीह को देख न लेगा तब तक उसकी मृत्यु नहीं होगी।

वहाँ वह वृद्ध मनुष्य कौन है ?



शिमौन...इस बच्चे को तो देखो।
ओह, मेरी आत्मा में कैसा आनन्द उमड़ रहा है।

अब मैं मर सकला हूँ, क्योंकि मेरी आँसों ने प्रभु के उद्धार को देख लिया है। उसका प्रकाश जगत के सभी देशों पर चमकेगा।



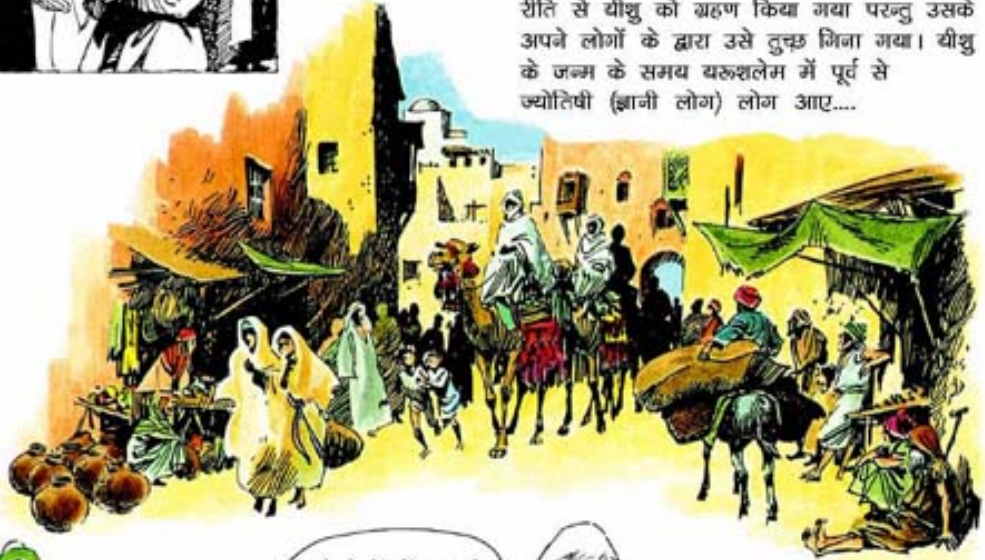
लूका 2:22-35

और जब मूसा की व्यवस्था के अनुसार उन के शुद्ध होने के दिन पूरे हुए; तो वे उसे यरूशलेम में ले गए कि प्रभु के सामने लाएं। जैसा कि प्रभु की व्यवस्था में लिखा है कि हर एक पहिलौठ प्रभु के लिये पवित्र रहनेगा। और प्रभु की व्यवस्था के वचन के अनुसार पंढूकों का एक जोड़ा या कबूतर के दो बच्चे ला कर बलिदान करें। और देखो, यरूशलेम में शिमौन नाम एक मनुष्य था, और वह मनुष्य धर्मी और भक्त था; और इस्राएल की शान्ति की बात जोह रखा था, और पवित्र आत्मा उस पर था। और पवित्र आत्मा से उस को वितावनी हुई थी, कि जब तक दू प्रभु के मसीह को देख न लेगा, तब तक मृत्यु को न देखेगा। और वह आत्मा के सिखाने से मन्दिर में आया; और जब माता पिता उस बालक यीशु को भीतर लाए कि उसके लिए व्यवस्था की रीति के



अनुसार करें। तो उस ने उसे अपनी गोद में लिया, और परमेश्वर को धन्यवाद करके कहा, हे स्वामी, अब तू अपने दास को अपने वचन के अनुसार शान्ति से विदा करता है: क्योंकि मेरी आँखों ने तेरे उद्धार को देख लिया है। जिसे तू ने सब देशों के लोगों के सामने तैयार किया है। कि वह अन्य जातियों को प्रकाश देने के लिये ज्योति, और तेरे

ज्योतिषियों के साथ यीशु के माता पिता ने भी घटनाओं को स्मरण रखा। उस भेंट ने इस बात को स्पष्ट कर दिया कि विदेशियों के द्वारा किस रीति से यीशु को ग्रहण किया गया परन्तु उसके अपने लोगों के द्वारा उसे दुच्छ भिना गया। यीशु के जन्म के समय यरूशलेम में पूर्व से ज्योतिषी (ज्ञानी लोग) लोग आए....



नवजात शिशु कहां है, जो इस देश का राजा होगा ?



अपने देशों में हम ने उसका तारा देखा है।

क्या कहा ? क्या मसीह का जन्म हुआ है ?



असम्भव। इसके विषय तो हमें यरूशलेम में ही मालूम हो जाता, परन्तु किसी ने भी कुछ नहीं सुना।

राजा को इस समाचार के विषय शीघ्र ही मालूम होना चाहिये।



जिज लोग इस्राएल की महिमा हो और उसका पिता और उस की माता इन बातों से जो उसके विषय में कहीं जाती थीं, आश्चर्य करते थे। तब शमीन ने उन को आशिय देकर, उस की माता मरियम से कहा; देख, वह तो इस्राएल में बटुलों के गिरने, और उठने के लिए, और एक ऐसा चिन्ह होने के लिए चरवाहा गया है, जिस के विशेष में बातों की जाएंगी-वहन तेरा प्राण भी तलवार से बार बार छिद्र जाएगा-इस से बहुत हृदयों के विचार प्रगट होंगे।



और तब उन्हें वह बच्चा मिला।

वे यरुशलम छोड़ कर बैतलहम चले गये...



दूसरे दिन सुबह के समय जब उनकी आंखें खुली...



मत्ती 2:1-12

हेरोदेस राजा के दिनों में जब यहूदिया के बैतलहम में यीशु का जन्म हुआ, तो देखो, पूर्व से कोई ज्योतिषी यरुशलम में आकर पूछने लगे कि यहूदियों का राजा जिस का जन्म हुआ है, कहां है? क्योंकि हम ने पूर्व में उसका तारा देखा है और उस को प्रणाम करने आए हैं। यह सुनकर हेरोदेस राजा और उसके साथ सारा यरुशलम ध्रुवरा गया। और उस ने लोगों के सब महायाजकों और शास्त्रियों को इकट्ठे करके उन से पूछा, कि मसीह का जन्म कहां होना चाहिए? उन्हें

ने उस से कहा, यहूदिया के बैतलहम में, क्योंकि भविष्यद्वक्ता के द्वारा यों लिखा गया है, कि हे बैतलहम, जो यहूदा के देश में है, तू किसी रीति से यहूदा के अधिकारियों में सब से छोटा नहीं; क्योंकि तुझ में से एक अधिपति निकलेगा, जो मेरी प्रजा इस्राएल की रखवाली करेगा। तब

कुछ दिन के बीत जाने पर... राजा हेरोदेस अपने राजभवन में प्रतीक्षा कर रहा है..



ये पण्डित लोग तो अब तक नहीं लौटे...

इसमें कोई सन्देह नहीं, उन्होंने दाज्ज के इस वंशज को मुख से घिया रखा है, ताकि मेरी राजगद्दी मुख से छीन ले। परन्तु मैं इस पढ़्यन्त्र को रक्तपात से भर दूंगा।



अपने सैनिकों के साथ बैतलहम जाओ... दो वर्ष की आयु तक के बालकों को उस शहर और आस पास के स्थानों में दूँये। उन पर कोई दया न दिखाओ...उनकी हत्या कर दो।



मरियम, उठ जाओ, स्वर्ग से हमें एक वेतावनी मिली है। अब यह बच्चा यहाँ सुरक्षित नहीं रह सकेगा।

बच्चे को लेकर हम शीघ्र ही मिस्र चले जाएंगे।



कुछ समय के प्रवास के बाद, यूसुफ और मरियम दोनों गलील के नासरत में वापस लौट आए। वहाँ यीशु अपने माता पिता का आज्ञाकारी रहकर डील डोल और ज्ञान में बढ़ता गया। तीस वर्ष की आयु में वह यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के पास गया और बपतिस्मा लिया।

हेरोदेस ने ज्योतिषियों को बुपके से बुलाकर उन से पूछा, कि तारा ठीक किस समय दिखाई दिया था। और उस ने यह कहकर उन्हें बैतलहम भेजा, कि जाकर उस बालक के विषय में ठीक ठीक मालूम करो और जब वह मिल जाए तो मुझे समाचार दो ताकि मैं भी आकर उस को प्रणाम करूँ। वे राजा की बात सुनकर चले गए, और देखो, जो तारा उन्होंने ने पूर्व में देखा था, वह उन के आगे आगे चला, और जहाँ बालक था, उस जगह के ऊपर पहुँचकर वहर गया। उस तारे को देखकर वे अति आनन्दित हुए। और उस घृत् में पहुँचकर उस बालक को उस की माता मरियम के साथ देखा, और मुँह के बल गिरकर उसे प्रणाम किया और अपना अपना बैला छोड़कर उस को सोना, और लोहवान, और गन्धरस की भेंट चढ़ाई। और स्वप्न में यह धितौनी पाकर कि हेरोदेस के पास फिर न जाना, वे दूसरे मार्ग से होकर अपने देश को चले गए।



एक दिन, यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला यीशु को जाने हुए देखता है...



मेरे शिष्यों, मैं तुम दोनों से कहता हूँ, क्या तुम उस मनुष्य को देखते हो?



वही परमेश्वर का मेम्ना है, जिसके विषय इस रीति से लिखा हुआ है- "भेद के जैसा उसे बंध करने को ले जाया गया। उसने स्वयं जगत के पापों को अपने ऊपर उठा लिया।"

तो इसका अर्थ यह हुआ कि वह प्रतिज्ञा किया हुआ मसीह अर्थात् ख्रिस्त है।



हाँ, मैं ने परमेश्वर के आत्मा को स्वर्ग से उस पर उतरते देखा..। इसलिए मैं इस बात की गवाही देता हूँ कि वह परमेश्वर का पुत्र है।

आओ अब्दियास, हम उसके पीछे पीछे चलेंगे।

तुम किस की खोज में हो?

आप कहाँ रहते हैं? हम आप से बातचीत करना चाहते हैं...

उन्होंने ने यीशु के साथ पर्याप्त समय बिताया...।



आओ, देख लो।



वह एक हृदयस्पर्शी बातचीत थी।

मुझे शीघ्र ही अपने भाई शिमौन को बताना है।



शिमौन! हे शिमौन! इन्हें मसीह मिल गया। अर्थात् ख्रिस्तस। जल्दी करो। मैं तुम्हें उसके पास ले जाऊंगा।



क्या कहा? मसीह अर्थात् ख्रिस्तस मिल गया? असम्भव।



तेरा नाम शिमौन है, दू मछुवा है। दू पतरस कहलाएगा। मेरे पीछे हो ले।



यीशु, यह फिलिप्पुस है। यह हमारा मित्र है।... यह भी बैतसैदा का रहनेवाला है...।



फिलिप्पुस, मेरे पीछे हो ले और मेरा शिष्य बन जा।



एक मित्र को बताने के लिए फिलिप्पुस अपने मार्ग पर चल दिया।



यूहन्ना 1:35-42

दूसरे दिन फिर यूहन्ना और उसके चेलों में से दो जन अड़े हुए थे। और उस ने यीशु पर जो जा रहा था दृष्टि करके कहा, देखो, यह परमेश्वर का मेम्ना है। तब वे दोनों चले उस की यह सुनकर यीशु के पीछे हो लिए। यीशु ने फिरकर और उनको पीछे आते देखकर उन से कहा, तुम किस की खोज में हो? उन्होंने ने उस से कहा, हे रबी, अर्थात् (हे गुरु) तू कहां रहता है? उस ने उन से कहा, चलो, तो देख लो। तब उन्होंने ने आकर उसके रहने का स्थान देखा, और उस दिन उसी के साथ रहे, और यह दसवें घंटे के लगभग था। उन दोनों में से जो यूहन्ना की बात सुनकर यीशु के पीछे हो लिए थे, एक तो शमौन पतरस का भाई अब्दियास था। उस ने पहिले अपने सगे भाई शमौन से मिलकर उस से कहा, कि हम को ख्रिस्तस अर्थात् नसीह मिल गया। यह उसे यीशु के पास लाया: यीशु ने उस पर दृष्टि करके कहा, कि तू यूहन्ना का पुत्र शमौन है, तू कोफा अर्थात् पतरस कहलाएगा।





यीशु की माता मरियम यहाँ है- वह सेवकों के ऊपर प्रभारी है। उसे जाकर बताऊंगा।





यीशु, दू ब्याह में आ गया। तुझे देखकर मैं अति प्रसन्न हूँ।

जो भी हो, मैं बता देना चाहती हूँ कि दाखरस समाप्त हो गया है। क्या दू कुछ कर सकता है?



प्रिय महिला, दू मुझ से यह मांग क्यों करती है? अभी मेरा समय नहीं आया।



मेरे मर्तवाब तो झाली हो गये हैं।



दाखरस समाप्त हो चुका है।

मुझे मालूम है, पर मेरी

बात सुनो..जब यीशु तुम लोगों से कुछ करने को कहे, तो वह तुम से जैसा कहे वैसा ही करना।



वहाँ यहूदियों के शुद्ध करने की प्रथा के अनुसार छः मटके रखे हुए थे... कृपया उन्हें पानी से भर दो...



हे यीशु, आप जैसा चाहते हैं।

चूहना 2:1-11

फिर तीसरे दिन गलील के काना में किसी का ब्याह था, और यीशु की माता भी वहाँ थी। और यीशु और उसके भेले भी उस ब्याह में नेवते गए थे। जब दाखरस घट गया तो यीशु की माता ने उस से कहा, कि उन के पास दाखरस नहीं रहा। यीशु ने उस से कहा, हे महिला मुझे तुझ से क्या काम? अभी मेरा समय नहीं आया। उस की माता ने सेवकों से कहा, जो कुछ वह तुम से कहे, वही करना। वहाँ यहूदियों के शुद्ध करने की रीति के अनुसार पत्थर के छः मटके धरे थे, जिन में दो दो, तीन तीन मज समाता था। यीशु ने उन से कहा, मटकों में पानी भर दो: सो उन्होंने ने उन्हें मुंहामुंह भर दिया। तब उस ने उन से कहा, अब निकालकर भोज के प्रधान के पास ले जाओ। वे ले गए, जब भोज के प्रधान ने वह पानी चखा, जो दाखरस बन गया, और नहीं जानता था, कि यह कहां से



मटकों को भर दिया गया है।



आया है, (परन्तु जिन सेवकों ने पानी निकाला था, वे जानते थे) तो भोज के प्रधान ने दूल्हे को बुलाकर, उस से कहा। हर एक मनुष्य पहिले अच्छा दाखरस देता है और जब लोग पीकर छूक जाते हैं, तब मध्यम देता है; परन्तु तू ने अच्छा दाखरस अब तक रस छोड़ा है। यीशु ने गलील के काना में अपना यह पहिला चिन्ह दिखाकर अपनी महिमा प्रगट की और उसके चेलों ने उस पर विश्वास किया।

यीशु कफरनहूम में आता है जो गन्नेसरत झील के किनारे है। यूहन्ना, अन्द्रियास और पतरस वहां मछली पकड़ने का काम करते हैं।



मछली पकड़ने की हमारी नावें वहां पर हैं। यह नाव तो शिमौन..पतरस की है।



मेरा भाई याकूब और मैं यूहन्ना, हम दोनों मछुओं का व्यवसाय जानते हैं।



तुम, मछुए, मेरे प्रथम शिष्य होगे। मेरे पीछे चले आओ।



आज रात मछली पकड़ने के लिए सभी चीजें तैयार हैं।



हे यीशु, मेरे घर में आप रात काट सकते हैं, मेरी सास बिस्तर पर बीमार पड़ी है, उसे बहुत बुखार है।

पतरस, आओ हम चलें... मुझ पर विश्वास करो, तुम्हारी सास चंगी हो जाएगी।



मुझे अच्छा लगने लगा है। हाँ मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। अब मैं उठकर आपके लिए कुछ भोजन तैयार करूँगी।



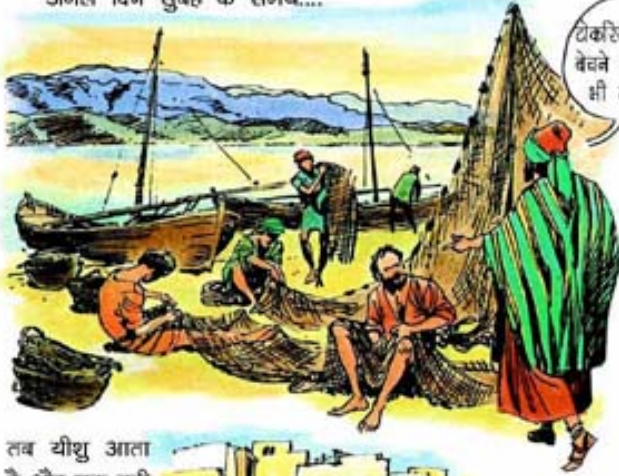
उस रात को पतरस और उसके कर्मी दल मछली पकड़ने के लिए जाते हैं...

लूका 4:38-40

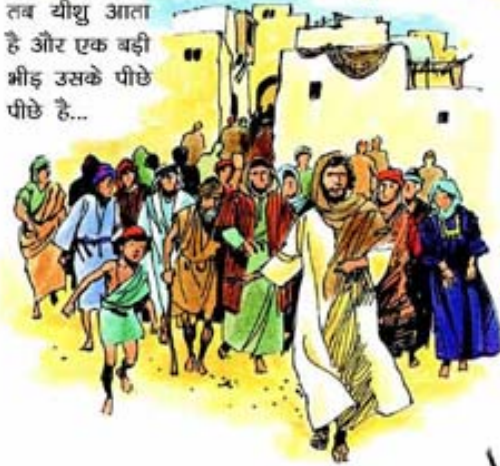
वह आराधनालय में से उठकर शमौन के घर में गया और शमौन की सास को ज्वर चढ़ा हुआ था, और उन्होंने ने उसके लिये उस से विनती की। उस ने उसके निकट बढ़े होकर ज्वर को हाँटा और वह उस पर से उतर गया और वह तुरन्त

उठकर उन की सेवा-रहल करने लगी। सूज़न हुवते समय जिन जिन के यहां लोग नाना प्रकार की बीमारियों में पड़े हुए थे, वे सब उन्हें उसके पास ले आए और उस ने एक एक पर हाथ रखकर उन्हें चंगा किया।

अगले दिन सुबह के समय...



तब यीशु आता है और एक बड़ी भीड़ उसके पीछे पीछे है...



क्या हुआ? मेरी टोकलियां तो खाली हैं। आज बेचने के लिए कुछ भी मछली नहीं।

हम लोगों ने तो रात भर परिश्रम किया परन्तु कुछ भी मछलियां नहीं पकड़ीं। अब हमें अपने जालों को साफ़ करना है।



हे पतरस, अपनी नाव को कुछ और आगे ले चल, ताकि मैं इन लोगों से बातचीत कर सकूँ जो परमेश्वर के वचन को सुनने के लिए उत्सुक हैं।



रात और दिन, चाहे वह सोता हो या जागता हो, बीज अंकुरित होते और बढ़ते हैं...



यीशु ने कहा: परमेश्वर का राज्य ऐसा ही है। एक मनुष्य ने खेत में बीज बोया...



प्रवेश करने के लिए तुम सभी को निमंत्रण है। परन्तु तुम्हें अपना जीवन अवश्य बदलना होगा। तुम्हारे हृदयों को पत्थर के जैसा कठोर या उस भूमि के जैसा जो कोंटों से भरती हो, नहीं होना चाहिये अर्थात् सम्पत्ति, पैसा और सुख की लालसाओं से भर हुआ नहीं होना चाहिये।



लूका 5:1-11

जब भीड़ उस पर गिरी पड़ती थी, और परमेश्वर का वचन सुनती थी, और वह गन्नेसरत की झील के किनारे पर खड़ा था, तो ऐसा हुआ। कि उस ने झील के किनारे दो नावें लगी हुई देखीं, और मछुये उन पर से उतरकर जाल धो रहे थे। उन नावों में से एक पर जो शमौन की थी, चढ़कर, उस ने उस से विनती की, कि किनारे से थोड़ा हटा ले चले, तब वह बैठकर लोगों को नाव पर से उपदेश देने लगा। जब वह बातें कर चुका, तो शमौन से कहा, गहिरों में ले चले, और मछलियां



पकड़ने के लिए अपने जाल डालो। शमौन ने उसको उतर दिया, कि हे स्वामी, हम ने सारी रात मेहनत की और कुछ न पकड़ा, तौभी तेरे कहने से जाल डालूंगा। जब उन्होंने ने ऐसा किया, तो बहुत मछलियाँ घेर लाए, और उन के जाल फटने लगे। इस पर उन्होंने ने अपने साथियों को जो दूसरी नाव पर थे, संकेत किया, कि आकर हमारी सहायता करो: और उन्होंने ने आकर, दोनों नाव यहां तक भर लीं कि वे





आओ हम नावों को किनारे पर खींच ले जायेंगे, जहाँ तो हम सब डूब जायेंगे।



यह तो अनोखी बात है। इतनी मछलियाँ तो मैंने पहले कभी नहीं देखी!



हे यीशु, अब मैं क्या कह सकता हूँ? आप पर विश्वास रखने के लिए मेरी सहायता करें।

मैं खींच रहा हूँ कि हमें अपने मार्ग पर नहीं परन्तु आपके बताए मार्ग पर चलना चाहिये।

हे शिमौन पतरस, मत डर, अब तू मछलियों को नहीं परन्तु मनुष्यों को पकड़ेगा?



हाँ दोस्तो, मेरे पीछे चलो। मैं तुम्हें मनुष्यों को पकड़नेवाला बनाऊँगा।

तब वे अपनी नावों और जालों को छोड़ कर यीशु के पीछे हो लिए।

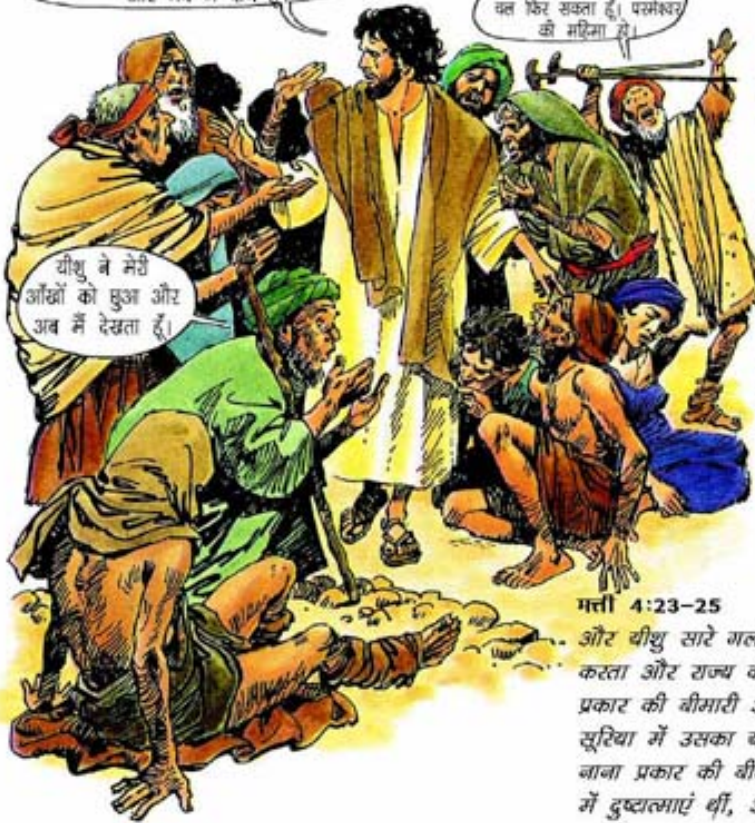


डूबने लगीं। यह देखकर शमौन पतरस यीशु के पांवों पर गिरा, और कहा; हे प्रभु, मेरे पास से जा, क्योंकि मैं पापी मनुष्य हूँ। क्योंकि इतनी मछलियों के पकड़े जाने से उसे और उसके साथियों को बहुत अचम्भा हुआ। और वैसे ही जब्दी के पुत्र याकूब और यूहन्ना को भी, जो शमौन के सहभागी थे, अचम्भा हुआ: तब यीशु ने शमौन से कहा, मत डर: अब से तू मनुष्यों को जीवता पकड़ा करेगा। और वे नावों को किनारे पर ले आए और सब कुछ छोड़कर उसके पीछे हो लिए।

यीशु सारे गलील में घूम घूमकर सुसमाचार का प्रचार और बीमारों को चंगा करते रहे, तो बड़ी भीड़ उनके पीछे पीछे चलती थी....



हैं सब परिश्रम करनेवाले और खेद से दबे हुए लोगो, मेरे पास आओ मैं तुम्हें विश्राम दूंगा। सुख से खींचो। मैं बस और मज में दीन हूँ।



यीशु ने मेरी आँखों को छुआ और अब मैं देखता हूँ।

मैं तो टाँवर चल फिर सकता हूँ। परमेश्वर की मददमा दो।

मुझे एक कोढ़ी की पटी का शक सुनाई दे रहा है। आओ हम अलम हट जाएं।

मती 4:23-25

और यीशु सारे गलील में फिरता हुआ उन की सभाओं में उपदेश करता और राज्य का सुसमाचार प्रचार करता, और लोगों की हर प्रकार की बीमारी और दुर्बलता को दूर करता रहा। और सारे सुरिया में उसका यश फैल गया; और लोग सब बीमारों को, जो नाना प्रकार की बीमारियों और दुखों में जकड़े हुए थे, और जिन में दुष्टात्माएं थीं, और मिर्गीवालों और झोले के मारे हुएों को उसके पास लाए और उस ने उन्हें चंगा किया। और गलील और दिकापुलिस और यरुशलेम और यहूदिया से और बरदन के पार से भीड़ की भीड़ उसके पीछे हो ली।



मेरा समय आ पहुँचा है। स्वर्ग का राज्य निकट है। यह तुम्हारे द्वार को खटखट रहा है। अपने जीवनो को बदल डालो और परमेश्वर की ओर फिरो और उसकी सेवा करो।

मैं सोचता हूँ, कि ये बातें सत्य हैं, राज्यों और सभारों से हम तंग आ गये हैं, क्लान्ति और सत्कारों का परिवर्तन होना चाहिये।

युगों से मनुष्यों के द्वारा जो चला आ रहा है निराशाजनक ही रहा, वास्तव में हमें परमेश्वर के अनुग्रह की आवश्यकता है।

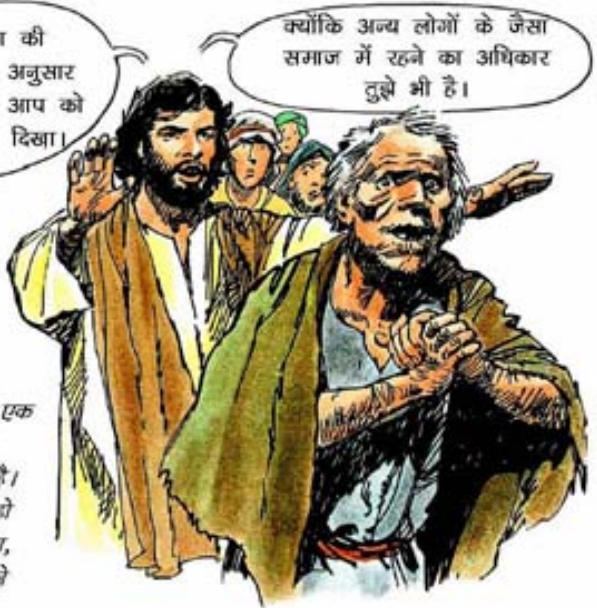
आनेवाले मसीह के विषय सभी भविष्यवक्ताओं ने जो बातें लिखी हैं उन्हीं चिन्हों के द्वारा हम उसे पहचान सकते हैं। अन्या देखेगा और लंगड़ा चले फिरेगा।

जिन लोगों को संक्रामक रोग होता था उन्हें अलम रहना होता था। शहर के फनटक पर ये यीशु की प्रतीक्षा कर रहे हैं।





अब मूसा की व्यवस्था के अनुसार जाकर अपने आप को याजक को दिखा।



लूका 5:12-14

जब वह किसी नगर में था, तो देखो, वहाँ कोढ़ से भरा हुआ एक मनुष्य था, और वह यीशु को देखकर मुंह के बल गिरा, और बिनती की, कि हे प्रभु यदि तू चाहे तो मुझे शुद्ध कर सकता है। उस ने हाथ बढ़कर उसे छूआ और कहा मैं चाहता हूँ तू शुद्ध हो जा; और उसका कोढ़ तुरन्त जाता रहा। तब उस ने उसे विताया, कि किसी से न कह, परन्तु जा कर अपने आप को याजक को दिखा, और अपने शुद्ध होने के विषय में जो कुछ मूसा ने बढ़ावा धराया है उसे चढ़ा; कि उन पर गवाही हो।

कफरनहूम के निकट सीमा पर, एक सीमा शुल्क कार्यालय था....।



हे मत्ती, क्या तू अपने सभी लाभ के विषय कल्पना कर रहा है ?



मैं उस यीशु के विषय सोच रहा हूँ जिसके विषय सभी लोग कह रहे हैं... मैं इस भविष्यवाणी के प्रति आकर्षित हो गया हूँ।

तुम्हें हमारे को बाध न करें। आप तो एक तुनी अधिकारी हैं और वेनी सरकार के लिए काम करते हैं, जो हमारे शत्रु हैं।



क्या तू ? जीवन का आनन्द लूनेवाला एक मनुष्य ? तू तो पापियों और स्त्रियों के पीछे दौड़नेवाला मनुष्य है ? यीशु, तुझे पसन्द नहीं करेगा।

हो सकता है कि तेह विचार ठीक है, पर देख, वह आ रहे हैं।



मत्ती, सलाम! क्या तू मेरा शिष्य बनना चाहता है ?

क्या ? कौन ? मैं ?



तब आचानक....

हे यीशु, मैं प्रतिज्ञा करता हूँ, कि मैं आपके पीछे पीछे चलूंगा।



मित्रो, एक अच्छा सन्देश है...

मैं तुम्हें छोड़कर यीशु के पीछे चलूंगा। क्या तुम्हें आश्चर्य होता है ? पर वह वास्तव में चाहते हैं, कि मैं उनके पीछे चलूँ।

मत्ती 9:9-13

वहाँ से आगे बढ़कर यीशु ने मत्ती नाम एक मनुष्य को महसूल की चौकी पर बैठे देखा, और उस से कहा, मेरे पीछे हो ले। वह उठकर उसके पीछे हो लिया। और जब वह घर में भोजन करने के लिये बैठा तो बहुतरे महसूल लेनेवाले और पापी आकर यीशु और उसके शेरों के साथ आने बैठे। यह देखकर फरीसियों ने उसके शेरों से कहा; तुम्हारा गुरु महसूल लेनेवालों और पापियों के साथ क्यों खाता है ? उस ने यह सुनकर उन से कहा, वैद्य भले वंगों को नहीं परन्तु बीमारों को अवश्य है। सो तुम जाकर इस का अर्थ सीख लो, कि मैं बलिदान नहीं परन्तु दया चाहता हूँ, क्योंकि मैं धर्मियों को नहीं परन्तु पापियों को बुलाने आया हूँ।



अपनी विदाई के लिए मैं एक बड़ी जेवनार कर रहा हूँ, और यीशु उसमें उपस्थित होंगे। आप सभी को निमंत्रण है!

अगली एक संध्या के समय...



वास्तव में!



तुम कुछ भी नहीं समझते! निरोग को वैद्य की आवश्यकता नहीं होती, परन्तु वैद्य बीमार के लिए है। परन्तु उस बात पर ध्यान करो जो लिखा हुआ है: परमेश्वर कहता है...



"मैं बलिदान नहीं पर दया चाहता हूँ।" वह ऐसे मनुष्यों को चाहता है जो सहानुभूतिशील और दयालु हैं।

एक दिन लोग कफरनहूम के निवासी शिम्ओन मछुवारे के घर पर एकत्र हुए जहाँ यीशु था। सभी लोग उसको सुनना चाहते थे...



बलो हम मालूम करें कि यीशु कौन है। हम श्रावधानपूर्वक उसके पीछे पीछे चलेंगे।

यदि हम घर में जाना चाहते हैं तो हमें जल्दी चलना होगा।



क्या तुम देखते हो? लोगों से झर अवलम्ब है। इसलिए हम अन्दर नहीं जा सकते।

कृपया कुछ उपाय करें। यद्यपि वह असम्भव दिखाई देता है। मुझे यीशु से अवश्य मिलना है। केवल वही मुझे बचा कर सकते हैं।



मरकुस 2:1-12

कई दिन के बाद वह फिर कफरनहूम में आया और सुना गया, कि वह घर में है। फिर इतने लोग इकट्ठे हुए कि द्वार के पास भी जगह नहीं मिली; और वह उन्हें वचन सुना रहा था। और लोग एक झोले के मारे हुए को चार मनुष्यों से उठाकर उसके पास ले आए। परन्तु जब वे भीड़ के कारण उसके निकट न पहुँच सकें, तो उन्होंने ने उस छत को जिस के नीचे वह था, खोल दिया, और जब उसे उधेड़ चुके, तो उस



घरों के समतल छत पर मिट्टी के बने हुए खपड़े थे। उन्हें हटाया जा सकता था।

ध्यान दो, उसके लिए जगह तैयार करो।



बेचारा मनुष्य झोले का मारा हुआ है... सभी जानते हैं कि यह बिल्कुल ही लाईलाज बीमारी है।



जाट को जिस पर झोले का मारा हुआ पड़ा था, लटक दिया। यीशु ने, उन का विश्वास देखकर, उस झोले के मारे हुए से कहा, हे पुत्र, तेरे पाप क्षमा हुए। तब कई एक शास्त्री जो वहाँ बैठे थे, अपने अपने मन में विचार करने लगे कि यह मनुष्य क्यों ऐसा कहता है? यह तो परमेश्वर की निन्दा करता है, परमेश्वर को छोड़ और कौन पाप क्षमा कर सकता है? यीशु ने तुरन्त अपनी आत्मा में जान लिया कि वे अपने अपने मन में ऐसा विचार कर रहे हैं, और उन से कहा, तुम अपने अपने मन में यह विचार क्यों कर रहे हो? सहज क्या है? क्या झोले के मारे से यह कहना कि तेरे



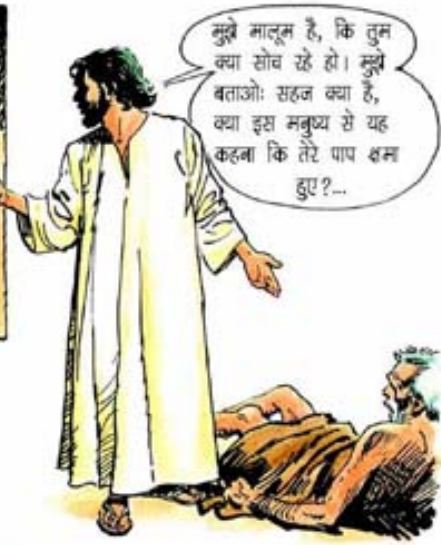
उसके पक्षाघात का उसके पाप के साथ क्या संबंध ?

वीथु को मालूम है, कि उसकी आत्मा उसके शरीर से अधिक बिगड़ी दशा में है...



क्या तुम ने सुना कि वीथु ने क्या कहा ? यह तो परमेश्वर की विन्दा है।

केवल परमेश्वर के अलावा और कौन पाप क्षमा कर सकता ?



मुझे मालूम है, कि तुम क्या सोच रहे हो। मुझे बताओ: सहज क्या है, क्या इस मनुष्य से यह कहना कि तेरे पाप क्षमा हुए?...



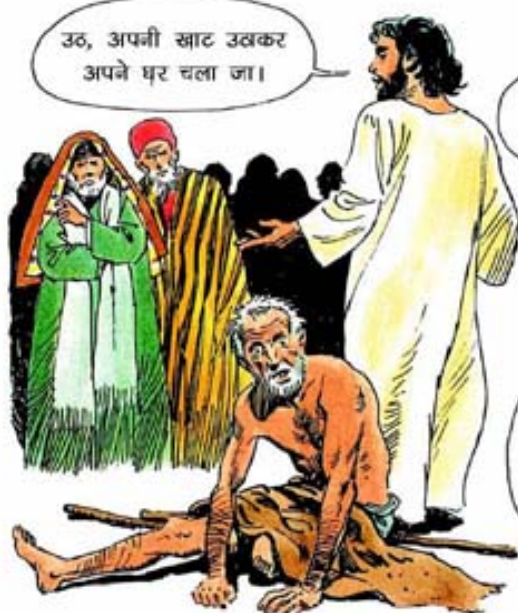
या, यह कहना कि उठ अपने घर चला जा ?

मेरे पास कोई उतर नहीं, परन्तु मैं निश्चय जानता हूँ कि दोनों कार्य अत्यन्त ही कठिन हैं और वास्तव में इसके लिए परमेश्वर की सामर्थ्य की आवश्यकता है।

अच्छा होगा कि चुपचाप ही रहें, और मैं प्रतीक्षा करूँगा और देखूँगा।



तुम सभी इस बात के गवाह होगे कि मनुष्य के पुत्र को पाप क्षमा करने का अधिकार है। यह अर्घगी इस बात का प्रमाण होगा।



उठ, अपनी छाट उतारकर अपने घर चला जा।

परमेश्वर की महिमा और घन्यवाद हो।

अचम्भित करने वाली बात! वह स्वयं को मनुष्य का पुत्र कहता है। इस बात को न भूलो। हम से वह क्या छिपा रहा है ?



अपने दर्शन में दानिय्येल भविष्यवाक्ता ने किसी के विषय बताया जो मनुष्य के पुत्र के जैसा है जो एक ही समय में परमेश्वर और मनुष्य दोनों है। मुझे वास्तव में आश्चर्य हो रहा है।

पाप क्षमा हुए, या यह कहना कि उठ अपनी छाट उतार कर चल फिर ? परन्तु जिस से तुम जान लो कि मनुष्य के पुत्र को पृथ्वी पर पाप क्षमा करने का भी अधिकार है (उस ने उस झोले के मारे हुए से कहा)। मैं तुझ से कहता हूँ, उठ, अपनी छाट उतारकर अपने घर चला जा। और वह उठ, और तुरन्त छाट उतारकर और सब के सामने से निकलकर चला गया, इस पर सब चकित हुए, और परमेश्वर की बढ़ाई करके कहने लगे, कि हम ने ऐसा कभी नहीं देखा।

कुछ दिनों के बाद मगदला गाँव में, जो कफरनहूम से अधिक दूर नहीं, शिमोन नामक एक धनी व्यक्ति के घर के सामने...



जब यीशु पहुंचता है, तो पूरा गाँव उसके लिए प्रतीक्षा कर रहा था।



हे यीशु नासरी, हमारे गाँव में आपका स्वागत है। आपकी ख्याति आप से पहले ही पहुंच जाती है।

वह है...वह विख्यात यीशु, वह किसी मनुष्य को कुछ नहीं जानता, मुझे जैसी स्त्री को भी वह कुछ नहीं समझता। बिना किसी बाधा के मैं उसके प्रति सौचाव अनुभव कर रही हूँ। जी वास्तव है कि यदि व्यक्तिगत रीति से मैं उस से बातचीत कर सकती तो अघ्न होता।



भोजन के लिए मैं ने सभी प्रमुख व्यक्तियों को आमंत्रित किया है। कृपया आप आकर हमारी शोभा बढ़ाएं। मैं तुम्हारा निमंत्रण स्वीकार करता हूँ।

आज संध्या के समय वह फरीसियों के साथ होगा...मैं स्वयं को तैयार करूँगी। आज का दिन मेरे लिए अत्यन्त ही महत्वपूर्ण होगा।



लूका 7:36-50

फिर किसी फरीसी ने उस से बिनती की, कि मेरे साथ भोजन कर; सो वह उस फरीसी के घर में जाकर भोजन करने बैठा। और देखो, उस नगर की एक पापिनी स्त्री यह जानकर कि वह फरीसी के घर में भोजन करने बैठा है, संगमरमर के पात्र में इत्र लाई। और उसके पांवों के पास, पीछे झड़ी रोकर, रोती हुई, उसके पावों को आंसुओं से भिगाने और अपने सिर के बालों से



अतिथियों के साथ
वहाँ यीशु है। मेरा हृदय बड़ी
तेजी से धड़क रहा है...आज
ही मौका है, नहीं
तो ऐसा अवसर फिर कभी
बही मिलेगा... मैं स्वयं को
उनके पैरों पर मिच दूंगी...
और उन्हें चूमूंगी। मैं
इस बात की
परवाह नहीं करती, कि लोग
मेरे विषय क्या सोचते हैं।
परन्तु मुझे इस बात का
निश्चय है, कि स्वयं यीशु मुझे
धक्का देकर बही भगाएंगे।

यह वेश्या तो बड़ी साहसी है।
वह तो यीशु के पैरों पर आंसू बहा
रही है, और अपने बालों से पोंछ
रही है।

यदि यह यीशु
भविष्यवक्ता होता तो
वह जान लेता कि
वास्तव में यह कैसी
स्त्री है।



हाँ, यह बात ठीक
है, और वह उसके गाल पर
एक सप्पड़ लगा देता।

परन्तु इसके बदले वह
उसे छूने की अनुमति
दे रहा है।

हे शिमौन...मुझे
तुझ से कुछ
कहना है।

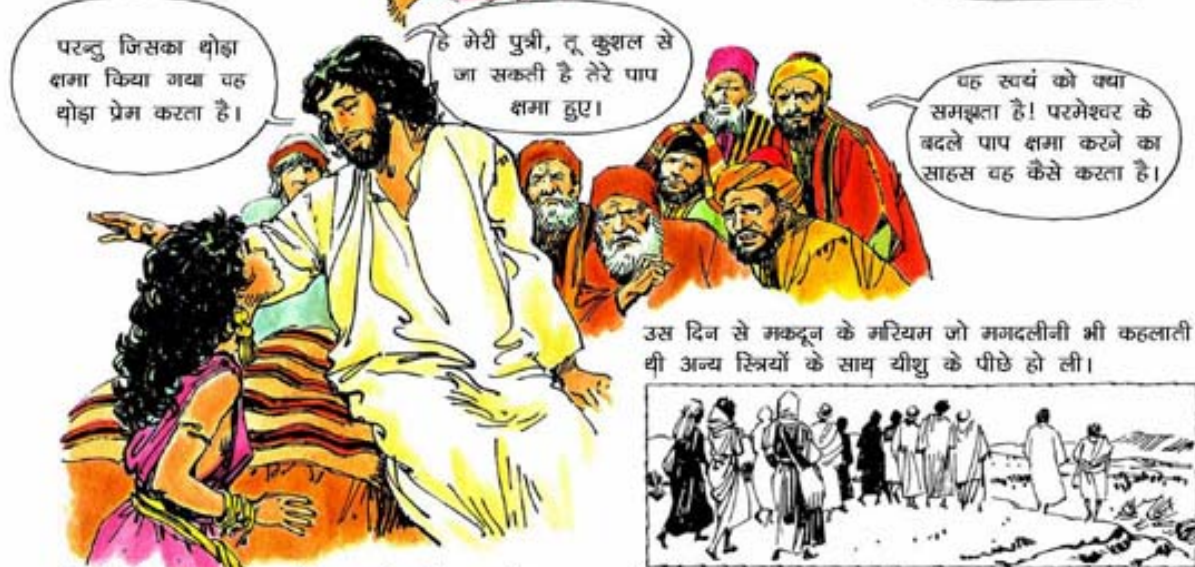
हाँ, हाँ प्रभु,
कहिये।



पोंछने लगी और उसके पांच बार बार चूमकर उन पर झ्र मला। यह
देखकर, वह फरीसी जिस ने उसे बुलाया था, अपने मन में सोचने
लगा, यदि यह भविष्यवक्ता होता तो जान जाता, कि यह जो उसे छू
रही है, वह कौन और कैसी स्त्री है? क्योंकि वह तो पापिनी है। यह
सुन यीशु ने उसके उत्तर में कहा; कि हे शमौन मुझे तुझ से कुछ
कहना है वह बोला, हे गुरु कह। किसी महाजन के दो देनदार थे,
एक पांच सौ, और दूसरा पचास दीनार धारता था। जब कि उन के
पास पटावने को कुछ न रहा, तो उस ने दोनों को समा कर दिया: सो

मैं तुझ से यह
दृष्टान्त कहूँगा।





उन में से कौन अधिक प्रेम रखेगा। शमौन ने उत्तर दिया, मेरी समझ में वह, जिस का उस ने अधिक छोड़ दिया: उस ने उस से कहा, तू ने ठीक विचार किया है। और उस स्त्री की ओर फिरकर उस ने शमौन से कहा; क्या तू इस स्त्री को देखता है? मैं तेरे मर में आया परन्तु तू ने मेरे पांव धोने के लिये पानी न दिया, पर इस ने मेरे पांव आंसूओं से भिगाए, और अपने बालों से पोछा! तू ने मुझे चूमना न दिया, पर जब से मैं आया हूँ तब से इस ने मेरे पांवों का चूमना न छोड़ा। तू ने मेरे सिर पर तेल नहीं मला, पर इस

ने मेरे पावों पर इत्र मला है। इसलिए मैं तुझ से कहता हूँ कि इस के पाप जो बहुत थे, क्षमा हुए, क्योंकि इस ने बहुत प्रेम किया; पर जिस का थोड़ा क्षमा हुआ है, वह थोड़ा प्रेम करता है। और उस ने स्त्री से कहा, तेरे पाप क्षमा हुए। तब जो लोग उसके साथ भोजन करने बैठे थे, वे अपने अपने मन में सोचने लगे, यह कौन है जो पावों को भी क्षमा करता है? पर उस ने स्त्री से कहा; तेरे विश्वास ने तुझे बचा लिया है, कुशल से चली जा।

यीशु और उसके चले गलील से होते हुए नाईन नगर में पहुंचे....।



के फाटक के पास पहुंचा, तो देखो, लोग एक मुट्ठे को बाहर लिए जा रहे थे; जो अपनी मां का एकलौता पुत्र था, और वह विधवा थी: और नगर के बहुत से लोग उसके साथ थे। उसे देख कर प्रभु को तरस आया, और उस से कहा, मत रो। तब उस ने पास आकर अर्धी को छूआ, और उठनेवाले उठ गए तब उस ने कहा; हे जवान मैं तुझ से कहता हूँ, उठ। तब वह मुट्ठा उठ बैठा, और बोलने लगा: और उस ने उसे उस की मां को सौंप दिया। इस से सब पर भय छ गया, और वे परमेश्वर की बड़ाई करके कहने लगे कि हमारे बीच में एक बड़ा भविष्यवक्ता उठा है, और परमेश्वर ने अपने लोगों पर कृपा दृष्टि की है। और उसके विषय में यह बात सारे यहूदिया और आस पास के सारे देश में फैल गई।

लुका 7:11-17

थोड़े दिन के बाद वह नाईन नाम के एक नगर को गया, और उसके चले, और बड़ी भीड़ उसके साथ जा रही थी। जब वह नगर

गनेसस झील के किनारे, यीशु एक भीड़ से मिलते हैं, जो उसका उपदेश सुनना चाहती हैं... एक दिन यीशु उन्हें एक दूर स्थान पर ले जाते हैं और सांझ के समय तक उन्हें उपदेश देते हैं...



हे यीशु, देर हो रही है और पास में कोई गाँव भी नहीं, लोगों को चिदा कर दे, ताकि वे कुछ भोजन मोल ले सकें।

हे फिलिप्पस, हमें चाहिये कि उन्हें भोजन दें।

इतना भोजन हम कहां से मोल ले सकते?

हे यीशु, क्या आप उन सभी को भोजन देना चाहते हैं?... उसका मूल्य तो चाँदी के दो सौ सिक्कों से भी अधिक होगा।



प्रत्येक व्यक्ति भोजन लाया होगा, जैसा कि इस लड़के ने लाया है, जिसके पास पाँच रोटी और दो मछलियाँ हैं।

उस लड़के को बुलाओ और आओ हम भोजन परोसें।

परन्तु इतने अधिक लोगों के लिए इतने बड़े भोजन से क्या होगा?

भोजन करने के लिए लोगों को घास पर बैस दो।



हे परमेश्वर, आप धन्य हैं, क्योंकि भोजन उत्पन्न करने के लिए आप ने भूमि को बनाया।

जाओ, झन रोटियों और मछलियों को उन्हें बाँट दो।



बहुत अच्छा भोजन था। देखो, भेरा भोजन बच गया।

बहुत ही अनोखा! कितना अच्छा वनभोज!



तुम सभी आनन्द से खाओ।

यूहना 6:1-15

इन बातों के बाद यीशु गलील की झील अर्थात् तिबेरियास की झील के पास गया। और एक बड़ी भीड़ उसके पीछे हो ली क्योंकि जो आश्चर्य कर्म वह बीमारों पर दिखाता था वे उन को देखते थे। तब यीशु पहाड़ पर चढ़कर अपने चेलों के साथ वहाँ बैस। और यहूदियों के फसह का पर्व निकट था। तब यीशु ने अपनी आँखें उखरकर एक बड़ी भीड़ को अपने पास आते देखा, और फिलिप्पस से कहा, कि हम इन के भोजन के लिये कहां से रोटी मोल लाएं? परन्तु उस ने यह बात उसे परखने के लिए कही; क्योंकि वह आप जानता था कि मैं क्या करूंगा। फिलिप्पस ने उस को उत्तर दिया, कि

दो सौ दीनार की रोटी उन के लिए पूरी भी न होगी कि उन में से हर एक को थोड़ी थोड़ी मिल जाए। उसके चेलों में से शमौन पतरस के भाई अन्दियास ने उस से कहा। वहाँ एक लड़का है जिस के पास जव की पाँच रोटी और दो मछलियाँ हैं, परन्तु इतने लोगों के लिये वे क्या हैं। यीशु ने कहा, कि लोगों को बैस दो। उस जगह बहुत घास थी: तब वे लोग जो गिनती में लगभग पाँच हजार के थे, बैठ गए: तब यीशु ने रोटियाँ लीं, और धन्यवाद करके बैठनेवालों को बाँट दी, और वैसे ही मछलियों में से जितनी वे चाहते थे बाँट दिया। जब वे खाकर तृप्त हो गए तो उस ने अपने चेलों से कहा, कि बचे हुए टुकड़े बटोर लो, कि कुछ फेंका न जाए। सो उन्होंने ने

जब सभी लोग भोजन करके
तृप्त हो गये तो इसके बाद....



बचे हुएों को जमा कर लो,
कुछ भी बरबाद न करो।

इसी बीच, कुछ लोग इस घटना
पर बातचीत कर रहे हैं....।



रोटी से भरी हुई दस...
ग्यारह...बारह टोकरीयां।



इस यीशु ने तो
बहुत बड़ा काम
किया! इतने अधिक
लोगों के लिए
पर्याप्त भोजन, जो
पहले बहुत ही थोड़ा
था।



यह बात गुप्त
अपने समय में
एलिय्याह भविष्यवक्ता
की याद दिलाती है।

हं, हमारा पवित्रशास्त्र बताता है कि एक
दिन उसने केवल दो रोटी से ही व्यक्तियों को
खिलाया और उस समय भी रोटीयां बच गई थीं
जैसा आज हमारे पास बच गई हैं। क्या
यीशु एक नया
भविष्यवक्ता हो
सकत है?



श्रेयस्व!
वह मसीह है,
जिसकी प्रतीक्षा
बहुत दिनों से की
जा रही थी।

सभी को बता दो,
हम चाहते हैं कि
यीशु हमारा राजा
बने।

अरे, हम
अपने राजा के
बारे और इच्छा
हो जाएं।



परन्तु यीशु ने जान लिया कि वे उसे बलपूर्वक अपना
राजा बनाना चाहते हैं।

अपने अंगुवा
के रूप में उसके
साथ हम एक सेना
बनाएंगे और हम
रोमी लोगों को
खदेई देंगे।

मैं भागकर निकल जाऊंगा, वे
आपे से बाहर हैं...मेरे सन्देश को
गलत समझा... एक युद्ध
करनेवाले मसीह की
कल्पना कर रहे हैं। जैसे
ही रात्रि होने लगेगी मैं
पहाड़ों पर चला जाऊंगा।

कुछ समय के पश्चात् यीशु अपने चेलों को हर्मोन
पहाड़ के निकट कैसरिया (आजकल गोलन हाईट्स
कहलाता है) के उत्तरी सिवाने में ले गये।

बदोरा, और जब की पांच रोटीयां के टुकड़े जो खानेवालों से
बच रहे वे उन की बारह टोकरीयां भरी। तब जो आश्चर्यकर्म
उस ने कर दिखाया उसे वे लोग देखकर कहने लगे; कि वह
भविष्यवक्ता जो जगत में आनेवाला था निश्चय यही है। यीशु
यह जानकर कि वे गुप्त राजा बनाने के लिए आकर पकड़ना
चाहते हैं, फिर पहाड़ पर अकेला चला गया।





अब हमलोग भीड़ से बहुत दूर हैं.. यहाँ हमलोग विश्राम और मनन कर सकते हैं। मैं तुम लोगों से यह प्रश्न पूछना चाहता हूँ : लोग मुझे क्या कहते हैं ? मेरे लिए वे क्या सोचते हैं ?



ओह, भिन्न भिन्न विचार हैं.. हेरोदेस राजा भयभीत है, वह आप को यहून्ना बपतिस्मा देनेवाला समझता है, कि वह मुर्दों में से जी उठ है जिसका सिर उसने कटवा दिया था।



बहुत से लोग कहते हैं कि आप एक नये भविष्यवक्ता हैं, जिसे परमेश्वर के द्वारा बड़ी सामर्थ्य दी गई है।



परन्तु तुम मुझे क्या कहते हो ?

हमारे लिए: आप जीवित परमेश्वर के पुत्र मसीह हैं।

हे शिमोन, मनुष्यों के द्वारा नहीं, परन्तु मेरे पिता ने जो स्वर्ग में है, यह बात तुझ पर प्रगट की है।

परमेश्वर सभी मनुष्यों पर यह बात प्रगट करेगा जो उस पर विश्वास रखते हैं।



झील के किनारे भोजन के बाद मैं ने कफजबहम के आरधनालय में सन्देश दिया.. बहुत से लोगों ने मेरे सन्देश को ग्रहण नहीं किया। वे मुझे छोड़कर चले गये। क्या तुम भी मुझे छोड़ देना चाहते हो ?

हे प्रभु हम किसके पास जाए ? हम विश्वास करते हैं, कि आप परमेश्वर के पवित्र जब हैं। आपके पास तो अनन्त जीवन की बातें हैं।

मेरे प्रिय शिष्यों, क्या मैं ने तुम बारहों को नहीं चुना ?

तथापि, तुम में से एक जन शैतान का है।

यीशु के कहने का तात्पर्य यहदा से था, जो उसका विश्वासघात करनेवाला था।

मती 16:13-17

यीशु कैसरीया फिलिपी के देश में आकर अपने चेलों से पूछने लगा, कि लोग मनुष्य के पुत्र को क्या कहते हैं ? उन्होंने ने कहा, कितने तो यहून्ना बपतिस्मा देनेवाला कहते हैं और कितने एलिष्याह, और कितने यिर्मयाह या भविष्यवक्ताओं में से कोई एक कहते हैं। उस ने उन से कहा, परन्तु तुम मुझे क्या कहते हो ? शमौन पतरस ने उत्तर दिया, कि तू जीवित परमेश्वर का पुत्र मसीह है। यीशु ने उस को उत्तर दिया, कि हे शमौन योना के पुत्र, तू घन्य है;

क्योंकि मांस और लोह ने नहीं, परन्तु मेरे पिता ने जो स्वर्ग में है, यह बात तुझ पर प्रगट की है।

मती 20:20-23

तब जब्दी के पुत्रों की माता ने अपने पुत्रों के साथ उसके पास आकर प्रणाम किया, और उस से कुछ मांगने लगी। उस ने उस से कहा, तू क्या चाहती है ? वह उस से बोली, यह कह, कि मेरे ये दो पुत्र तेरे राज्य में एक तेरे दहिने और एक तेरे बाएं बैठें। यीशु ने उत्तर दिया, तुम नहीं जानते



मेरे मित्रों, आपके विचार गलत हैं...हमलोग यरुशलेम तो जा रहे हैं, परन्तु राजनीतिक अगुवा बनने के लिए नहीं।



मुझे वहाँ जाना और बहुत दुःख उठकर मरना अवश्य है... परन्तु तीसरे दिन मैं जीवित हो जाऊंगा।



हे शैतान, मेरे सामने से दूर हो जा। तू मेरे काम में रुकावट डालने का प्रयास कर रहा है, ताकि मैं अपना कार्य पूरा न करूँ।

आपके साथ ऐसा कभी भी नहीं होगा। यह असम्भव है। हम आपके साथ चलकर आप की रक्षा करेंगे।

हे यीशु, मैं आप से कहला हूँ, कि आप हिम्मत न हारें।



आपलोग किसी भी रीति से एक युद्ध करनेवाला मसीह चाहते हैं। यह बात मुझे शैतान की परीक्षाओं को स्मरण दिलाती है जो उसने मरुभूमि में मेरे सामने लाई थी।

करे; तुझ पर ऐसा कभी न होगा। उस ने फिरकर पतरस से कहा, हे शैतान, मेरे सामने से दूर हो: तू मेरे लिए लेकर का कारण है; क्योंकि तू परमेश्वर की बातें नहीं, पर मनुष्यों की बातों पर मन लगाता है।

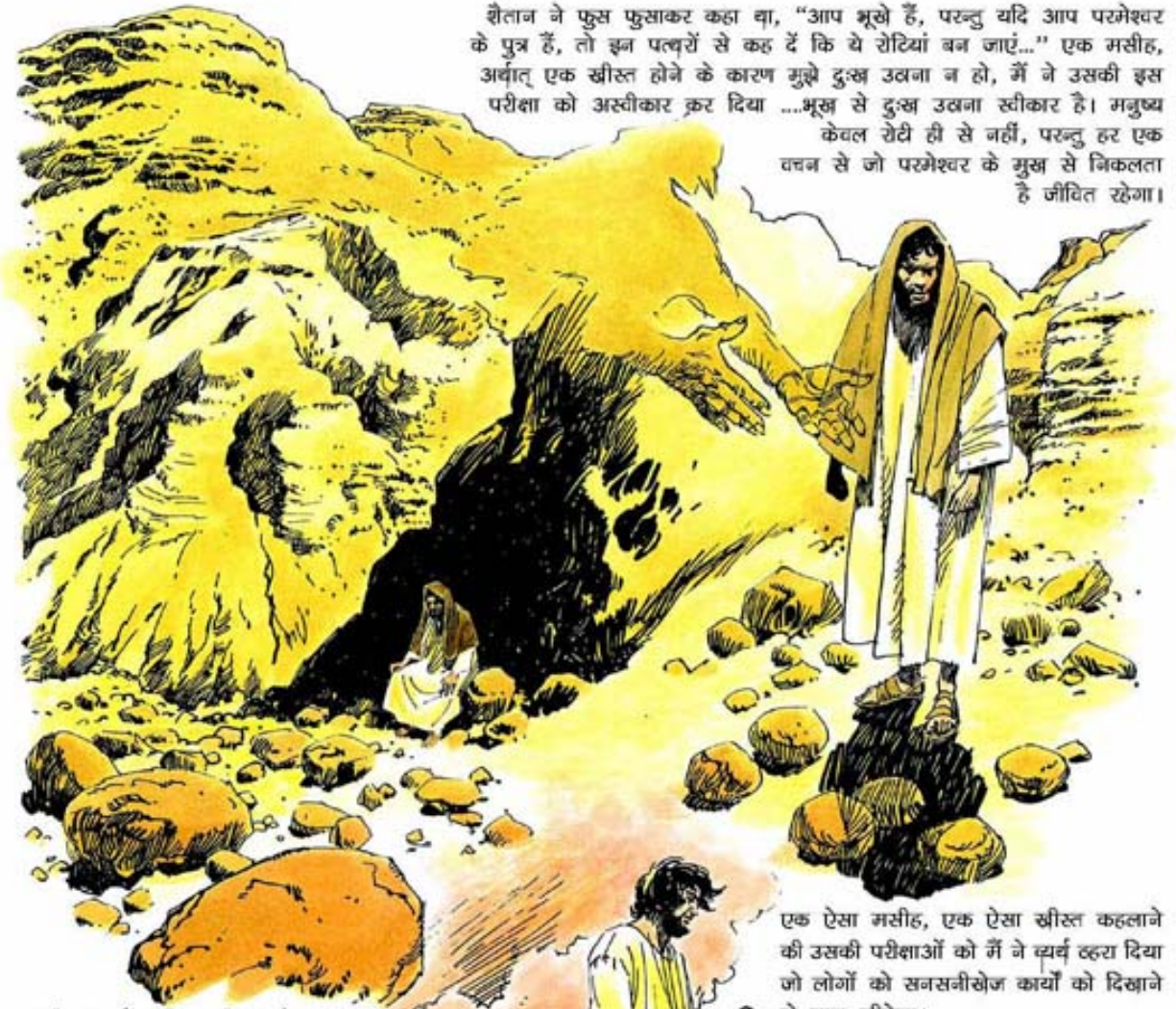
मती 4:1-11

तब उस समय आत्मा यीशु को जंगल में ले गया ताकि इब्लीस से उस की परीक्षा हो। वह चालीस दिन, और चालीस रात, निराहार रहा, अन्त में उसे भूख लगी। तब परखनेवाले ने पास आकर उस से कहा, यदि तू परमेश्वर का पुत्र है, तो कह दे, कि ये पत्थर रोटियाँ बन जाएँ। उस ने उत्तर दिया; कि लिखा है कि मनुष्य केवल रोटी ही से नहीं, परन्तु हर एक वचन से जो परमेश्वर के मुख से निकलता है जीवित रहेगा। तब इब्लीस उसे पवित्र नगर में ले गया और

मती 16:21-23

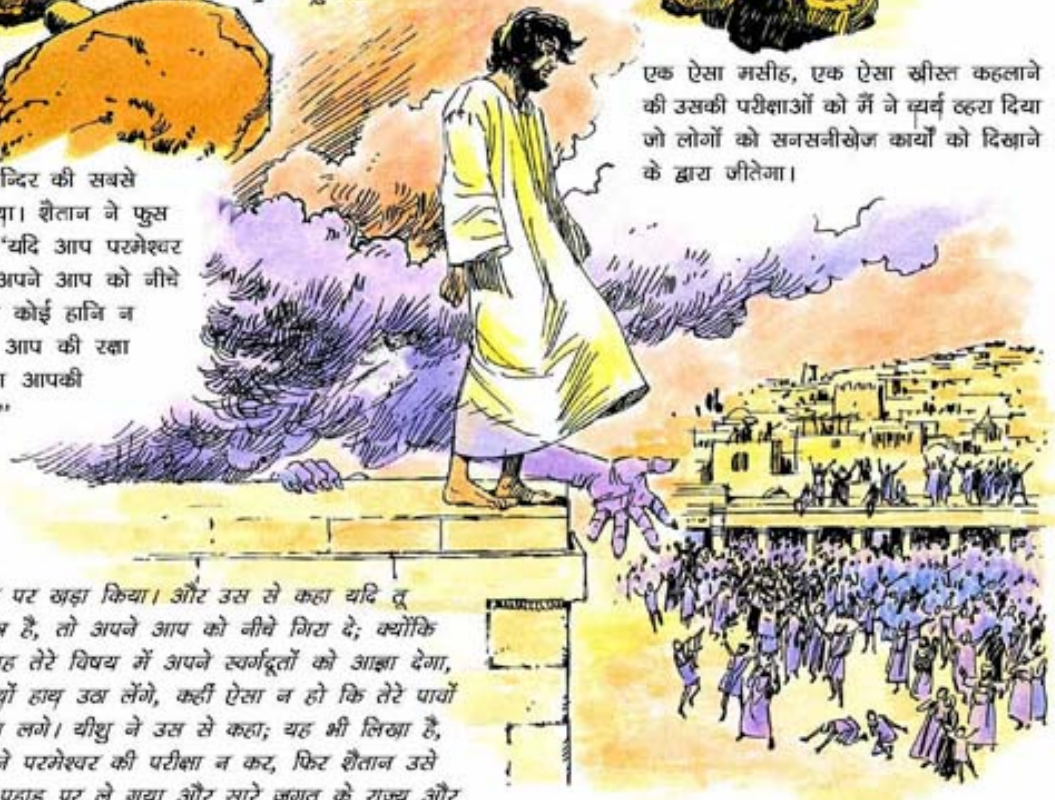
उस समय से यीशु अपने चेलों को बताने लगा, कि मुझे अवश्य है, कि यरुशलेम को जाऊँ, और पुरीतियों और महायाजकों और शास्त्रियों के हाथ से बहुत दुःख उठऊँ; और मार डाला जाऊँ; और तीसरे दिन जी उठूँ। इस पर पतरस उसे अलग ले जाकर झिड़कने लगा कि हे प्रभु, परमेश्वर न

शैतान ने फुस फुसाकर कहा वा, "आप भूखे हैं, परन्तु यदि आप परमेश्वर के पुत्र हैं, तो इन पत्थरों से कह दें कि ये रोटियां बन जाएं..." एक मसीह, अर्थात् एक खीस्त होने के कारण मुझे दुःख उठाना न हो, मैं ने उसकी इस परीक्षा को अस्वीकार कर दिया ...भूख से दुःख उठाना स्वीकार है। मनुष्य केवल रोटी ही से नहीं, परन्तु हर एक वचन से जो परमेश्वर के मुख से निकलता है जीवित रहेगा।



एक ऐसा मसीह, एक ऐसा खीस्त कहलाने की उसकी परीक्षाओं को मैं ने व्यर्थ धरा दिया जो लोगों को सनसनीखेज कार्यों को दिखाने के द्वारा जीतेगा।

दूसरी बार मैं मन्दिर की सबसे ऊंची चोटी पर था। शैतान ने फुस फुसाकर कहा, "यदि आप परमेश्वर के पुत्र हैं, तो अपने आप को नीचे गिरा दें, आपकी कोई हानि न होगी। परमेश्वर आप की रक्षा करेगा और लोग आपकी आराधना करेंगे।"



मन्दिर के कंगूरे पर अड़ा किया। और उस से कहा यदि तू परमेश्वर का पुत्र है, तो अपने आप को नीचे गिरा दे; क्योंकि लिखा है, कि यह तेरे विषय में अपने स्वर्गदूतों को आज्ञा देगा, और वे तुझे हाथों हाथ उठ लेंगे, कहीं ऐसा न हो कि तेरे पावों में पत्थर से ठेस लगे। यीशु ने उस से कहा; यह भी लिखा है, कि तू प्रभु अपने परमेश्वर की परीक्षा न कर, फिर शैतान उसे एक बहुत ऊंचे पहाड़ पर ले गया और सारे जगत के राज्य और

उसके बाद मैं एक बहुत ऊँचे पहाड़ पर सड़ा हो गया... शैतान ने फिर फुस फुसाकर कहा, "जगत का सम्पूर्ण राज्य और उसका वैभव देखिये। यदि आप झुक कर मुझे प्रणाम करें तो मैं यह सब कुछ आपको दे दूँगा।" मैं ने उत्तर दिया, "हे शैतान, मुझ से दूर हो।"

क्योंकि लिखा है: "तू अपने प्रभु परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।"

मित्रो, इन परीक्षाओं में न पड़ें। मैं परमेश्वर का सेवक हूँ, जिसके विषय यशयाह नबी ने घोषणा की थी कि... "मैं अपने लोगों के लिए अपना प्राण दूँगा।"

कैसी निराशाजनक बात। यीशु के साथ रहकर मैं अपना समय और अवसर नष्ट कर रहा हूँ। मुझे तो पहले ही यह बात मालूम कर लेना चाहिये था।

मैं तो उलझन में पड़ गया हूँ। मैं यह बात और नहीं समझता...

मेरे मित्रो, इस पहाड़ के नीचे आप लोग पड़ाव डाल दें।

और पतरस, याकूब और यूहन्ना तुम लोग मेरे साथ आओ! हम लोग पहाड़ पर एक साथ पूरी रात बितायेंगे।

उसका वैभव दिखाकर, उस से कहा, कि यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा। तब यीशु ने उस से कहा; हे शैतान दूर हो जा, क्योंकि लिखा है, कि तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर। तब शैतान उसके पास से चला गया; और देखो, स्वर्गदूत आकर उस की सेवा करने लगे।



आज रात को तुम्हें सान्त्वना देने के लिए मैं ने तुम तीनों को अलग करके लाया है।

पहाड़ पर मूसा के जैसा एलिव्याह भी परमेश्वर से मिला और साहस प्राप्त किया।



आधी रात के समय एक चकाचौंध करनेवाली ज्योति ने पतरस, याकूब और यूहन्ना को जगा दिया। यीशु उनके सामने ज्योति में प्रगट होता है, और मूसा और एलिव्याह के साथ बातचीत करता दिखाई देता है।



जब प्रकटन समाप्त हो गया तब वे यीशु को पहले के जैसा देखते हैं।

सूर्योदय के समय वे चारों ओर उठकर पहाड़ से नीचे उतरते हैं।



मती 17:1-8

छः दिन के बाद यीशु ने पतरस और याकूब और उसके भाई यूहन्ना को साथ लिया, और उन्हें एकान्त में किसी ऊंचे पहाड़ पर ले गया। और उन के सामने उसका रूपान्तर हुआ और उसका मुंह सूर्य की जैसी चमका और उसका वस्त्र ज्योति की जैसी उजला हो गया। और देखो, मूसा और एलिव्याह उसके साथ बातें करते हुए उन्हें दिखाई दिए। इस पर पतरस ने यीशु से कहा, हे प्रभु, हमारा यहां रहना अच्छा है; इच्छा हो तो यहां तीन मण्डप बनाऊं, एक तेरे लिये, एक मूसा के लिये और एक एलिव्याह के लिए। वह बोल ही रहा था, कि देखो, एक उजले बादल ने उन्हें छा लिया, और देखो; उस बादल में से यह शब्द निकला, कि यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिस से मैं प्रसन्न हूँ; इस की सुनो। वेले यह सुनकर मुंह के बल गिर गए और अत्यन्त डर गए। यीशु ने पास आकर उन्हें छुआ, और कहा, उठो, डरो मत। तब उन्होंने अपनी आंखें उतकर यीशु को छोड़ और किसी को न देखा।



पिछली रात्रि की घटनाओं को खरब करने के लिए कोई शक नहीं...मेरे लिए तो यह बिल्कुल ही स्पष्ट हो गया है कि मूसा और एलिव्याह से भी यीशु बहुत अधिक महान है।

हे यूहन्ना, मैं ने भी वैसा ही देखा और मैं ने तुझे बताया कि यीशु ही मसीह अर्थात् खीस्त है। निश्चय यह जीवित परमेश्वर का पुत्र है।

मेरे मित्रों, मैं तुम्हें आदेश देता हूँ: तुम ने जो देखा है किसी से भी न कहना जब तक मसीह मुदों में से न जी उठे!



मित्रो, यहां आ जाओ, आओ हम यरुशलम चलें।



हाँ, यह सच है। उन्होंने तो केवल यीशु के आगमन की तैयारी की...यह तो स्वयं परमेश्वर की महिमा का अंश है।

मैंने स्वयं से यह शब्द कहे सुना: "यीशु मेरा पुत्र है जिससे मैं प्रसन्न हूँ, उसके पीछे चलो, उसकी बात सुनो।"



पतरस, मैं ने तुझे यह कहे सुना है, कि हे प्रभु हमारा यहाँ रहना अच्छा है। यदि आप की इच्छा हो तो मैं यहां तीन मण्डप बनाऊँ एक आपके लिए एक मूसा के लिए और एक एलिव्याह के लिए।



मैं सम्पूर्ण रीति से तो नहीं समझता, परन्तु हम मौन रहने की प्रतिज्ञा करते हैं।



याकूब, यूहन्ना और मैं पतरस, हम तीनों विश्वास करते हैं, कि परमेश्वर हमारे साथ है।

फसह का पर्व मनाने के लिए यीशु ने यरुशलेम जाने का निश्चय किया...अपने शिष्यों के साथ वे जैतून पहाड़ पर आते हैं।

यहाँ वे गलील से आये कुछ तीर्थ यात्रियों से मिलते हैं, वे भी यरुशलेम को जा रहे हैं...



मती 21:1-17

जब वे यरुशलेम के निकट पहुंचे और जैतून पहाड़ पर बैतफगे के पास आए, तो यीशु ने दो चेलों को यह कहकर भेजा। कि अपने सामने के गांव में जाओ वहां पहुंचते ही एक गदही बन्धी हुई, और उसके साथ बच्चा तुम्हें मिलेगा, उन्हें खोलकर, मेरे पास ले आओ। यदि तुम से कोई कुछ कहे, तो कहो, कि प्रभु को इन का प्रयोजन है: तब वह तुरन्त उन्हें भेज देगा। यह इसलिये हुआ, कि जो वचन भविष्यवक्ता के द्वारा कहा गया था, वह पूरा हो; कि सिब्योन की बेटी से कहो, देख, तेरा राजा तेरे पास आता है, वह नरम है और गदहे पर बैव है,



बरत लादू के बच्चे पर। बेलों ने जाकर, जैसा यीशु ने उन से कहा था, वैसा ही किया। और गदही और बच्चे को लाकर उन पर अपने कपड़े डाले, और वह उन पर बैठ गया। और बहुतेरे लोगों ने अपने कपड़े मार्ग में बिछाए, और और लोगों ने पेड़ों से डालियाँ काटकर मार्ग में बिछाईं। और जो भीड़ आगे आगे जाती और पीछे पीछे चली आती थी, पुकार

पुकारकर कहती थी, कि दाऊद के सन्तान को होशाना, धन्य है वह जो प्रभु के नाम से आता है, आकाश में होशाना। जब उस ने यरुशलेम में प्रवेश किया, तो सारे नगर में हलचल मच गई; और लोग कहने लगे, यह कौन है? लोगों ने कहा, यह गलील के नासरत का भविष्यद्वक्ता यीशु है। यीशु ने परमेश्वर के मन्दिर में जाकर उन सब को जो



तुम लोग किस की जय जयकार कर रहे हो ?
नासरत के यीशु की जो नया भविष्यवक्ता है।



इसका क्या अर्थ हुआ ?
है...जब रोमी लोगों को इस विषय में मालूम होगा, तो उनकी सेना कड़ी कार्रवाई कर सकती है।

मन्दिर के पास जलूस पहुंच गया...भिसारी, बीमार और विकलांग लोग यीशु के पीछे पीछे चल रहे थे...।



अब बच्चे यीशु की जय जयकार करने लगे।



तुम गंदे लोग, दूर हो जाओ। तुम लोग अशुद्ध हो, तुम्हें मन्दिर में प्रवेश करने की अनुमति नहीं।
मुझे इसकी चिन्ता नहीं, कि मैं विकलांग हूँ यीशु मुझे चंगा करेंगे। अनुमति नहीं।

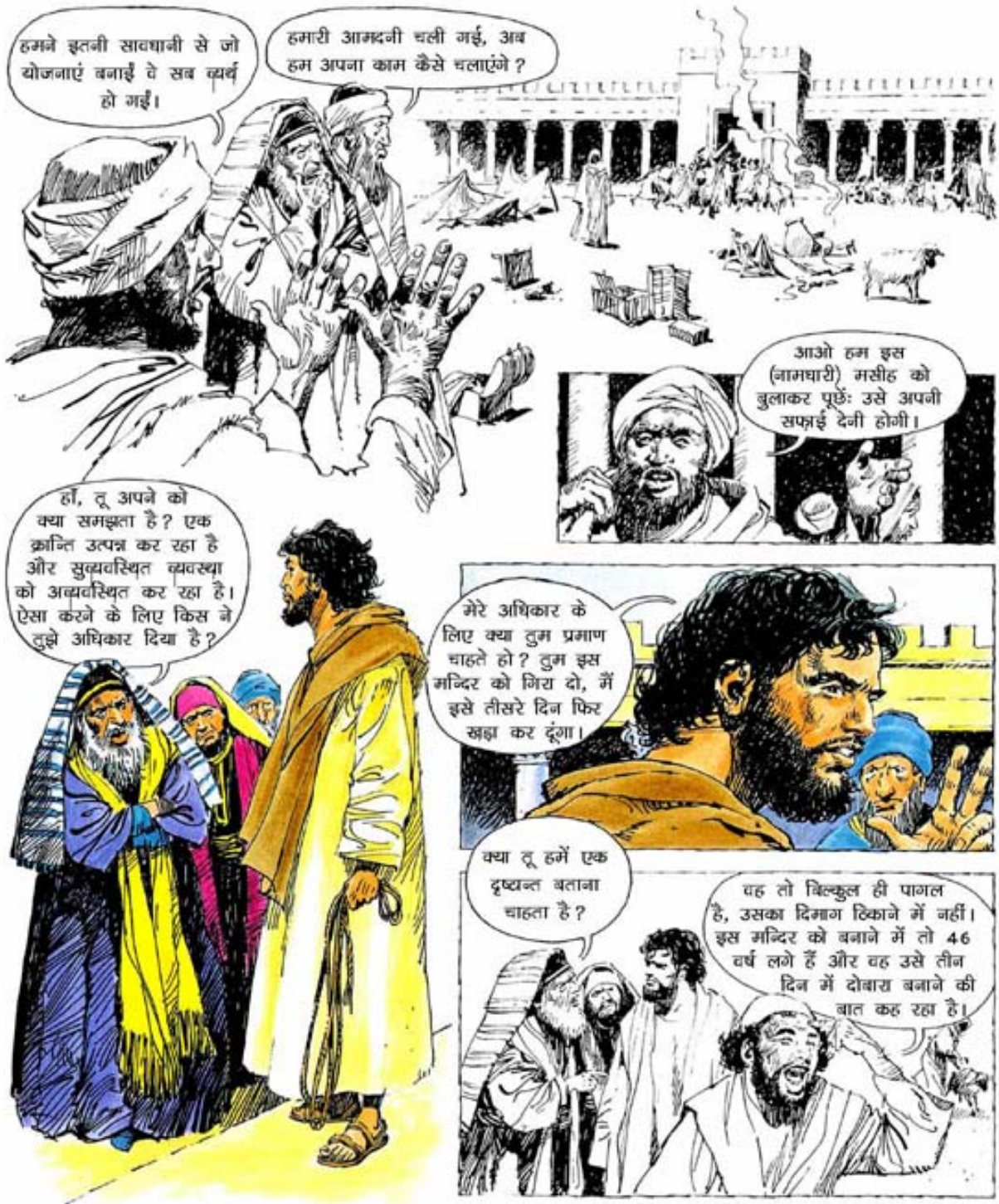


नासरत का यीशु दीर्घायु हो।



शान्त हो जाओ, यह पवित्र मन्दिर है।





वास्तव में यह एक दृष्ट्यन्त ही था। यीशु ने अपनी देह के विषय कहा, जो परमेश्वर का नया मन्दिर है। ...नाश किया जायेगा, मार दिया जायेगा, वह तीसरे दिन मुर्दों में से फिर जी उठेगा। यीशु के पुनरुत्थान के बाद शैलों ने इस बात को समझा।

इस घटना के बाद शीघ्र ही, फरीसी लोग जो यीशु के शत्रु थे काइफा महायाजक के नेतृत्व में इकट्ठा हुए।



परन्तु हम क्या करेंगे? उसके आश्चर्यकर्म तो वास्तविक हैं।

उसकी शिक्षाएं हमारे अधिकार को व्यर्थ कर दे रही हैं...सभी लोग तो उसके पीछे चल रहे हैं।



यदि हम यीशु को बंधू ही छोड़ देंगे, तो वह लोगों की भीड़ को अपने पास इकट्ठा करेगा और इसका परिणाम एक क्रांति उत्पन्न हो सकता है...रोमी लोग एक सेना भेज देंगे...वे मंदिर को नाश कर देंगे और हमारे स्थान और देश को अपने अधिकार में कर लेंगे।



हे महायाजक काइफा, आप की क्या राय है?



मेरा विचार यह है, कि हम सभी के लिए अच्छा यह होगा कि लोगों के लिए एक मनुष्य मरे और सारी जाति नष्ट न हो।



मैं इस बात से सम्पूर्ण रीति से सहमत हूँ।

यह बात बिल्कुल ठीक है। यदि हम जीवित रहना चाहते हैं तो यीशु को मरना अवश्य है।



उसके शिष्यों में से यहूदा नामक एक व्यक्ति को हम ने अपनी ओर करने का प्रबन्ध कर लिया है..।

यहून्ना 11:47-50

इस पर महायाजकों और फरीसियों ने मुख्य सभा के लोगों को इकट्ठा करके कहा, हम करते क्या हैं? यह मनुष्य तो बहुत सिद्ध दिखाता है। यदि हम उसे योंही छोड़ दें तो सब उस पर विश्वास ले आएंगे और रोमी आकर हमारी जगह

और जाति दोनों पर अधिकार कर लेंगे। तब उन में से काइफा नाम एक व्यक्ति ने जो उस वर्ष का महायाजक था, उन से कहा, तुम कुछ नहीं जानते। और न यह सोचते हो, कि तुम्हारे लिये यह भला है, कि हमारे लोगों के लिये एक मनुष्य मरे, और न यह, कि सारी जाति नाश हो।

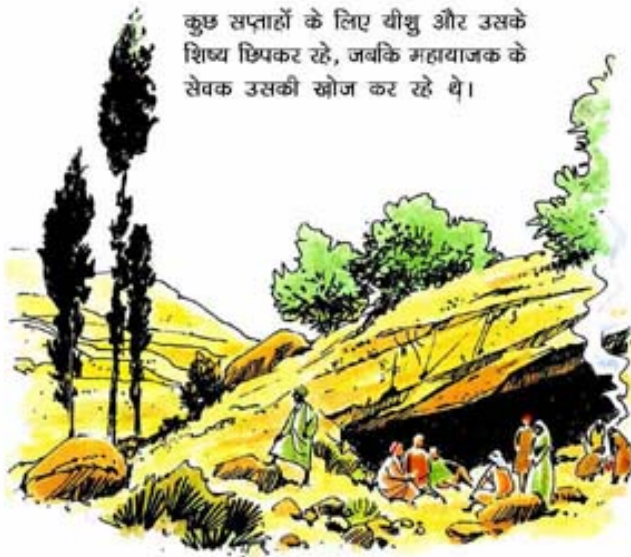


कुछ दिनों के बाद, रात्रि के समय....



मती 26:3-5, 14-16

तब महायाजक और प्रजा के पुरनिए काइफा नाम महायाजक के आंगन में इकट्ठे हुए। और आपस में विचार करने लगे कि यीशु को छल से पकड़कर मार डालें। परन्तु वे कहते थे, कि पर्व के समय नहीं, कहीं ऐसा न हो कि लोगों में बलवा मच जाए। तब यहूदा इस्करियोती नाम बारह धैलों में से एक ने महायाजकों के पास जाकर कहा, यदि मैं उसे तुम्हारे हाथ पकड़वा दूँ तो मुझे क्या दोगे? उन्होंने ने उसे तीस चांदी के सिक्के तौलकर दे दिए। और वह उसी समय से उसे पकड़वाने का अवसर ढूँढ़ने लगा।



कुछ सप्ताहों के लिए यीशु और उसके शिष्य छिपकर रहे, जबकि महायाजक के सेवक उसकी खोज कर रहे थे।



मेरे मित्रो, आज फसह का पर्व मनाया जा रहा है। पतरस और यूहन्ना, तुम दोनों जाकर हमारे खाने के लिए फसह का भोज तैयार करो।

हाँ प्रभु! परन्तु कहाँ? किसके साथ?



यरुशलेम में मैं ने एक बहुत बड़ा कमरा सुरक्षित रखा है। तुम्हें जाकर इसे मालूम करना है...



जैसे ही तुम शहर में प्रवेश करोगे, एक ननुष्य जल का घड़ा उठाये हुये तुम्हें मिलेगा। जिस घर में वह जाए तुम उसके पीछे चले जाना वही वह स्थान होगा।

आहा। यीशु अब मुझ पर भरोसा नहीं रखता...परन्तु खजंजी होने के नाते फसह का भोज तैयार करने का अधिकार मुझे है...तब मुझे उनके इकट्ठे होने के स्थान का पता लग जाएगा।



तब मैं अधिकारियों को सूचना दे सकता हूँ, ताकि वे उसे गिरफ्तार कर लें।

कुछ घण्टों के बाद...



स्त्रियाँ जल का घड़ा लिए जा रही हैं, यह कोई विशेष बात नहीं।

परन्तु वहाँ मैं एक ननुष्य को देखता हूँ, जो जल का घड़ा उठाये जा रहा है, जो अस्वाभाविक बात है। क्या यह वही ननुष्य हो सकता है?

निश्चय यह वही है। आओ हम उसका पीछ करें।





...और यीशु की इच्छा के अनुसार वहाँ एक बड़ा कमरा तैयार किया गया है...तुम्हें मालूम हो कि सभी बातें सुखवर्धित हैं।



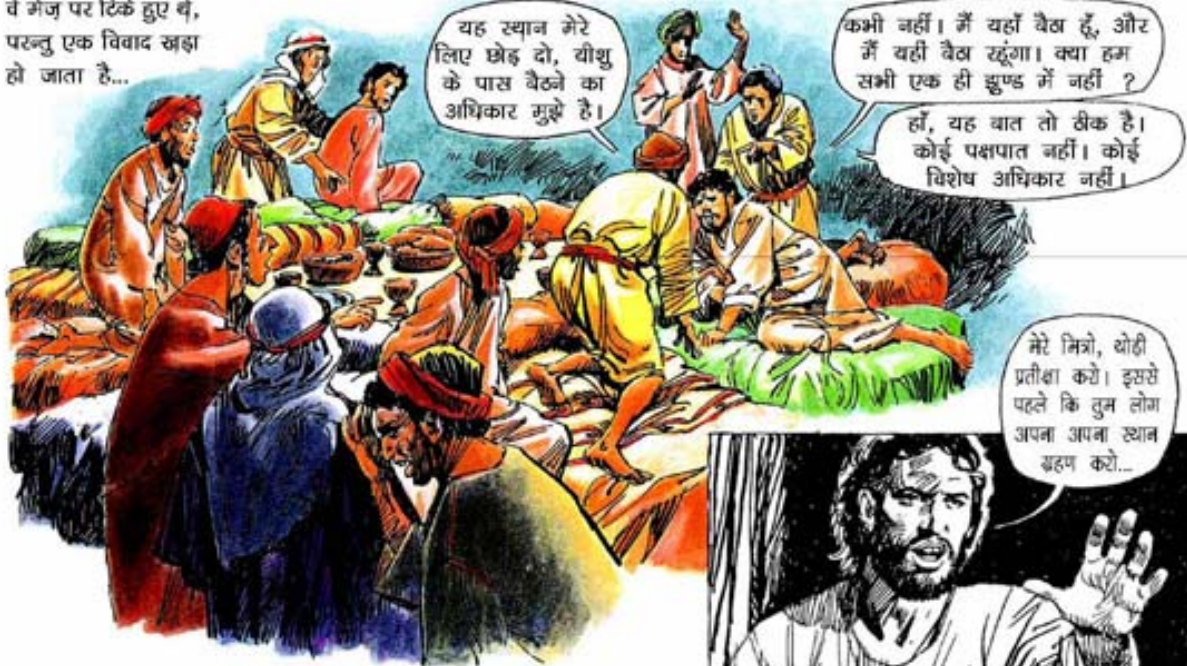
उस संघा के समब...



लूका 22:7-12

तब अखमीरी रोटी के पर्व का दिन आया, जिस में फसह का मेम्ना बली करना अवश्य था। और यीशु ने पतरस और यूहन्ना को यह कहकर भेजा, कि जाकर हमारे खाने के लिये फसह तैयार करो। उन्होंने ने उस से पूछा, तू कहां चाहता है, कि हम तैयार करें? उस ने उन से कहा; देखो, नगर में प्रवेश करते ही एक मनुष्य जल का घड़ा उखए हुए तुम्हें मिलेगा, जिस घर में वह जाए, तुम उसके पीछे चले जाना। और उस घर के स्वामी से कहो, कि गुरु तुझ से कहला है, कि वह पाहुनशाला कहां है जिस में मैं अपने बेलों के साथ फसह खाऊँ? वह तुम्हें एक सजी सजाई बड़ी अटारी दिया देगा, वहां तैयारी करना।

वे मेज पर टिके हुए थे,
परन्तु एक विवाद खड़ा
हो जाता है...



यह स्थान मेरे
लिए छोड़ दो, यीशु
के पास बैठने का
अधिकार मुझे है।

कभी नहीं। मैं यहाँ बैठ हूँ, और
मैं यही बैठ रहूँगा। क्या हम
सभी एक ही झुण्ड में नहीं ?

हाँ, यह बात तो ठीक है।
कोई पक्षपात नहीं। कोई
विशेष अधिकार नहीं।

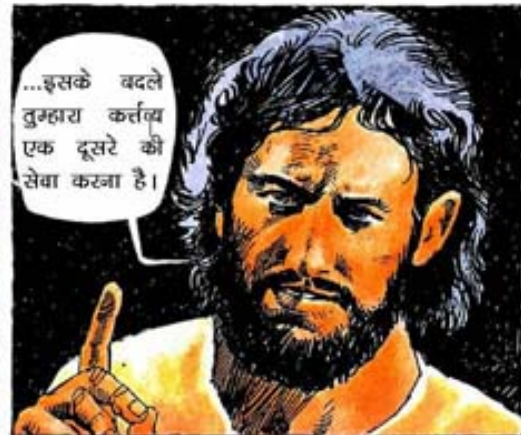
मेरे मित्रों, थोड़ी
प्रतीक्षा करो। इससे
पहले कि तुम लोग
अपना अपना स्थान
सह्य करो...



तुम्हें मालूम है कि अन्य जातियों के
राजा उन पर प्रभुता करते हैं, वे बल और
तलवार से अपने लोगों पर शासन करते
हैं, परन्तु तुम उनके जैसे नहीं हो...



...इसके बदले
तुम्हारा कर्तव्य
एक दूसरे की
सेवा करना है।



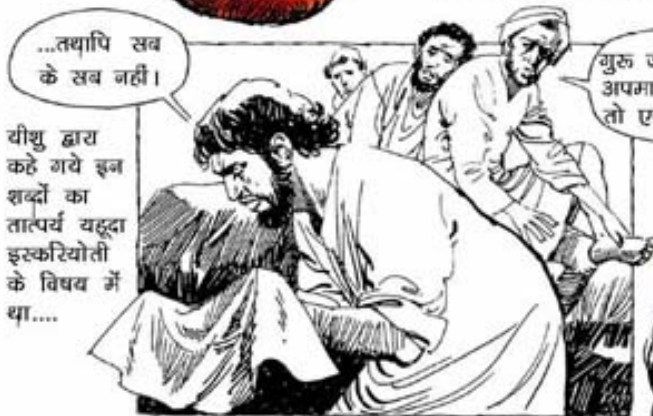
उसके बाद



देखो, वे क्या
कर रहे हैं।

मेरी समझ में नहीं
आता। ऐसा लगता है कि कुछ
सफाई करने की वे तैयारी
कर रहे हैं।





गुरु जो कर रहे हैं, वह तो अपमानजनक कार्य है। यह तो एक दास का काम है।

जब यीशु उनके पांव धो चुके तो उन्होंने कहा...



यहून्ना 13:2-11, 21-30

और जब शैतान शमौन के पुत्र यहूदा इस्करियोती के मन में यह बात डाल चुका था, कि उसे पकड़वाए, तो भोजन के समय। यीशु ने यह जानकर कि पिता ने सब कुछ मेरे हाथ में कर दिया है और मैं परमेश्वर के पास से आया हूँ, और परमेश्वर के पास जाता हूँ। भोजन पर से उठकर अपने कपड़े उतार दिए, और अंगोछा लेकर अपनी कमर बान्धी। तब बरतन में पानी भरकर चेलों के पांव धोने और जिस अंगोछे से उस की कमर बन्धी थी उसी से पोंछने लगा। जब वह शमौन पतरस के पास आया: तब उस ने उस से कहा, हे प्रभु, क्या तू मेरे पांव धोता है? यीशु ने उस को उत्तर

दिया, कि जो मैं करता हूँ, तू अब नहीं जानता परन्तु इस के बाद समझेगा। पतरस ने उस से कहा, तू मेरे पांव कभी न धोने पाएगा: यह सुनकर यीशु ने उस से कहा, यदि मैं तुझे न धोऊँ, तो मेरे साथ तेरा कुछ भी साझा नहीं। शमौन पतरस ने उस से कहा, हे प्रभु, तो मेरे पांव ही नहीं, बरन हाथ और सिर भी धो दे। यीशु ने उस से कहा, जो नहा

महान निर्गमन से पूर्व उनके पूर्वजों ने मिस्र में जिस उत्पीड़न का सामना किया उसे स्मरण करने के लिए भोजन के आरम्भ में यीशु और उनके शिष्यों ने कद्दुआ साग पात खाया।



मेरे मित्रों, तुम्हें बताने के लिए मेरे पास एक दुःख का विषय है, तुम में से एक जन मेरे विश्वासपात करने जा रहा है।

हाँ, मेरे कहने को जर्ब बही है। तुम में से एक जन जो मेरे साथ मेज पर भोजन कर रहा है..

क्या कहा आप ने? क्या यह सम्भव है? यह तो भयानक बात होगी।

हम में से वैसा कौन कर सकता है?

मैं सोचता हूँ, कहीं आपका तत्पर्य मुझ से तो नहीं?

..या मैं ?



शिमीन पतरस ने यूहन्ना की ओर संकेत करके कहा: गुरु से पूछ वह किसके विषय कह रहे हैं...हम प्रयास करके इसे रोक सकते हैं।

नुका है उसे पांव के सिवा और कुछ धोने का प्रयोजन नहीं, परन्तु वह बिलकुल शुद्ध है, और तुम शुद्ध हो; परन्तु सब के सब नहीं। वह तो अपने पकड़वानेवाले को जानता था इसी लिये उस ने कहा, तुम सब के सब शुद्ध नहीं। ये बातें कहकर यीशु आत्मा में व्याकुल हुआ और यह गवाही दी, कि मैं तुम से सब सच कहता हूँ, कि तुम में से एक मुझे पकड़वाएगा। चले यह संदेह करते हुए कि वह किस के विषय में कहता है, एक दूसरे की ओर देखने लगे। उसके चेहों में से एक जिस से यीशु प्रेम रखता था, यीशु की छाती की ओर झुका



यीशु जी, मुझे बताएं वह व्यक्ति कौन है ?

जिसे मैं रोटी का टुकड़ा डुबोकर दूंगा...



वही मुझे पकड़वाएगा।



जो कुछ नू करने जा रहा है, उसे शीघ्र कर!



क्या तुम ने वह देखा? कितना बड़ा सम्मान!

हाँ यहूदा के लिए वह एक सम्मान का चन्ह है, ठीक है न?



रोटी का टुकड़ा लेने के बाद यहूदा उठ कर चला गया....

...और यह रात्रि का समय था...



यहूदा कहीं जा रहा है ?

मुझे मालूम नहीं। हो सकता है कि यीशु ने उसे कुछ मोल लेने के लिए कहा हो...

...या गरीबों को कुछ देने के लिए जैसा कि हम फसल के पर्व के समय सदा करते हैं।

हुआ बैठा था। तब शमोन पतरस ने उस की ओर लैन करके पूछ, कि बता तो, वह किस के विषय में कहता है? तब उस ने उसी तरह यीशु की छली की ओर झुक कर पूछ, हे प्रभु, वह कौन है? यीशु ने उत्तर दिया, जिसे मैं यह रोटी का टुकड़ा डुबोकर दूंगा, वही है। और उस ने टुकड़ा डुबोकर शमोन के पुत्र यहूदा इस्करियोती को दिया। और टुकड़ा लेते ही शैतान उस में समा गया: तब यीशु ने उस से कहा, जो

तू करता है, तुरन्त कर। परन्तु बैठेवालों में से किसी ने न जाना कि उस ने यह बात उस से किस लिए कही। यहूदा के पास बैली रहती थी, इसलिए किसी किसी ने समझा, कि यीशु उस से कहता है, कि जो कुछ हमें पर्व के लिए चाहिए वह मोल ले, या यह कि कंगालों को कुछ दे। तब वह टुकड़ा लेकर तुरन्त बहर चला गया, और रात्रि का समय था।

यहूदा के चले जाने के बाद यीशु ने भोजन आरम्भ करने के लिए संकेत दिया। वह आशिष मांगते हैं....



हे हमारे परमेश्वर, इस भोजन को प्रदान करने के लिए आपकी प्रशंसा हो।

वह रोटी तोड़ कर शिष्यों को देते हैं...



...परन्तु यह कहते हैं....



...लो और इसे खाओ, यह मेरी देह है, जो तुम्हारे लिए तोड़ी गई है।



लूका 22:19-20

फिर उस ने रोटी ली, और धन्यवाद करके तोड़ी, और उन को यह कहते हुए दी, कि यह मेरी देह है, जो तुम्हारे लिये दी जाती है: मेरे स्मरण के लिये यही किया करो। इसी रीति

से उस ने बिचारी के बाद कटोरा भी यह कहते हुए दिया, कि यह कटोरा मेरे उस लोहू में जो तुम्हारे लिये बहाया जाता है बर्झ वाचा है।

येटी खाने के बाद, यीशु प्याला लेकर
घन्यवाद देते हैं...



तब यीशु और उनके शिष्यों ने भोजन समाप्त
किया और फसह के पर्व के गीतों को गाया।



...परन्तु वह आगे कहते हैं...



उसके बाद वे यरुशलेम से चल दिये....



यीशु और उसके शिष्य किद्रोन की घाटी में गये...



किद्रोन की नदी को पार करने के बाद वे जैतून पहाड़ पर चढ़ने लगे।

मेरे मित्रों, मैं तुम्हें सचेत कर देता हूँ: आज ही की रात तुम सभी मेरे कारण लज्जित होगे और तुम सभी मुझे छोड़ जाओगे...



अन्य लोग लज्जित हो सकते हैं, पर मैं नहीं। यद्यपि मुझे मरना भी पड़े तथापि मैं आपका झुंकार कभी नहीं करूँगा।



हे पतरस... आज ही की रात्रि को मुझे के दो बार बांग देने से पहले, तू तीन बार मेरा झुंकार करेगा।



वे गतसमने नामक एक बाग में गए...

यहाँ बैठ जाओ... पतरस, याकूब और यहून्ना के साथ मैं कुछ आगे जाऊँगा।



मत्कस 14:26-72

फिर वे भजन गाकर बाहर जैतून के पहाड़ पर गए। तब यीशु ने उन से कहा; तुम सब लेकर आओ, क्योंकि लीखा है, कि मैं रझवाले को मारूँगा, और भेड़ तितर-बितर हो जाएंगी। परन्तु मैं अपने जी उठने के बाद तुम से पहिले गलील को जाऊँगा। पतरस ने उस से कहा, यदि सब लेकर आएँ तो आएँ, पर मैं लेकर नहीं आऊँगा। यीशु ने उस से कहा, मैं तुझ से सच कहता हूँ, कि आज ही इसी रात को मुझे के दो बार बांग देने से पहिले, तू तीन बार मुझ से मुकर जाएगा। पर उस ने और भी जोर देकर कहा, यदि मुझे तेरे साथ मरना भी पड़े तौभी तेरा झुंकार कभी न करूँगा: इसी प्रकार और सब ने भी कहा। फिर वे गतसमने नाम

एक जगह में आए, और उस ने अपने वेलों से कहा, यहाँ बैठे रहो, जब तक मैं प्रार्थना करूँ। और वह पतरस और

यीशु अपने साथ तीन शिष्यों को ले गये...



प्रिय मित्रो, मृत्यु तक पहुंचने की पीड़ा से मैं अत्यन्त व्याकुल हूँ



सावधान रहो, और मेरे साथ जागते रहो। मैं वहाँ जाकर प्रार्थना करूँगा...



सान्त्वना पाने के लिए यीशु अपने शिष्यों के पास वापस आते हैं, परन्तु...



हे अब्बा, हे पिता! आपके लिए सब कुछ संभव है। मुझे पर आनेवाली भयानक घटनाओं से मुझे बचा ले...

...तथापि मेरी इच्छा नहीं परन्तु आपकी इच्छा पूरी हो।



...हे शिमौन, क्या तू सो रहा है? क्या तू एक घड़ी भी न जाग सका?

याकूब और यूहन्ना को अपने साथ ले गया: और बहुत ही अधीर, और व्याकुल होने लगा। और उन से कहा; मेरा मन बहुत उदास है, यहां तक कि मैं मरने पर हूँ; तुम यहां ठहरो, और जागते रहो। और वह थोड़ा आगे बढ़ा, और भूमि पर गिरकर प्रार्थना करने लगा, कि यदि हो सके तो यह घड़ी मुझ पर से टल जाए। और कहा, हे अब्बा, हे पिता, तुझ से सब कुछ हो सकता है; इस कटोरे को मेरे पास से हटा ले: तौभी जैसा मैं चाहता हूँ वैसा नहीं, पर जो तू चाहता है वही हो। फिर वह आया, और उन्हें, सोते पाकर पतरस से कहा; हे शमौन तू सो रहा है? क्या तू एक घड़ी भी न जाग सका? जागते और प्रार्थना करते रहो कि तुम परीक्षा में न पड़ो: आत्मा तो तैयार है, पर शरीर दुर्बल है। और वह फिर चला गया, और वही बात कहकर प्रार्थना की। और फिर आकर उन्हें सोते पाया, क्योंकि



अब विशेष बात यह है कि जागते और प्रार्थना करते रहो कि तुम परीक्षा में न पड़ो...



...तुम को मालूम हो, कि आत्मा तो तैयार है पर शरीर दुर्बल है।

इसी बीच...बाग में प्रवेश करने के द्वार पर...



...हे बहूदा, दुर्कों के नीचे तो बहुत ही अन्धकार है। वह वीथु देखने में कैसा है? हम किसे मिरकार करेंगे?



जिस मनुष्य का मैं चुम्बन करूँ वही तुम्हारा अपराधी होगा।



मेरी घड़ी आ पहुँची है। देखो, मैं पापियों के हाथ पकड़वाया जा रहा हूँ। आओ हम चलें। मेरा विश्वासघाती आ रहा है।

हे प्रभु, नमस्कार!

उन की आंखों नींद से भरी थीं, और नहीं जानते थे कि उसे क्या उतर दें। फिर तीसरी बार आकर उन से कहा, अब सोते रहो और विश्राम करो, बस, घड़ी आ पहुँची, देखो मनुष्य का पुत्र पापियों के हाथ पकड़वाया जाता है। उठो, चलें: देखो, मेरा पकड़वानेवाला निकट आ पहुँचा है। वह यह कह ही रहा था, कि यहूदा जो बाइबल में से था, अपने साथ महायाजकों और शास्त्रियों और पुरनियों की ओर से एक बड़ी भीड़ तलवारों और लाठियों लिए हुए तुरन्त आ पहुँची। और उसके पकड़वानेवाले ने उन्हें यह पता दिया था, कि जिस को मैं चूसूँ वही है, उसे पकड़कर यतन से ले जाना। और वह आया, और तुरन्त उसके पास जाकर कहा; हे रक्वी और उस को बहुत चूमा। तब उन्होंने उस पर हाथ डालकर उसे पकड़ लिया। उन में से जो पास सड़े थे, एक ने तलवार खींच कर महायाजक के दास पर चलाई,



प्रथम आकस्मिक आक्रमण के बाद, ही यीशु के शिष्य होश में आ गए...



इस बात को तू अपने सम्पूर्ण जीवन भर याद रखेगा।

आह!



ओह, रात के समय हमें गिरफ्तार करने के लिए तू गुप्त रीति से आया है! मैं तुझे सिखाऊंगा।



क्या मैं विद्रोह का नेतृत्व कर रहा हूँ, कि तुम तलवार और लाठियाँ लेकर मुझे पकड़ने के लिए आये हो?

मैं तो प्रतिदिन मंदिर में उपदेश देता था...तुम ने वहाँ मुझे नहीं पकड़ा... परन्तु यह तुम्हारा समय है...जब अन्धकार प्रबल है।



हे पतरस, अपनी तलवार ग्यान में रखा!

...क्योंकि जो तलवार चलाते हैं, वे तलवार से नाश होंगे।

यीशु ने स्वयं को उन्हें पकड़ने दे दिया... यह देखकर सभी शिष्य यीशु को छोड़कर भाग गये।



और उसका कान उड़ा दिया। यीशु ने उन से कहा, क्या तुम हाकू जानकर मेरे पकड़ने के लिये तलवारें और लाठियाँ लेकर निकले हो? मैं तो हर दिन मन्दिर में तुम्हारे साथ रहकर उपदेश दिया करता था, और तब तुम ने मुझे न पकड़ा; परन्तु यह इसलिए हुआ है कि पवित्र शास्त्र की बातें पूरी हों। इस पर सब बेले उसे छोड़कर भाग गए। और एक जवान अपनी नंगी देह पर धादर ओढ़े हुए उसके पीछे हो लिया; और लोगों ने उसे पकड़ा। पर वह धादर छोड़कर नंगा भाग गया। फिर वे यीशु को महायाजक के पास ले गए,



और सब महायाजक और पुरनिए और शास्त्री उसके वहाँ इकट्ठे हो गए। पतरस दूर ही दूर से उसके पीछे पीछे

सैनिकों का दल यीशु को जैतून पहाड़ पर से यरुशलम ले गया...



महायाजक के आंगन के भीतर तक गया, और प्यादों के साथ बैठ कर आम तापने लगा। महायाजक और सारी

महासभा यीशु के मार डालने के लिये उसके विरोध में गवाही की खोज में थे, पर न मिली। क्योंकि बहुतेरे उसके विरोध में झूठी गवाही दे रहे थे, पर उन की गवाही एक सी



उस नवागत पर मेरा भरोसा नहीं...

...वह भी यीशु के साथ था... ?



तुम किसके विषय कह रही हो? क्या यीशु नासरी के विषय? मैं उसे नहीं जानता।



मैं तो यहाँ से होकर जा रहा था.. आज रात अधिक ठंड होने के कारण मैं आग तापने आ गया।

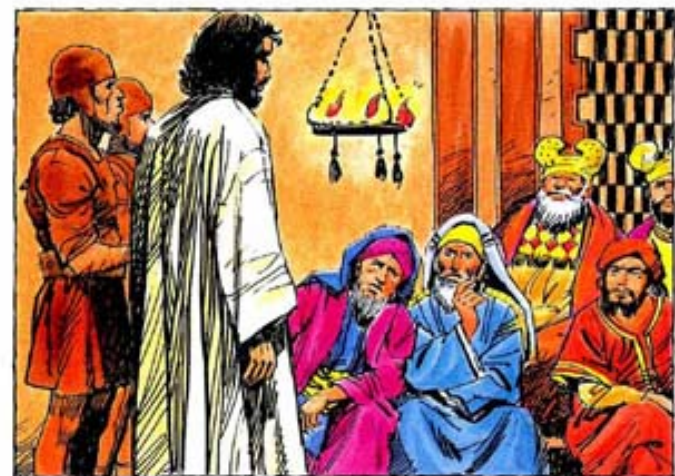
क्या सचमुच? पर तेरी बात संदेहजनक लगती है। तू उसके शिष्यों में से एक है।



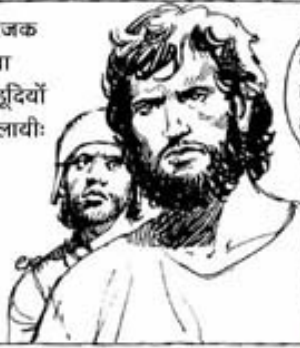
मेरी बात सुनो! मैं तुम से कह रहा हूँ...

...कि मैं इस मनुष्य को नहीं जानता!

इसी बीच, सरकारी निवास स्थान पर...



यीशु को महायाजक के पास ले जाया गया, जिसने यहूदियों की महासभा बुलायी: जिसमें याजक, प्राचीन और व्यवस्था के शुरु थे।...



मैं ने आप लोगों को यीशु नासरी के मामले की जांच पड़ताल के लिए बुलाया है, क्योंकि हमारे देश का सर्वोच्च अधिकार सतरे में है।

यीशु का सनसनीखेज प्रभाव जनसाधारण की व्यवस्था में बाधा पहुंचा रहा है, मंदिर और हमारे धर्म के विरुद्ध उसके क्रान्तिकारी बयान ने उसे गिरफ्तार करने के लिए मुझे विवश कर दिया...



...और हमारी अदालत के सामने उसे लाया गया है, ताकि हम अपनी व्यवस्था के अनुसार उसकी जांच करें। गवाहों को बुलाया जाए।



मैंने उसे यह कहते सुना है कि "तुम इस मंदिर को गिरा दो, और मैं इसे तीसरे दिन फिर सड़ा कर दूंगा।"

नहीं। उसने यह नहीं कहा। परन्तु यह कि "मनुष्य द्वारा बनाए गये इस मंदिर को मैं नाश कर दूंगा, और मैं दूसरा बनाऊंगा, जो मनुष्य द्वारा नहीं बनाया गया।"



विश्वास नहीं होता कि वह परमेश्वर और मंदिर की महिमा के विरुद्ध कुछ कहने का साहस करेगा।



मैं गवाही लिख रहा हूँ: गवाह एक दूसरे से सहमत नहीं। यीशु किसी भी बात का उत्तर नहीं देता...सभा में फूट पड़ गयी है और लोग उलझन में हैं।



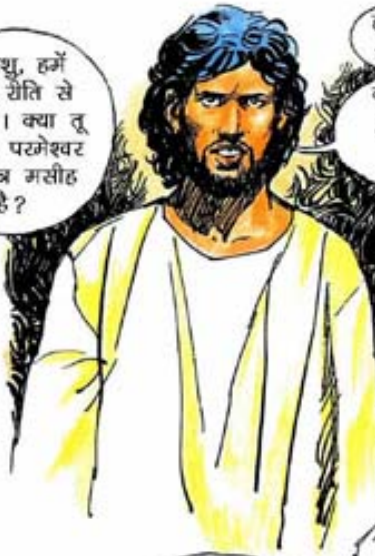
न थी। तब कितनों ने उठकर उस पर यह झूठी गवाही दी। कि हम ने इसे यह कहते सुना है कि मैं इस हाथ के बनाए हुए मन्दिर को ढा दूंगा, और तीन दिन में दूसरा बनाऊंगा, जो हाथ से न बना हो। इस पर भी उन की गवाही एक सी न निकली। तब महायाजक ने बीच में खड़े होकर यीशु से पूछा, कि तू कोई उत्तर नहीं देता? ये लोग तेरे विरोध में क्या गवाही देते हैं? परन्तु वह मौन साधे रहा, और कुछ उत्तर न दिया: महायाजक ने उस से फिर पूछा, क्या तू उस परम धन्य का पुत्र मसीह है? यीशु ने कहा, हां मैं हूँ: और तुम मनुष्य के पुत्र को सर्वशक्तिमान की दहिनी ओर बैठे, और आकाश के

वादर्लों के साथ आते देखोगे। तब महायाजक ने अपने वस्त्र फाड़कर कहा; अब हमें गवाहों का और क्या प्रयोजन



मंदिर के विषय इस वाद विवाद को हम समाप्त कर दें, क्योंकि अभिव्युक्त उत्तर ही नहीं देता...हम आने की कार्रवाई करें

हे यीशु, हमें स्पष्ट रीति से बता दे। क्या तू जीवित परमेश्वर का पुत्र मसीह है?



हां, मैं हूँ! तुम मनुष्य के पुत्र

को सर्वशक्तिमान परमेश्वर की दाहिनी ओर बैठे, और आकाश के बादलों के साथ आते हुए देखोगे।

उसने परमेश्वर की निन्दा की है! अब हमें गवाहों का क्या प्रयोजन? देखो, तुम सभी ने इस निन्दा को सुना है।



वह मृत्यु दण्ड पाने के योग्य है।



तुम लोग क्या सोचते हो?

यह यीशु, मनुष्य का पुत्र होने का दावा करता है, जिसके विषय दानियेल भविष्यवक्ता ने एक दर्शन में बताया। उस मनुष्य को परमेश्वर की उपस्थिति में ले जाया गया जिसे सम्पूर्ण देशों पर सामर्थ्य और अधिकार दिया गया।

परमेश्वर के विरुद्ध कैसा निन्दात्मक अहंकार!

मैं ने बयान लिखा है: इस निन्दा की बात को सुनकर सभी न्यायियों को बड़ा आघात पहुंचा है, और महायाजक ने अपने क्रोध को प्रगट करने के लिए अपने कपड़ों को फाड़ डाला।



है? तुम ने यह निन्दा सुनी: तुम्हारी क्या राय है? उन सब ने कहा, वह वध के योग्य है। तब कोई तो उस पर झुकने, और कोई उसका मुंह बंद करने और उसे धुंसे मारने, और उस से कहने लगे, कि भविष्यवाणी कर : और प्यादों ने उसे लेकर धूम्र माटे। जब पतरस नीचे आंगन में था, तो महायाजक की लौहियों में से एक वहां आई। और पतरस को आग तापते देखकर उस पर टकटकी लगाकर देखा और कहने लगी, तू भी तो उस नासरी यीशु के साथ था। वह



मुकदमा तय कर दिया गया है।
परन्तु प्रत्येक मृत्यु दण्ड के लिए...

...रोमी गवर्नर की मंजूरी अवश्य
प्राप्त करनी है।

हाँ, यह बात तो ठीक
है, केवल वही मृत्यु दण्ड दे
सकता है, और तब किसी को
फाँसी दी जा सकती है।

हम यीशु को पिलातस के
पास भेज दें, जो फसल के
पर्व का निरीक्षण करने के
लिए यरूशलेम में है।

कूक - झू - कू...

इसी बीच, आंगन में आग की
चाये ओट...



यदि तू भी इस
यीशु के साथ
वा तो मुझे
आश्चर्य न होगा।

हाँ, तू एक
गलीली है। तेरी
बोली तेरा भेद
प्रगट करती है।

पतरस उनके
सामने धिक्कारने
और शपथ खाने
लगा: मैं यीशु को
नहीं जानता।



परन्तु ...
ओह...



कूक - झू - कू...

कूक - झू - कू...

मुकट गया, और कहा, कि मैं तो नहीं जानता और नहीं
समझता कि तू क्या कह रही है: फिर वह बाहर डेवकी में
गया, और मुर्गे ने बांग दी। वह लौंडी उसे देखकर उन से
जो पास खड़े थे, फिर कहने लगी, यह उन में से एक है।
परन्तु वह फिर मुकट गया और थोड़ी देर बाद उन्होंने जो
पास खड़े थे फिर पतरस से कहा; निश्चय तू उन में से एक
है; क्योंकि तू गलीली भी है। तब वह धिक्कार देने और
शपथ खाने लगा, कि मैं उस मनुष्य को, जिस की तुम चर्चा
करते हो, नहीं जानता। तब तुरन्त दूसरी बार मुर्गे ने बांग
दी: पतरस को वह बात जो यीशु ने उस से कही थी स्मरण
आई, कि मुर्गे के दो बार बांग देने से पहिले तू तीन बार
मेरा इन्कार करेगा: वह इस बात को सोचकर रोने लगा।



अब मुझे यीशु की बात
याद आती है कि: "मुर्गे के दो
बार बांग देने से पहिले तू तीन
बार मेरा इन्कार करेगा" कि तू
मुझे नहीं जानता। ओह, मैं एक
डरपोक हूँ...अभाग, निकम्मा,
डरपोक।

यहूदा ने सुना कि यहूदियों की महासभा ने यीशु को अपराधी ठहरा दिया है।



वह पश्चात्ताप से भर गया और दौड़कर महासभा के पास गया कि चाँदी के उन तीस सिक्कों को लौटा दे...



मुख पर हाव! मैं ने पाप किया! मैं ने निर्दोष के लोह के साथ विश्वासघात किया है।

मैं तुम्हारा पैसा नहीं चाहता।



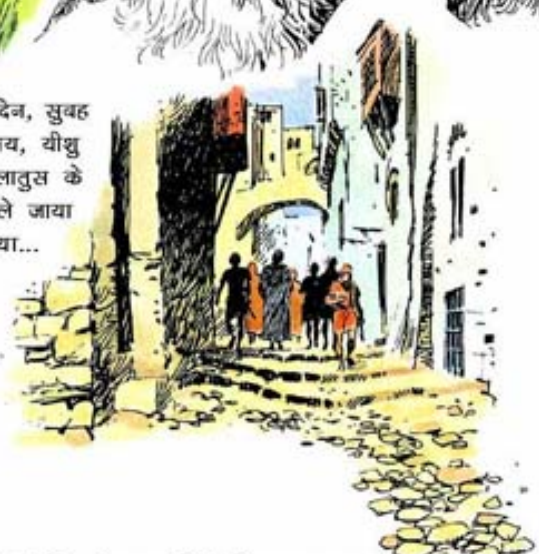
मैं ने एक निर्दोष मनुष्य के साथ विश्वासघात किया है।

वह तुम्हारा मामला है, हमारा नहीं।

घोर निराश होकर यहूदा चला जाता है और स्वयं को फाँसी लगा लेता है।



अगले दिन, सुबह के समय, यीशु को पिलातुस के पास ले जाया गया...



मत्ती 27:3-5

जब उसके पकड़वानेवाले यहूदा ने देखा कि वह दोषी ठहराया गया है तो वह पछताया और वे तीस चाँदी के सिक्के महायाजकों और पुर्तनियों के पास फेर लाया। और कहा, मैं

ने निर्दोष को घात के लिये पकड़वाकर पाप किया है। उन्होंने कहा, हमें क्या? तू ही जान। तब वह उन सिक्कों को मन्दिर में फेंककर चला गया, और जाकर अपने आप को फाँसी दी।

...यहूदियों की गहासभा के प्रतिनिधियों के द्वारा...



गवर्नर को जाकर यह बताओ कि इस झतलाक मनुष्य को हम उसकी अदालत को सौंपते हैं, जो स्वयं को मसीह और यहूदियों का राजा कहता है।

परन्तु हम राज भवन में प्रवेश नहीं कर सकते, क्योंकि वह एक अन्यजाति का निवास स्थान है। हम फसह का भोज खाने के योग्य नहीं रह जायेंगे।

वहाँ प्रतीक्षा करो। गवर्नर बालक नि में आया जहाँ से आंगन को ध्यान से देख जा सकता है।



...एक उपद्रवी मनुष्य को जो सार्वजनिक व्यवस्था में बाधा उत्पन्न करता है उसे सौंपने के लिए तुम्हारे उत्साह के लिए मैं तुम्हें बचाई देता हूँ।

हम इसे आपके पास लाए हैं, क्योंकि किसी को भी मृत्यु दण्ड देने का अधिकार हमें नहीं...

इस मनुष्य पर तुम क्या दोष लगाते हो?

हे गवर्नर पीलातुस, हमारी अदालत ने तो इसे मृत्यु दण्ड दिया है।

अपराधी को राज भवन में लाओ। मैं स्वयं उसकी सुनूंगा।

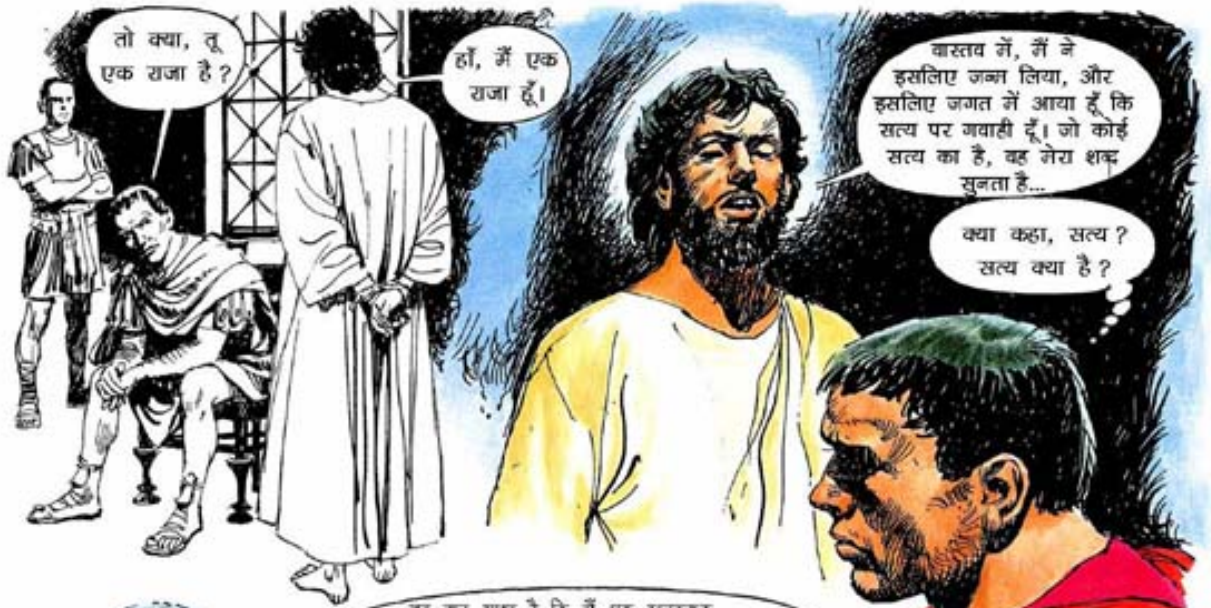


यहूदियों के राज मसीह के रूप में स्वयं को प्रदर्शित करने के लिए तुझे दोषी ठहराया गया है।

मेरा राज्य इस जगत का नहीं। यदि होता, तो यहूदियों के द्वारा मुझे पकड़ने से रोकने के लिए मेरे सेवक युद्ध करते।।

यूहन्ना 18:28-19:16

और ये यीशु को काइफा के पास से किले को ले गए और भोर का समय था, परन्तु ये आप किले के भीतर न गए ताकि अशुद्ध न हों परन्तु फसह खा सकें। तब पीलातुस उनके पास बाहर निकल आया और कहा, तुम इस मनुष्य पर किस बात की नालिश करते हो? उन्होंने उसको उत्तर दिया, कि यदि वह कुकर्मी न होता तो हम उसे तेरे हाथ न सौंपते। पीलातुस ने उन से कहा, तुम ही इसे ले जाकर अपनी व्यवस्था के अनुसार उसका न्याय करो: यहूदियों ने उस से कहा, हमें अधिकार नहीं कि किसी का प्राण लें। यह इसलिए हुआ, कि यीशु की वह बात पूरी हो जो उस ने यह पता देते हुए कही थी, कि उसका मरना कैसा होगा। तब पीलातुस फिर किले के भीतर गया और यीशु को बुलाकर, उस से पूछा, क्या तू यहूदियों को राजा है? यीशु ने उत्तर दिया, क्या तू यह बात अपनी ओर से कहता है या औरों ने मेरे विषय में तुझ से कही? पीलातुस ने उत्तर दिया, क्या मैं यहूदी हूँ? तेरी ही जाति और महायाजकों ने तुझे मेरे हाथ सौंपा, तूने क्या किया है? यीशु ने उत्तर दिया कि मेरा राज्य इस जगत का



तो क्या, तू एक राजा है ?

हाँ, मैं एक राजा हूँ।

वास्तव में, मैं ने इसलिए जन्म लिया, और इसलिए जगत में आया हूँ कि सत्य पर जवाही दूँ। जो कोई सत्य का है, वह मेरा शक्य सुनता है...

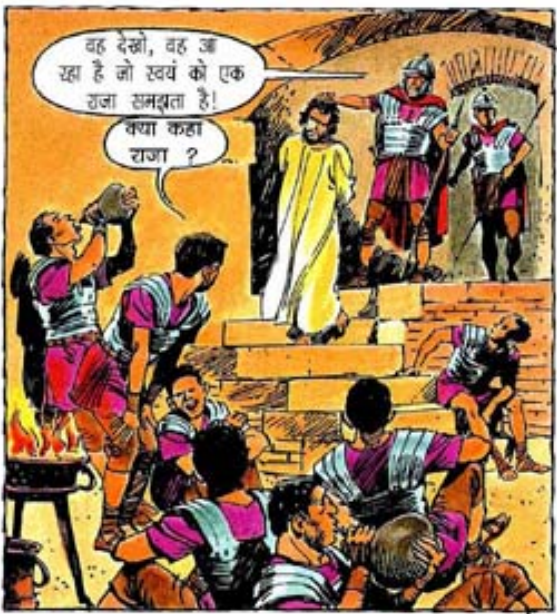
क्या कहा, सत्य ? सत्य क्या है ?



यह बात स्पष्ट है कि मैं एक अंतरात्मक उपद्रवी से बातचीत नहीं कर रहा हूँ, वरन् एक प्रकार का दार्शनिक...वा एक धर्मान्वित लगता है...परन्तु इस वीथु के विरुद्ध इन फरीसियों के अत्याचार का कोई गुप्त कारण अवश्य होगा... इस बात पर मैं अवश्य विचार करूँगा... क्योंकि मैं बालाकी में फँसना नहीं चाहता।



अभियुक्त को सन्तरियों के कमरे में ले जाओ।



वह देखो, वह आ रहा है जो स्वयं को एक राजा समझता है! क्या कहा राजा ?



महाराज, यहाँ आइये! हम मनोरंजन करना चाहते हैं...



नहीं, यदि मेरा राज्य इस जगत का होता, तो मेरे सेवक लड़ते कि मैं यहूदियों के हाव सौया न जाता: परन्तु अब मेरा राज्य यहां का नहीं। पीलातुस ने उस से कहा, तो क्या

तू राजा है? यीशु ने उत्तर दिया, कि तू कहता है, क्योंकि मैं राजा हूँ; मैं ने इसलिए जन्म लिया, और इसलिए जगत में आया हूँ कि सत्य पर गवाही दूँ जो कोई सत्य का है, वह मेरा शब्द सुनता है। पीलातुस ने उस से कहा, सत्य क्या है? और यह कहकर वह फिर यहूदियों के पास निकल गया और उन से कहा, मैं तो उस में कुछ दोष नहीं पाता। पर तुम्हारी यह रीति है कि मैं फसह में तुम्हारे लिए एक व्यक्ति को छोड़ दूँ सो क्या तुम चाहते हो, कि मैं तुम्हारे लिये यहूदियों के राजा को छोड़ दूँ? तब उन्होंने ने फिर विल्लाकर कहा, इसे नहीं परन्तु हमारे लिये बरअक्बा को छोड़ दे, और बरअक्बा डाकू था। इस पर पीलातुस ने यीशु को लेकर कोड़े लगवाए। और सिपाहियों ने कर्तों का मुकुट गूँथकर उसके सिर पर रखा, और उसे बैजनी वस्त्र पहिनाया। और उसके पास आ आकर कहने लगे, हे यहूदियों के राजा, प्रणाम! और उसे वृषपद भी मारे। तब पीलातुस ने फिर बाहर निकलकर लोगों से कहा, देखो, मैं उसे तुम्हारे पास फिर बाहर लाता हूँ; ताकि तुम







शान्त हो जाएं। मैं दो कैदियों को सामने लाऊंगा, तब आप उन्हें देखकर एक आसन्न चुनाव कर सकते हैं।



सन्तरियों! यीशु और बरअब्बा को यहाँ लाओ।



इस मनुष्य को देखो!

नहीं, यीशु को नहीं। परन्तु बरअब्बा।

बरअब्बा। हमें बरअब्बा चाहिये। उसे स्वतन्त्र कर दें।

क्रूस पर चढ़ाएं। यीशु को क्रूस पर चढ़ाएं। वह मृत्यु दण्ड पाने के योग्य है।

हाँ, बरअब्बा को छोड़ दें। आप देश के लिए एक महान कार्य करेंगे।

यीशु एक बहकानेवाला है। वह लोगों को घोखा देता है। वह मृत्यु दण्ड पाने के योग्य है।



बरअब्बा!!

बरअब्बा!!

क्या तुझे शर्म नहीं आती, कि यीशु नासरी को मृत्यु दण्ड दिया जाए?

एक भविष्यवक्ता जो रोमियों, अन्यो और अपाहिजों को चंगा करता...और निर्धन, शोषित और निरस्र लोगों को आशा देता ?



ओह, देखो कितनी भयानक बात है। उन्होंने यीशु को पीटा।

हन ने सोचा था, कि वह नसीब है, जिसकी हन प्रतीक्षा कर रहे थे।

यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिए तुम लोग मुझे पर दबाव देते हो। तुम ही उसे ले जाओ और स्वयं उसे क्रूस पर चढ़ाओ। जहां तक मेरा प्रश्न है, मैं उसे निर्दोष पाता हूँ।

प्राप्तदण्ड देने का अधिकार अब हमारे पास नहीं... परन्तु व्यवस्था के अनुसार उसे अवश्य नरना है, क्योंकि वह परमेश्वर का पुत्र होने का दावा करता है।



हे पीलातुस, आप सावधान हो जाएं, आप स्वयं को विपत्ति में डाल रहे हैं।



वह एक राजा होने का दावा करता है। इसलिए वह रोम के कैसर का विरोध करता है। यदि आप उसे छोड़ देंगे तो आप कैसर के मित्र नहीं रह जाएंगे।

कृपया, अपने पद को खतरे में न डालें। जो भी हो, वह तो एक यहूदी है, उससे आपका क्या संबंध ?



इस निर्दोष मनुष्य के बचाव में जेदे न हों। उसके लोगों के अगुआ किसी भी कर्मत पर उसकी मृत्यु चाहते हैं... यदि आप उसे छोड़ देंगे तो वे तिबेरियास के सम्राट के पास जाकर आपके विषय शिकायत कर देंगे...



जानो कि मैं कुछ भी दोष नहीं पाता। तब यीशु कांटों का मुकुट और बैजनी वस्त्र पहिने हुए बाहर निकला और पीलातुस ने उन से कहा, देखो, यह पुरुष। जब महायाजकों और प्यादों ने उसे देखा, तो विल्लाकर कहा, कि उसे क्रूस पर चढ़ा, क्रूस पर: पीलातुस ने उन से कहा तुम ही उसे लेकर क्रूस पर चढ़ाओ; क्योंकि मैं उस में दोष नहीं पाता। यहूदियों ने उस को उत्तर दिया, कि हमारी भी व्यवस्था है और उस व्यवस्था के अनुसार वह मारे जाने के योग्य है क्योंकि उस ने अपने आप को परमेश्वर का पुत्र बनाया। जब पीलातुस ने यह बात सुनी तो और भी डर गया। और फिर किले के भीतर गया और यीशु से कहा, तू कहां का है? परन्तु यीशु ने उसे कुछ भी उत्तर न दिया। पीलातुस ने उस से कहा, मुझे से क्यों नहीं बोलता? क्या तू नहीं जानता, कि तुझे छोड़ देने का अधिकार मुझे है और तुझे क्रूस पर चढ़ाने का भी मुझे अधिकार है। यीशु ने उत्तर दिया, कि यदि तुझे ऊपर से न दिया जाता, तो तेरा मुझ



हे यरुशलैम के नागरिको, क्या मैं आप के राजा को क्रूस पर चढ़ा दूँ ?

रोम के कैसर के अलावा हमारा कोई राजा नहीं।

पर कुछ अधिकार न होता इसलिए जिस ने मुझे तेरे हाथ पकड़वाया है, उसका पाप अधिक है। इस से पीलातुस ने उसे छोड़ देना चाहा, परन्तु यहूदियों ने विल्ला विल्लाकर कहा,



वह हमारा राजा क्यों होगा? क्या कांटों के इस मुकुट और इस हाथ्वास्पद वस्त्र को पहनकर?

क्या यह नसीब है? वह हमारा राजा...? उससे दूर रहो। उसे क्रूस पर चढ़ाओ।

उसे क्रूस पर चढ़ाओ

पीलातुस को कठोर कार्य करने से डरानेवाला तू कौन है?



यह तुम्हारी जिम्मेवारी है।

निष्कपट भाव से मैं अपना हाथ धोता हूँ।



मेरा फैसला यह है: हे बरअब्बा, यरुशलेम के नागरिकों के अनुरोध पर इस फसह के पर्व के अवसर पर तुझे स्वतन्त्र किया जाता है। और हे यीशु नासरी, तुझे क्रूस पर चढ़ाया जाएगा।



बरअब्बा दीर्घायु हो।

बरअब्बा दीर्घायु हो।



ओह! यीशु के बचाव के लिए यरुशलेम के भले लोग यहाँ नहीं थे...केवल बरअब्बा के ये निकम्मे समर्थक।

यदि तू इस को छोड़ देगा तो तेरी भक्ति कैसर की ओर नहीं, जो कोई अपने आप को राजा बनाता है वह कैसर का सामना करता है। ये बातें सुनकर पीलातुस यीशु को बाहर लाया और उस जगह एक चबूतरा था जो इब्रानी में ग़ुबता कहलाता है, और न्याय-आसन पर बैठा। यह फसह की तैयारी का दिन था और छठे घंटे के लगभग था: तब उस ने यहूदियों से कहा, देखो, यही है, तुम्हारा राजा! परन्तु वे विल्लाए, कि ले जा! ले जा! उसे क्रूस पर चढ़ा: पीलातुस ने उन से कहा, क्या मैं तुम्हारे राजा को क्रूस पर चढ़ाऊँ? महायाजकों ने उत्तर दिया, कि कैसर को छोड़ हमारा और कोई राजा नहीं। तब उस ने उसे उन के हाथ सौंप दिया ताकि वह क्रूस पर चढ़ाया जाए।



चिन्ता न करें। हम उसे देख लेंगे।

आज के दिन तीन व्यक्तियों को प्राणदण्ड दिया जाएगा...और रीति के अनुसार प्रत्येक दण्डित को कोड़ा लगाना जरूरी है।

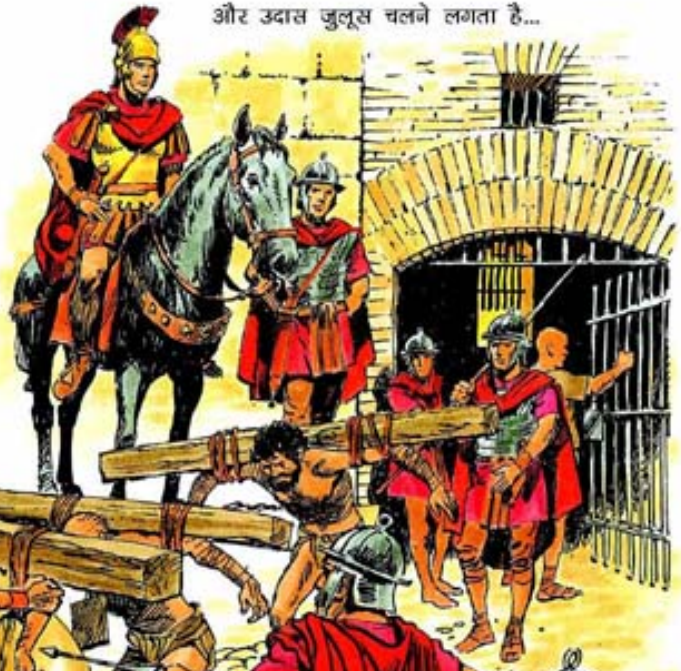


अब यीशु को अपने गले में एक नोटिस के साथ जिस पर दण्ड की घोषणा है अपने क्रूस का भार स्वयं उठाना है।





और उदास जुलूस चलने लगता है...



जगह दो। हमें जाने दो।

यह मनुष्य कौन है ?

वह तो विख्यात भविष्यवक्ता...यीशु नासरी के जैसा दिखाई देता है।



यहाँ हम एक ऐसे मनुष्य को देखते हैं, जिसने केवल भलाई ही की: उसने रोगियों को चंगा किया और निर्धन और उदास लोगों का बचाव किया। ओह, कैसा भवानक अन्वाच।
उस पर धिक्कार है। शत्रुता के कारण उन्होंने यीशु को रोने लोगों के हावी में सौंप दिया।

फरीसी लोग उससे शत्रुता रखते थे, क्योंकि उसने सत्य कहा और उनके धर्म को प्रणत किया।

कोई गिर गया है।



अपना क्रूस उताने के लिए वह अत्यन्त ही दुर्बल है: क्योंकि कोई खाने से उसका बहुत लोहा बह गया।



ऐ, तुम सुनो। मैं तुम्हें आदेश देता हूँ कि इस दण्डित मनुष्य के क्रूस को गुलगुता तक ले जाओ। तुम्हें यह आदेश दिया जाता है। आज्ञा का पालन करो।



क्या मैं? परन्तु मैं तो यरुशलम का निवासी नहीं। मैं तो एक भला कुरेनी मनुष्य हूँ।

बुद्धि से काम लो और विरोध न करो नहीं तो तुम मुसीबत में पड़ जाओगे। रोमी लोग बड़े कठोर होते हैं, और इसके अलावा यहाँ से गुलगुता अधिक दूर भी नहीं।



आप के लिए मैं इसे उपकरण। आप खड़े हो जाएँ।

उनकी सहायता करो। वह निर्दोष है। वह महान भविष्यवक्ता यीशु नासरी है।





हे यरुशलेम की पुत्रियों, तुम मेरे लिए क्यों रोती हो? परन्तु अपने और अपने बच्चों के लिए रोओ...

...अब से वह दिन दूर नहीं जब यरुशलेम पर भयानक दण्ड प्रगट होगा।



देखो, प्राणदण्ड देने का स्थान बह है, वह गुलगता या "सोपड़ी" का स्थान कहलाता है।

सबमुच में दूर से वह चहान सोपड़ी के जैसा ही दिखाई देता है।

बहुत अक्षर स्थान चुना गया। जो कोई यरुशलेम आता है, उसे इस बात का पता लग जाता है, कि रोमी लोगों का विरोध करने का परिणाम कैसा होता है।

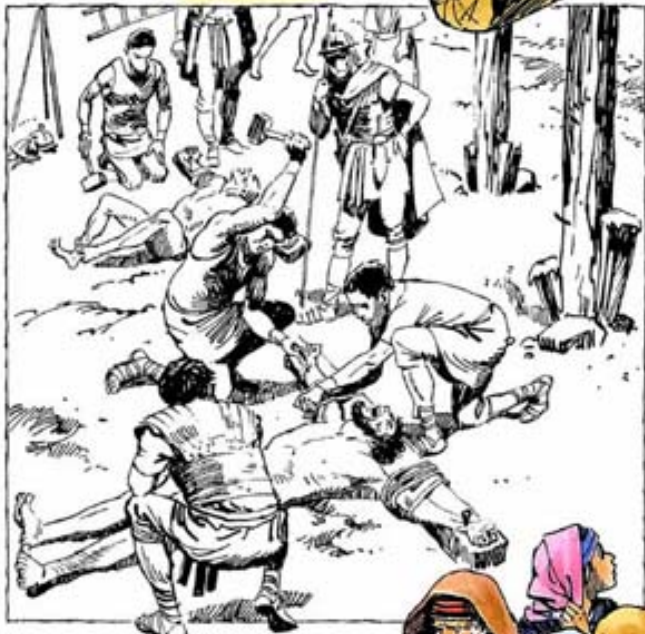


लूका 23:25-56

और उस ने उस मनुष्य को जो बलवे और हत्या के कारण बन्दीगृह में डाला गया था, और जिसे वे मांगते थे, छोड़ दिया; और यीशु को उन की इच्छा के अनुसार लौप दिया। जब वे उसे लिए जाते थे, तो उन्होंने वे शमीन नाम एक कुटेनी को जो गांव से आ रहा था, पकड़कर उस पर क्रूस को लाद दिया कि उसे यीशु के पीछे पीछे ले चले। और लोगों को बड़ी भीड़ उसके पीछे हो ली: और बहुत सी स्त्रियां भी, जो उसके लिये छली-पीटली और विलाप करती थीं। यीशु ने उन की ओर फिरकर कहा, हे यरुशलेम की पुत्रियों, मेरे लिये मत रोओ, परन्तु अपने और अपने बालकों के लिये रोओ। क्योंकि देखो, वे दिन आते हैं, जिन में कहेंगे घन्य हैं वे जो बांझ हैं, और वे गर्भ जो न जने

जब वे गुलगुता पहुंचे, तो वे बड़ी निर्दयता से यीशु के कपड़े उतारने लगे।

इन कपड़ों को यहाँ जमा कर दो। बाद में हम उन्हें बाँट लेंगे।





और वे स्तन जिन्होंने दूध न पिलाया। उस समय वे पहाड़ों से कहने लगे, कि हम पर गिरे, और टीलों से कि हमें बाँप लो। क्योंकि जब वे हरे पेड़ के साथ ऐसा करते हैं, तो सूखे के साथ क्या कुछ न किया जाएगा? वे और दो मनुष्यों को भी जो कुकर्मों के उसके साथ घात करने को ले बले। जब वे उस जगह जिले खोपड़ी कहते हैं पहुंचे, तो उन्होंने वहाँ उसे और उन कुकर्मियों को भी एक को दहिनी और दूसरे को बाईं ओर क्रूसों पर बझाया। तब यीशु ने कहा, हे पिता, इन्हें क्षमा कर, क्योंकि ये जानते नहीं कि क्या कर रहे हैं? और उन्होंने ने चिह्नियां डालकर उसके कपड़े बाँट लिए। लोग खड़े खड़े देख रहे थे, और सख्दार भी लड्ड कर करके कहते थे, कि इस ने औरों को बचाया यदि यह परमेश्वर का



क्या तू मसीह नहीं? क्या तू उद्धारकर्ता नहीं? स्वयं को और हमें भी बचा।



बुप हो जा। क्या तू परमेश्वर से भी नहीं डरता? हमें तो न्यायपूर्वक क्रूस पर बंधवा गया है, जैसा कि हमारा अपराध था... परन्तु यह तो किरींष है। इन्होंने तो कोई अपराध नहीं किया।



हे यीशु, जब आप अपने राज्य में आएँ तो मुझे स्मरण रखें।

मैं तुझ से सच कहता हूँ, कि आज ही तू मेरे साथ फिरदौस में होगा।



हे पिता, मैं अपनी आत्मा तेरे हाथों में सौंपता हूँ।

उन बादलों को तो देखो! यह अंधेरा होता जा रहा है, और अभी तो केवल दोपहर के तीन बजे हैं।

अरे हमारे साथ यह क्या हो रहा है?

मसीह है, और उसका जुजा हुआ है, तो अपने आप को बचा ले। सिपाही भी पास आकर और सिरका देकर उसका क्हा करके कहते थे। यदि तू यहूदियों का राजा है, तो अपने आप को बचा। और उसके ऊपर एक पत्र भी लगा था, कि यह यहूदियों का राजा है। जो कुकर्मी लटकाए गए थे, उन में से एक ने उस की निन्दा करके कहा; क्या तू मसीह नहीं? तो फिर अपने आप को और हमें बचा। इस पर दूसरे ने उसे डाँटकर कहा, क्या तू परमेश्वर से भी नहीं डरता? तू भी तो यही दण्ड पा रहा है। और हम तो न्यायानुसार दण्ड पा रहे हैं, क्योंकि हम अपने कामों का ठीक फल पा रहे हैं,

पर इस ने कोई अनुचित काम नहीं किया। तब उस ने कहा; हे यीशु, जब तू अपने राज्य में आए, तो मेरी सुधि लेना। उस ने उस से कहा, मैं तुझ से सच कहता हूँ, कि आज ही तू मेरे साथ स्वर्गलोक में होगा। और लगभग दोपहर से



तीसरे पहर तक सारे देश में अन्धियारा छाया रहा। और सूर्य का उजियाला जाता रहा, और मन्दिर का परदा बीच से फट गया। और यीशु ने बड़े शब्द से पुकार कर कहा, हे पिता, मैं अपनी आत्मा तेरे हाथों में सौंपता हूँ; और यह कहकर प्राण छोड़ दिए। सूनेदार ने, जो कुछ हुआ था देखकर, परमेश्वर की बड़ाई की, और कहा, निश्चय यह मनुष्य धर्मी था। और भीड़ जो यह देखने को इकट्ठी हुई थी, इस घटना को देखकर छाती-पीटती हुई लौट गई। और उसके सब जान पहचान, और जो स्त्रियाँ गलील से उसके साथ आई थीं, दूर खड़ी हुई यह सब देख रही थीं। और देखो बूसुफ नाम एक मन्त्री जो सज्जन और धर्मी पुरुष था। और उनके विचार और उन के इस काम से प्रसन्न न था; और वह यहूदियों के नगर अरिमतीया का रहनेवाला और परमेश्वर के राज्य की बात जोहनेवाला था। उस ने पीलातुस के पास जाकर यीशु की लोथ मांग ली। और उसे उतारकर बादर में लपेटा, और एक कब्र में रखा, जो चहान में खोदी हुई थी; और उस में कोई कभी न रखा गया था। वह तैयारी का दिन था, और सप्तक का दिन आरम्भ होने पर था। और उन स्त्रियों ने जो





आश्चर्य होने के लिए हम उसकी पसली में भाला भोंक दें।

वह तो पहिले ही मर चुका है।

नीकुदेमुस, जल्दी कर। शीघ्र ही रात हो जाएगी।



उसके हृदय से पानी और लोहू की धार बहने लगी।

इसी बीच...



अरिमतियाह का यूसुफ, मैं बच गया हूँ...



एक अपराधी की नाई यीशु मरा... और मैं विश्वास करता हूँ कि वह वास्तव में मसीह था।

यीशु की लोच को ले जाने के लिए मैं ने पीलातुस से अनुमति ले ली है, ताकि मैं उसे गाड़ सकूँ।



मेरे पास एक बाग है, जिसमें एक नई कब्र है, जिसे कभी उपयोग नहीं किया गया, वह यहाँ से अधिक दूर भी नहीं... मैं ने यीशु की लोच को वहाँ गाड़ने का निश्चय किया है।

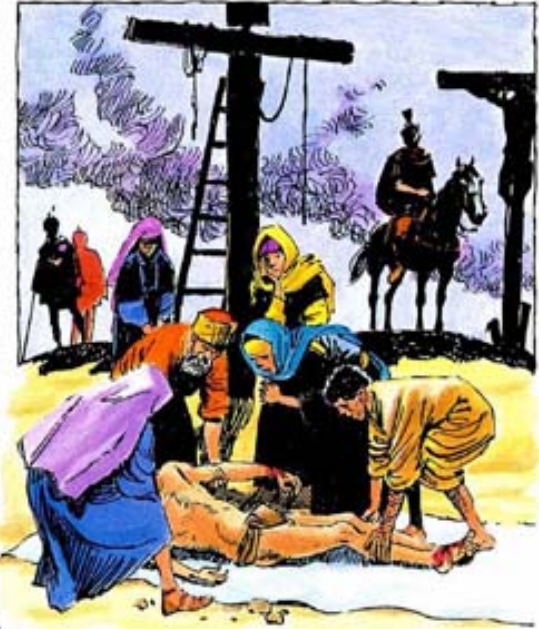


ज्यों ही मैं उसकी मृत्यु के विषय सुनी, मैं ने गन्बरस और एलवा का निश्रण तैयार कर लिया... और यूसुफ ने एक कफ़न और गलजल की एक चादर लाया है।



इससे पहिले की तुरही द्वारा सन्द और फसह की घोषणा की जाए हम जल्दी करें... उसके बाद हमें उसे गाड़ने नहीं दिया जाएगा।

उसके साथ गलील से आई थीं, पीछे पीछे जाकर उस कब्र को देखा, और यह भी कि उस की लोच किस रीति से रखी गई है। और लौटकर सुगन्धित वस्तुएं और इत्र तैयार किया: और सन्द के दिन तो उन्होंने ने आज्ञा के अनुसार निश्राम किया।



अन्त में कब्र के प्रवेश द्वार पर एक भारी पत्थर लुढ़काकर रखा दिया गया।



फसह के सप्त के बादवाले दिन, बड़े भोर को
स्त्रियां कब्र पर जा रही हैं...



सलाम, पिछले
सप्ताह हमारे पास
पर्याप्त सजय नहीं
था...

...कि यीशु की देह को उचित
रीति से तैयार करें।

...परन्तु हम अच्छे
सुगन्धित पदार्थों से
हम अपनी रीति से
तैयार करेंगे।



हे मगदलीनी, कब्र के प्रवेश
द्वार पर से पत्थर को कौन
लुढ़काएगा।

मुझे निश्चय नहीं,
परन्तु हम तीनों एक
साथ मिलकर...



अरे देखो, पत्थर तो
लुढ़का हुआ है। कब्र
खुली हुई है।

हम से पहले
यहाँ कौन आ
सक़ होगा?
सुर्योदय तो अभी
हुआ।



ओह, कितनी भयंकर और
हठवर्ती बात है। वे यीशु की
लेश को उख ले गवे।

वह यहाँ नहीं।
क्या हो गया?

अचानक, मुझे यह
बात याद आई। यीशु
ने कहा था कि वह
मुद्दों में से
जी उठेगा।



मसालों को हम यहीं
छेड़ दें... मैं दौड़ते हुए
जाकर उसके शिष्यों को
बताऊंगी।

मत्कस 16:1-7

जब सप्त का दिन बीत गया, तो मरियम मगदलीनी और
याकूब की माता मरियम और शलोमी ने सुगन्धित वस्तुएं
मोल लीं, कि आकर उस पर मलें। और सप्ताह के पहिले
दिन बड़ी भोर, जब सूरज निकला ही था, वे कब्र पर आईं।
और आपस में कहती थीं, कि हमारे लिये कब्र के द्वार पर
से पत्थर कौन लुढ़काएगा? जब उन्होंने ने आँख उखड़ी, तो
देखा कि पत्थर लुढ़का हुआ है! क्योंकि वह बहुत ही बड़ा
था। और कब्र के भीतर जाकर, उन्होंने एक जवान को श्वेत
वस्त्र पहिने हुए दहिनी ओर बैठे देखा, और बहुत धकित हुईं।
उस ने उन से कहा, धकित मत हो, तुम यीशु नासरी को,
जो क्रूस पर चढ़ाया गया था, ढूँढ़ती हो: वह जी उख है;
यहाँ नहीं है; देखो, यही वह स्थान है, जहाँ उन्होंने उसे रखा
था। परन्तु तुम जाओ, और उसके घेलों और पतरस से कहो,
कि वह तुम से पहले गलील को जाएगा; जैसा उस ने तुम
से कहा था, तुम यहीं उसे देखोगे।



यूहन्ना 20:1-16

सप्ताह के पहिले दिन मरियम मगदलीनी भोर को अंगेर रहते ही कब्र पर आई, और पत्थर को कब्र से हटा हुआ देखा। तब वह दौड़ी और शमौन पतरस और उस दूसरे चेले के पास जिस से यीशु प्रेम रखता था आकर कहा, ये प्रभु को कब्र में से निकाल ले गए हैं; और हम नहीं जानती, कि उसे कहाँ रख दिया है। तब पतरस और वह दूसरा चेला निकलकर कब्र की ओर चले। और दोनों साथ साथ दौड़ रहे थे, परन्तु दूसरा चेला पतरस से आगे बढ़कर कब्र पर पहिले पहुंचा। और झुककर कपड़े पड़े देखे : तौभी वह भीतर न गया। तब शमौन पतरस उसके पीछे पीछे पहुँचा और कब्र के भीतर गया और कपड़े पड़े देखे। और वह अंगोछ जो उसके सिर से बंधा हुआ था, कपड़ों के साथ पड़ा हुआ नहीं परन्तु अलग एक जगह लपेटा हुआ देखा। तब दूसरा चेला भी जो



मरियम और मगदलीनी कब्र पर वापस आती हैं...आश्चर्य कर रही हैं और रो रही हैं...



तुम क्यों रोती हो ?
क्या बात है ?



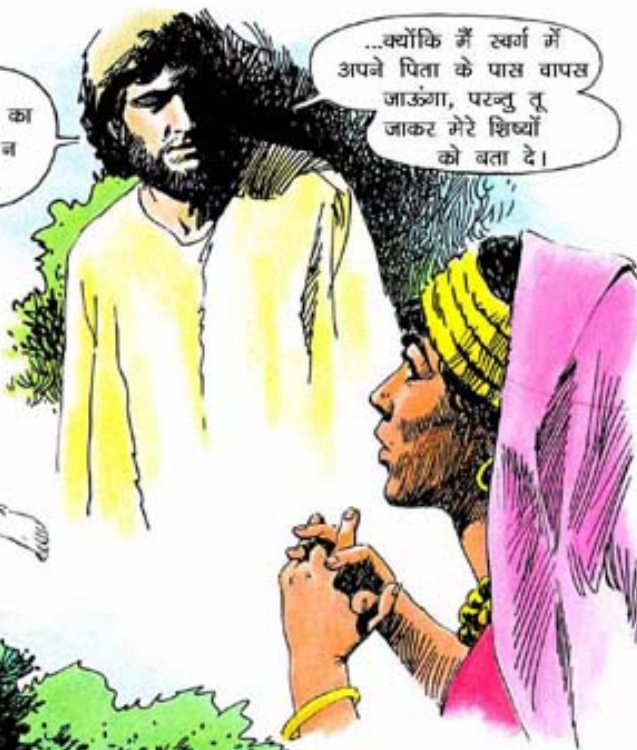
कब्र पर पहिले पहुँचा था, भीतर गया और देखकर विश्वास किया। वे तो अब तक पवित्र शास्त्र की वह बात न समझते थे, कि उसे मरे हुआँ में से जी उठना होगा। तब वे नेले अपने घर लौट गये। परन्तु मरियम रोती हुई कब्र के पास ही बाहर छड़ी रही और रोते रोते कब्र की ओर झुककर, दो स्वर्गदूतों को उज्ज्वल कपड़े पहिने हुए एक को सिरहाने और दूसरे को पैताने बैठे देखा, जहाँ यीशु की लोच पड़ी थी। उन्होंने उससे कहा, हे नारी, तू क्यों रोती है ? उस ने उन से कहा, वे मेरे प्रभु को उठ ले गए और मैं नहीं जानती की उसे कहाँ रखा है। यह कहकर वह पीछे फिरी और यीशु को छड़े देखा और न पहचाना कि यह यीशु है। यीशु ने उस से कहा, हे नारी, तू क्यों रोती है ? किस को दूँदती है ? उस ने माली समझकर उस से कहा, हे महाराज, यदि तू ने उसे उठ लिया है तो मुझ से कह कि उसे कहाँ रखा है और मैं उसे ले जाऊँगी। यीशु ने उस से कहा, मरियम ! उस ने पीछे फिरकर उस से इब्रानी में कहा, रबूनी अर्थात् हे गुरु !





मेरे प्रभु!

मुझे छूने का प्रयास न कर...



...क्योंकि मैं स्वर्ग में अपने पिता के पास वापस जाऊंगा, परन्तु तू जाकर मेरे शिष्यों को बता दे।



मित्रो, मैं ने प्रभु यीशु को देखा है। वह जीवित है। वह जी उठे हैं। उन्होंने मुझ से जो कहा वह सुनो।



मरियम, तू भावनाओं में बही जा रही है।

समझदार और विवेकी बन। यह असम्भव है।

भ्रान्ति है। यह सब स्त्रियों की मनघड़ंत बात हैं।

उसी दिन संध्या के समय, दो चले यरुशलेम से इम्माऊस को जा रहे थे...



कैसी निराशा! मैं ने यीशु पर विश्वास किया और सोचा कि वह मसीह होगा जिस के लिए जगत प्रतीक्षा कर रहा था।

परन्तु इसके बदले उसे मृत्यु दण्ड दे दिया गया और एक अपराधी के जैसा उसे क्रूस पर बंधा दिया गया।

हाँ कितना दुःख, कैसी निराशाजनक बात है। मैं भी तुम्हारे जैसा ही उलझन में हूँ...

मित्रो, तुम्हें शांति मिले। तुम लोग आस दिखाई देते हो...तुम लोग क्या बातचीत कर रहे हो?

इस विषय में कुछ बताओ, ये सकता है, कि मैं तुम्हारी सहायता करूँ।



क्या आप उस घटना के विषय में नहीं जानते, जो इन दिनों में यरुशलेम को छेला दिया? क्या यीशु नासरी के विषय आप ने कुछ भी नहीं सुना?



हम ने आशा की थी कि यह वही व्यक्ति है जो इस्राएल को छुटकारा देगा...

...हाँ, क्योंकि वह मसीह था। परन्तु सारी आशा समाप्त हो गई। आज यह...

....तीसरा दिन है जब ये बातें हुईं, वह मर गया।

कुछ छिन्नवों ने हमें आश्चर्य में डाल दिया है...

...आज बड़े भोर के समय वे क्रूस पर गई थीं...





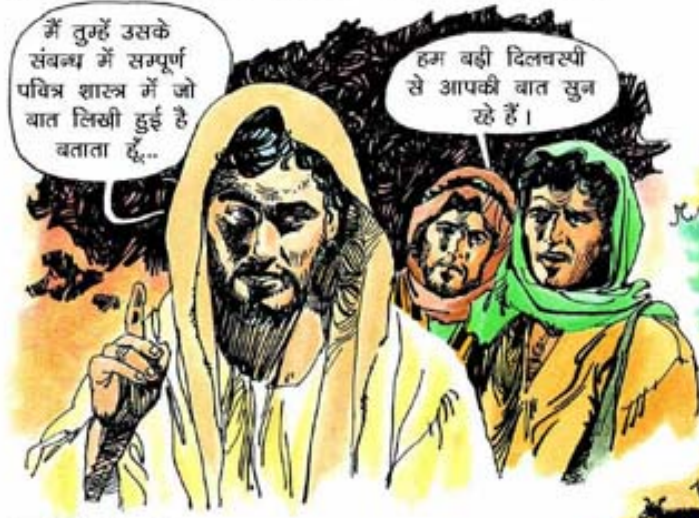
...परन्तु उसकी देह वहाँ नहीं मिली...उन्होंने हमें बताया कि उन्होंने एक स्वर्गदूत को देखा जिस ने यह कहा कि "यीशु जीवित है।"

अरे, वह तो स्त्रियों की गप है। हमारे कुछ मित्र कन्न पर गये और जैसा स्त्रियों ने कहा था वैसी ही उसे खाली पाया, परन्तु उन्होंने ने यीशु को नहीं पाया इसलिए कोई भी बात हमारी समझ में नहीं आती।

तुम कितने मूर्ख हो और भविष्यवक्ताओं की सब बातों पर विश्वास करने में कितने मन्दमति हो।



एक घन्टे के बाद...



मैं तुम्हें उसके संबन्ध में सम्पूर्ण पवित्र शास्त्र में जो बात लिखी हुई है बताता हूँ...

हम बड़ी दिलचस्पी से आपकी बात सुन रहे हैं।



लूका 24:13-47

देखो, उसी दिन उन में से दो जन इम्माऊस नाम एक गांव को जा रहे थे, जो यरूशलेम से कोई सात मील की दूरी पर था। और वे इन सब बातों पर जो हुई थीं, आपस में बातचीत करते जा रहे थे। और जब वे आपस में बातचीत और पूछताछ कर रहे थे, तो यीशु आप पास आकर उनके साथ हो लिया। परन्तु उनकी आँखें ऐसी बन्द कर दी गई थीं, कि उसे पहिचान न सके। उसने उनसे पूछा; ये क्या बातें हैं जो तुम चलते चलते आपस में करते हो ? वे उदास से खड़े रह गये। यह सुनकर, उनमें से क्लियुपास नाम एक व्यक्ति ने कहा; क्या तू यरूशलेम में अकेला परदेशी है, जो नहीं जानता, कि इन दिनों में उस में क्या क्या हुआ है ? उस ने उन से पूछा, कौन सी बातें ? उन्होंने उस से कहा; यीशु नासरी के विषय में जो परमेश्वर और सब लोगों के निकट काम और वचन में सामर्थी भविष्यवक्ता था। और महायाजकों और हमारे सरदारों ने उसे पकड़वा दिया, कि उस पर मृत्यु की आज्ञा दी जाए, और उसे क्रूस पर चढ़वाया। परन्तु हमें आशा थी, कि यही इस्राएल को छुटकारा देगा, और इन सब बातों के सिवाय इस घटना को हुए तीसरा दिन है। और हम में से कई स्त्रियों ने भी हमें आश्चर्य में डाल दिया है, जो भोर को कन्न पर गई थीं। और जब उसकी लोच न पाई, तो यह कहती हुई आई, कि हम ने स्वर्गदूतों का दर्शन पाया, जिन्होंने कहा कि वह जीवित है।



हम लोग इम्माऊस पहुँच गये हैं....हम आपको आंगत्रित करते हैं कि आज आप हमारे साथ रहें।

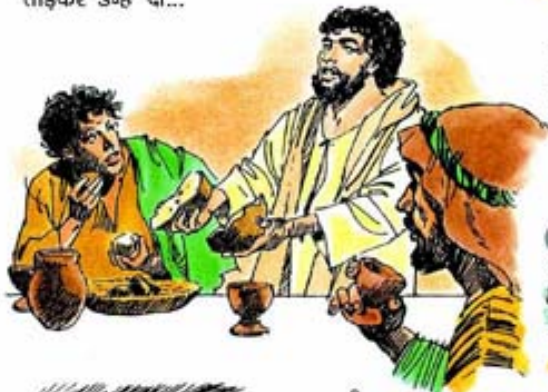
तब हमारे साथियों में से कई एक कन्न पर गए, और जैसा स्त्रियों ने कहा था, वैसा ही पाया; परन्तु उसको न देखा। तब उस ने उन से कहा; हे निरुद्धियों, और भविष्यवक्ताओं की



जब वे भोजन करने बैठे, यीशु ने रोटी लेकर परमेश्वर को धन्यवाद दिया, और उसे तोड़कर उन्हें दी...



...तब उनकी आँखें खुल गईं और उन्होंने उसे पहचान लिया।



परन्तु यीशु उनकी आँखों से ओझल हो गया।



सब बातों पर विश्वास करने में मन्दमतिचर्यो! क्या अवश्य न था, कि मसीह ये दुख उठकर अपनी महिमा में प्रवेश करे? तब उसने मूसा से और सब भविष्यद्वक्ताओं से आरम्भ करके सारे पवित्र शास्त्रों में से, अपने विषय में की बातों का अर्थ, उन्हें समझा दिया। इतने में वे उस गांव के पास पहुँचे, जहाँ वे जा रहे थे, और उसके बंग से ऐसा जान पड़ा कि वह आगे बढ़ना चाहता है। परन्तु उन्होंने ने यह कहकर उसे रोका, कि हमारे साथ रह; क्योंकि संध्या हो चली है और दिन अब बहुत बल गया है। तब वह उनके साथ रहने के लिये भीतर गया। जब वह उनके साथ भोजन करने बैठे, तो उसने रोटी लेकर धन्यवाद किया और उसे तोड़कर उनको देने लगा। तब उनकी आँखें खुल गईं, और उन्होंने उसे पहचान लिया, और वह उनकी आँखों से छिप गया। उन्होंने आपस में कहा; जब वह मार्ग में हम से बातें करता था और पवित्र शास्त्र का अर्थ हमें समझाता था, तो

क्या हमारे मन में उत्तेजना न उत्पन्न हुई? वे उसी ढ़ड़ी उठकर यरुशलेम को लौट गये, और उन ग्यारहों और उनके

जब उसने हमें, पवित्र शास्त्र समझाया...मेरा हृदय अन्दर ही अन्दर उत्तेजित हो रहा था!

मेरे अन्दर भी वैसा ही हो रहा था। पहिले तो मैं नहीं समझा.. परन्तु उसने सब बातें बिल्कुल ही स्पष्ट रीति से समझा दी।



मित्रो, सुनो एक विशेष समाचार।

पहले हमारे सुनो, यीशु जीवित है। वह जी उठे हैं! शिमोन पतरस को दिखाई दिये हैं।



हमारी सुनो: जब उन्होंने रोटी तोड़ी, तब हमने उन्हें पहचान लिया।

अचानक, यीशु उनके मध्य आकर खड़े हो जाते हैं....



मित्रो, तुम्हें शान्ति मिले।



यह मैं क्या देख रहा हूँ? क्या यह यीशु है वा क्या मैं एक आत्मा को देख रहा हूँ?

क्यों तुम इतने अविश्वासी हो? क्या आत्मा के मांस और हड्डियां होती हैं, जैसा मुझ में देखते हो?

यीशु जीवित है, कैसी सुशी की बात है! वह सचमुच में जीवित है।

तुम में से कुछ लोग अभी भी सन्देह कर रहे हैं...क्या तुम्हारे पास खाने के लिए कुछ है?

यहाँ भुनी हुई मछली का एक टुकड़ा है।

साथियों को इकट्ठे पाया। वे कहते थे, प्रभु सचमुच जी उठ रहे हैं, और शमोन को दिखाई दिया है। तब उन्होंने ने मार्ग की बातें उन्हें बता दीं, और यह भी कि उन्होंने उसे रोटी तोड़ते समय क्योंकर पहचाना। वे ये बातें कह ही रहे थे, कि वह आप ही उनके बीच में आ खड़ा हुआ, और उन से कहा, तुम्हें शान्ति मिले। परन्तु वे घबरा गए और डर गए और समझे, कि हम किसी भूत को देखते हैं। उस ने उन से कहा, क्यों घबराते हो? और तुम्हारे मन में क्यों सन्देह उठते हैं? मेरे हाथ और मेरे पांव को देखो, कि मैं वही हूँ, मुझे छूकर देखो; क्योंकि आत्मा के हड्डी मांस नहीं होता जैसा मुझ में देखते हो। यह कहकर उस ने उन्हें अपने हाथ पांव दिखाए। जब आनन्द के मारे उन को प्रतीति न हुई, और आश्चर्य करते थे, तो उस ने उन से पूछ, क्या यहाँ तुम्हारे पास कुछ भोजन है? उन्होंने उसे भूनी मछली का टुकड़ा दिया। उस ने लेकर उन के सामने खड़ा। फिर उस ने उन से कहा, ये मेरी वे बातें हैं, जो मैं ने तुम्हारे साथ रहते हुए तुम से कही थी; कि अवश्य है, कि जितनी बातें मूसा की व्यवस्था और भविष्यद्वक्ताओं और भजनों की पुस्तकों में, मेरे विषय में लिखी हैं, सब पूरी हों। तब उस ने पवित्र



पवित्र शास्त्र में बतल दिया गया है, कि मसीह दुःख उठाएगा तथा मारा जाएगा, परन्तु यह भी लिखा है, कि वह मृतों में से जी उठेगा। तुम सभी इस बात के गवाह हो। सन्पूर्ण जगत में जाकर सुसमाचार का प्रचार करो।

शास्त्र बूझने के लिये उन की समझ खोल दी। और उन से कहा, यों लिखा है, कि मसीह दुःख उठाएगा, और तीसरे दिन मरे हुओं में से जी उठेगा। और यरुशलेम से लेकर सब जातियों में मन फिरव का और पापों की क्षमा का प्रचार, उसी के नाम से किया जाएगा।

फसह के पर्व के बाद वाले दिन सज्ज्या के समय जीवित यीशु अपने शिष्यों पर प्रगट हुए थे। एक सप्ताह के बाद वे फिर मिले...



...लगा दिया गया था...और अचानक यीशु हमारे बीच में आकर खड़े हो गये। हमारी हृदय धी, कि यदि तुम हमारे साथ होते तो अच्छा होता।

अभूतपूर्व, परन्तु यह एक सत्य है। यीशु हमारे बीच में थे।

थोमा, हम ने स्वप्न नहीं देखा, यीशु ने हमें अपने हाथों और पंजर का घाव दिखाया। हम ने वास्तव में उन्हें देखा है।

परन्तु तुम ने उन्हें छुआ नहीं। तुम्हें ऐसा करना चाहिये था।



यूहन्ना 20:19-29

उसी दिन जो सप्ताह का पहिला दिन था, सज्ज्या के समय जब वहाँ के द्वार जहाँ चेले थे, यहूदियों के डर के मारे बन्द थे, तब यीशु आया, और बीच में खड़ा होकर उन से कहा, तुम्हें शान्ति मिले। और यह कहकर उसने अपना हाथ और अपना पंजर उन को दिखाए: तब चेले प्रभु को देखकर आनन्दित हुए। यीशु ने फिर उन से कहा, तुम्हें शान्ति मिले; जैसे पिता ने मुझे भेजा है, वैसे ही मैं भी तुम्हें भेजता हूँ। यह कहकर उसने उन पर फूँका और उन से कहा, पवित्र आत्मा लो। जिन के पाप तुम क्षमा करो वे उनके लिये क्षमा किये गए हैं जिनके तुम रखो, वे रखे गये हैं। परन्तु वाटर्हों में से एक व्यक्ति अर्थात् थोमा जो दिदुमुस कहलाता है, जब यीशु आया तो उनके साथ न था। जब और चेले



मैं समझता हूँ, तुम इस बात को नहीं भूल सके और इसलिए...

...उनकी मृत्यु के समय से तुम उन्हें सब जगह देख रहे हो।



तब तुम्हें मालूम हो जाता कि तुम लोग घोखे में हो। जब तक मैं उसके हाथों में किलों के छेद न देख लूँ और उसके पंजर में अपना हाथ न डाल लूँ, मैं विश्वास नहीं करूँगा। कभी नहीं।



उससे कहने लगे कि हम ने प्रभु को देखा है: तब उस ने उन से कहा, जब तक मैं उसके हाथों में किलों के छेद न देख लूँ, और किलों के छेदों में अपनी उंगली न डाल लूँ और उसके पंजर में अपना हाथ न डाल लूँ, तब तक मैं प्रतीति नहीं करूँगा। आठ दिन के बाद उसके चेले फिर घर के भीतर थे, और थोमा उनके साथ था, और द्वार बन्द थे,

अचानक शिष्य लोग यीशु को अपने बीच में खड़ा देखते हैं...



मित्रो, तुम्हें शान्ति मिले।

हे थोमा...

मेरे पास आ।



मेरे हाथों को देख, और अपनी उंगली इसमें डाल।

...और अपना हाथ मेरे पंजर में डाल।

सब्येह करना बंद कर और विश्वास कर।

हे मेरे प्रभु, हे मेरे परमेश्वर, मैं आपका विश्वास करता हूँ।

हे थोमा, तूने तो मुझे देखकर विश्वास किया है। घन्य वे हैं जिन्होंने बिना देखे विश्वास किया।

तब यीशु ने आकर और बीच में खड़ा होकर कहा, तुम्हें शान्ति मिले। तब उस ने थोमा से कहा, अपनी उंगली यहां लाकर मेरे हाथों को देख और अपना हाथ लाकर मेरे पंजर में डाल और अविश्वासी नहीं परन्तु विश्वासी हो। यह सुन थोमा ने उत्तर दिया, हे मेरे प्रभु, हे मेरे परमेश्वर! यीशु ने उस से कहा, तू ने तो मुझे देखकर विश्वास किया है, घन्य वे हैं जिन्होंने बिना देखे विश्वास किया।

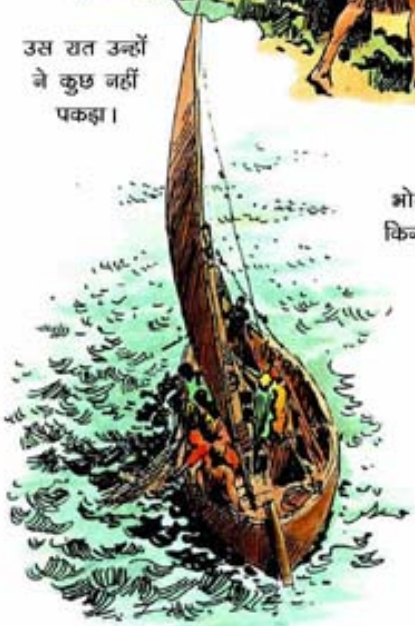


मित्रो, आज रात मैं मछली पकड़ने जा रहा हूँ।

हम भी तुम्हारे साथ चलेंगे.....

उस रात उन्होंने ने कुछ नहीं पकड़ा।

भोर होते ही यीशु किनारे पर आ अड़े हुए...



सुनो, क्या तुम्हारे पास कुछ मछली है ?

नहीं, हम ने कुछ भी नहीं पकड़ी।

आज की रात बेकार गई। हम बिल्कुल बक गये और कुछ नहीं पकड़ी!



मथुरा 21:1-19

इन बातों के बाद यीशु ने अपने आप को तिबिरियास झील के किनारे चेलों पर प्रगट किया और इस रीति से प्रगट किया। शमौन पतरस और थोमा जो दिदुमुस कहलाता है, और गलील के काना नगर का नतनएल और जब्दी के पुत्र, और उसके चेलों में से दो और जन इकट्ठे थे। शमौन पतरस ने उन से कहा, मैं मछली पकड़ने को जाता हूँ; उन्होंने उस से कहा, हम भी तेरे साथ चलते हैं; सो वे निकलकर नाव पर चढ़े, परन्तु उस रात कुछ न पकड़ा। भोर होते ही यीशु किनारे पर अड़ा हुआ; तौभी चेलों ने न पहचाना कि यह यीशु है। तब यीशु ने



जाल डालने के कुछ ही क्षण के बाद जब वे जाल खींच रहे थे...



उन्से कहा, हे बालको, क्या तुम्हारे पास कुछ आने को है? उन्होंने ने उत्तर दिया कि नहीं। उस ने उन से कहा, नाव की दाहिनी ओर जाल डालो, तो पाओगे, तब उन्होंने जाल डाला, और अब मछलियों कि बहुतायत के कारण उसे खींच न सके। इसलिये उस वेले ने जिस से यीशु प्रेम रखता था पतरस से कहा, यह तो प्रभु है, शमौन पतरस ने यह सुनकर कि प्रभु है, कमर में अंगरखा कस लिया क्योंकि वह नंगा था, और झील में कूद पड़ा। परन्तु और चले होंगी पर मछलियों से भरा हुआ जाल खींचते हुए आए, क्योंकि वे किनारे से अधिक दूर नहीं, कोई दो सौ हाथ पर थे। जब किनारे पर उतरे, तो उन्होंने



यूहन्ना, तेरा कहना सिक है, ऐसा कार्य केवल प्रभु ही कर सकते हैं। मेरा बख मुझे दे... मैं पानी में छलाँग लगाऊँगा ताकि मैं उसके पास शीघ्र पहुँच जाऊँ।



यीशु, यीशु जी, हमने आप को पहचान लिया।



अपने साथ कुछ मछली लेकर आओ, हम लोग नाश्ता करेंगे।



मैं ने 153 बड़ी मछलियाँ गिनी है, और तौभी जाल नहीं फटा।

मैं ने कभी नहीं सोचा कि यीशु हम से यहाँ मिलेंगे।

तवापि, यह यीशु है। यह जानना कितनी अद्भुत बात है कि वह सर्वदा निकट रहता है।

कोएले की आग, और उस पर मछली रखी हुई, और रोटी देसी। यीशु ने उन से कहा, जो मछलियाँ तुम ने अभी पकड़ी हैं, उन में से कुछ लाओ। शमौन पतरस ने हॉगी पर बढ़कर एक सौ तिर्पन बड़ी मछलियों से भरा हुआ जाल किनारे पर खींचा, और इतनी मछलियाँ होने से भी जाल न फटा। यीशु ने उन से कहा, कि आओ, भोजन करो और वेलों में से किसी को हियाव न हुआ, कि उस से पूछे, कि तू कौन है? क्योंकि वे जानते थे, कि हो न हो यह प्रभु ही है। यीशु आया, और रोटी लेकर उन्हें दी, और वैसे ही मछली भी। यह तीसरी बार है, कि यीशु ने मरे हुएों में से

जी उठने के बाद वेलों को दर्शन दिए। भोजन करने के बाद यीशु ने शमौन पतरस से कहा, हे शमौन, यूहन्ना के पुत्र, क्या तू इन से बढ़कर मुझ से प्रेम रखता है? उस ने उस

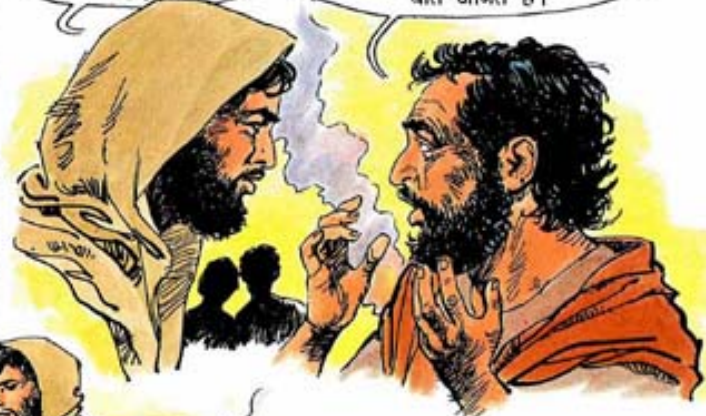


भोजन के बाद.....

हे पतरस, क्या तू मुझ से प्रेम करता है?

क्या तू अन्य लोगों से अधिक मुझ से प्रेम करता है?

हाँ, हाँ यीशु...आपको मालूम है, कि मैं आप से प्रेम करता हूँ, आप सभी बात जानते हैं।



मेरी भेड़ों और मेरे मेजनों की देखभाल कर। एक अच्छा मेघपाल बन।

बेचार पतरस...वह तो रोने लगा...ऐसा लगता है कि यह आग उसे महायाजक के आंगन की आग की बात याद दिला दी है।

स्वर्ग और पृथ्वी का सन्पूर्ण अधिकार मुझे दिया गया है।



इसलिए, तुम जाकर सब देश के लोगों को मेरा चेला बनाओ...और जगत के अन्त के समय तक मैं सर्वदा तुम्हारे साथ रहूँगा।

से कहा, हाँ, प्रभु, तू तो जानता है, कि मैं तुझ से प्रीति रखता हूँ; उस ने उससे कहा, मेरी भेड़ों को चरा। उस ने फिर दूसरी बार उस से कहा, हे शमौन, यूहन्ना के पुत्र, क्या तू मुझ से प्रेम रखता है? उस ने उस से कहा, हाँ, प्रभु तू जानता है, कि मैं तुझ से प्रीति रखता हूँ; उस ने उस से कहा, मेरी भेड़ों की रखवाली कर। उस ने तीसरी बार उस से कहा, हे शमौन, यूहन्ना के पुत्र, क्या तू मुझ से प्रीति रखता है? पतरस उदास हुआ, कि उस ने उसे तीसरी बार ऐसा कहा; कि क्या तू मुझ से प्रीति रखता है? और उस से कहा, हे प्रभु, तू तो सब कुछ जानता है: तू यह जानता है कि मैं तुझ से प्रीति रखता हूँ; यीशु ने उस से कहा, मेरी भेड़ों को चरा। मैं तुझ से सच सच कहता हूँ, जब तू जवान था, तो अपनी कमर बांधकर जहाँ चाहता था, वहाँ फिरता था, परन्तु जब तू बूढ़ा होगा, तो अपने हाथ लम्बे करेगा, और दूसरा तेरी कमर बांधकर जहाँ तू न चाहेगा वहाँ तुझे ले जाएगा। उस ने इन बातों से पता दिया कि पतरस कैसी मृत्यु से परमेश्वर की महिमा करेगा; और यह कहकर, उस से कहा, मेरे पीछे हो ले।



जैतून पहाड़ पर, शिष्यों ने यीशु को स्वर्ग जाते देखा और वह उसी रीति से शीघ्र वापस आया।

आपके लिए परमेश्वर का प्रेम

क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उस ने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए।

(यहून्ना 3:16)

परन्तु परमेश्वर हम पर अपने प्रेम की भलाई इस रीति से प्रगट करता है, कि जब हम पापी ही थे तभी मसीह हमारे लिए मरा।

(रोमियों 5:8)

यीशु ने कहा : मार्ग और सच्चाई और जीवन में ही हूँ; बिना मेरे द्वारा कोई पिता के पास नहीं पहुंच सकता (यहून्ना 14:6) और उसके पुत्र यीशु का लोहू हमें सब

पापों से शुद्ध करता है। यदि हम कहें, कि हम में कुछ भी पाप नहीं, तो अपने आप को धोखा देते हैं और हम में सत्य नहीं। यदि हम अपने पापों को मान लें, तो वह हमारे पापों को क्षमा करने, और हमें सब अधर्म से शुद्ध करने में विश्वासयोग्य और धर्मी है

(1 यहून्ना 1:7-9)

हे परमेश्वर, मुझ पापी पर दया कर।

(लूका 18:13)

प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास कर, तो तू और तेरा घराना उद्धार पाएगा।

(प्रेरितों के काम 16:31)

सुरमाचार यह है:

यीशु मरे हुआं में से जी उठा है

वह जीवित है!

प्रार्थना : हे यीशु, मैं अपने सम्पूर्ण हृदय से विश्वास करता हूँ, कि आप मेरे भी पापों के लिए बलिदान हुए। मैं अपने सभी पापों को स्वीकार करता हूँ और आप से क्षमा की याचना करता हूँ। आप आइये और मेरे हृदय में वास कीजिये, अब से मेरे जीवन में यह बात पूरी होगी: मेरी इच्छा नहीं, परन्तु आपकी इच्छा पूरी हो। मैं आपको धन्यवाद देता हूँ कि आप मेरा मुक्तिदाता होना चाहते हैं।
आमीन!